हिंदी दैनिक
कोयलांचल संवाद
www.ksnewsupdates.com धनबाद, सोमवार, 07 जुलाई, 2025 वर्ष : 34 अंक : 102 मूल्य : 3 रूपए
धनबाद एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

YouTube Subscribe
Koylanchal sambad news

संक्षिप्त खबरें

गिरिडीह में ताजिया बिजली करंट से टकराया , एक की मौत, तीन घायल

गिरिडीह।गिरिडीह जिले के घोड़ताम्बा में रविवार को ताजिया बिजली करंट से टकरा गई।इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हुई है और तीन घायल हो गए। गिरिडीह डीसी राम निवास यादव ने बताया कि जुलूस वालो ने 3 बजे से बिजली आपूर्ति बंद करने का अनुरोध किया था। ये लोग दिन के 12 बजे ताजिया को उठाकर इधर उधर रख रहे थे तभी ताजिया बिजली के तार से सट गया। उन्होंने बताया कि इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हुई है और तीन लोग झुलस गए हैं।

कोयला चोर ने कहा स्पेशल ब्रांच से हूं फिर सीसीएल टीम पर किया हमला

गिरीडीह । गिरिडीह जिले में कोयला चोरों ने दुस्साहस का परिचय देते हुए सीसीएल कर्मियों पर हमला कर दिया।यह घटना सीसीएल के गिरिडीह एरिया के सीपी साइडिंग की है। घटना रविवार की है।जानकारी के मुताबिक कोयला चोरी करने वाले कुछ लोग सीसीएल के सीपी साइडिंग पर पहुंचे। सीसीएलकर्मियों ने जब उन्हें हटने को बोला तो अपराधियों ने खुद को स्पेशल ब्रांच का स्टाफ बताया।इसके साथ ही उसने अपने साथियों को बुला लिया।कुछ ही देर में कोयला चोरों के कई अन्य साथी वहां पहुंच गए। जिसके बाद सभी ने मिल कर सीसीएल कर्मियों पर हमला कर दिया।सीसीएल कर्मियों के साथ मारपीट की। सीसीएलकर्मियों ने घटना की जानकारी जीएम और पीओ को दी।सीसीएल के अधिकारियों ने मामले की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी।जिसके बाद थाना प्रभारी संजय कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस के पहुंचने के बाद कोयला चोरी के काम में लगे अपराधकर्मी भाग निकले।

विधायक जयराम महतो अपने वेतन की 75 फ़ीसदी राशि मैट्रिक-इंटर के टॉपर्स के बीच सोमवार को करेंगे वितरित

गिरिडीह ।डुमरी विधानसभा क्षेत्र के छात्रों के लिए एक अच्छी खबर है। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के सुप्रीमो सह विधायक जयराम महतो ने कहा है कि वे अपने वेतन की 75 फीसदी राशि डुमरी विधानसभा क्षेत्र के मैट्रिक और इंटरमीडिएट के टॉप टेन छात्र-छात्राओं के बीच पुरस्कार/प्रोत्साहन के रूप में वितरित करेंगे। विधायक जयराम महतो ने अपने घोषणा पत्र में वचन दिया था कि अपने वेतन की 75% राशि क्षेत्र की जनता के लिए दान करेंगे।इसी कड़ी में, वह अपने तीन माह के वेतन की 75% राशि डुमरी विधानसभा क्षेत्र के 10वीं और 12वीं आर्ट्स, कॉमर्स, साइंस के टॉप 10 विद्यार्थियों के मध्य पुरस्कार/प्रोत्साहन के रूप में वितरित करेंगे। यह कार्यक्रम 7 जुलाई को नावाडीह स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा।

सिकदारडीह करबला पहुँचे मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू

गिरिडीह। मोहर्रम के दशवीं के मौके पर सदर प्रखंड के सिकदारडीह गांव स्थित करबला सूबे के खेल, नगर विकास एवं पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू विशेष रूप से पहुँचे। इस दौरान मंत्री जहां कर्बला का ज़ियारत किया वहीं उन्होंने वहां मौजूद स्थानीय लोगों से भी मुलाकात की। ज़ियारत के दौरान मंत्रीगण सोनू ने मोहर्रम के पवित्र अवसर पर श्रद्धा व्यक्त कर समाज में शांति, सौहार्द एवं एकता का संदेश दिया। इस दौरान उनके साथ स्थानीय प्रशासन व समाज के कई गणमान्य लोग भी मौजूद रहे। मौके पर ग्राम पंचायत सिकदारडीह के मुखिया प्रतिनिधि महताब मिर्जा ने सभी आगंतुकों का भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम में स्थानीय अंजुमन के सरपरस्त हसन इमाम, सचिव शमीम आलम, तबारक मिर्जा और मुस्ताक अंसारी सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद थे।

मुहर्रम के दौरान हाई टेंशन तार की संपर्क में आने से 36 लोग झुलसे, एक की मौत

दरभंगा, (ईएमएस)। बिहार के दरभंगा जिले में मुहर्रम के दौरान हाई टेंशन तार की संपर्क में आने से 36 लोग झुलस गए और एक व्यक्ति की मौत हो गई। यह हादसा तारडीह प्रखंड के ककोढ़ा गांव में चौकी मिलान के दौरान हुआ। दरअसल तीन गांव के लोग ताजिया मिलान कर रहे थे, इसी दौरान ताजिया जुलूस सड़क किनारे से गुजर रहा था, जहां से 11 हजार वोल्ट का हाई वोल्टेज तार भी गुजरता है। उसी दौरान अचानक चौकी उसमें टकरा गई, जिससे करंट फैल गया जिससे 36 लोग झुलस गए और एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक का नाम ककोढ़ा निवासी मो. मिराज है. घायल लोगों का इलाज दरभंगा मेडिकल कॉलेज तथा आसपास के प्रखंडों के रेफरल अस्पताल में चल रहा है। इनमें कई लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

अमरनाथ यात्राः 7,208 श्रद्धालुओं का जत्था रवाना अब तक 48 हजार कर चुके हैं दर्शन

श्रीनगर,(ईएमएस)। अमरनाथ यात्रा जारी है कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पिछले तीन दिनों में करीब 48,000 श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए। रविवार को भी 7,208 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था जम्मू से कश्मीर के लिए रवाना हुआ। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को 21,000 से ज्यादा यात्रियों ने पवित्र गुफा मंदिर के दर्शन किए। उन्होंने बताया कि रविवार को 7,208 यात्रियों का एक और जत्था दो सुरक्षा काफिलों में जम्मू से घाटी के लिए रवाना हुआ। उन्होंने कहा कि पहला सुरक्षा काफिला तीर्थयात्रियों को उत्तरी कश्मीर के बालटाल बेस कैंप ले जा रहा है, जबकि दूसरा सुरक्षा काफिला यात्रियों को दक्षिण कश्मीर के नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप ले जा रहा है। अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के अधिकारियों ने बताया कि जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास आने वाले यात्रियों के अलावा कई यात्री मौके पर पंजीकरण के लिए सीधे बालटाल और नुनवान बेस कैंप जा कर रहे हैं।
बता दें शनिवार को जम्मू संभाग के रामबन जिले के चंद्रकोट में घाटी जाने वाले यात्री काफिले में पांच वाहनों के आपस में टकरा जाने से 36 यात्री घायल हो गए थे। इस साल अमरनाथ यात्रा को बहुस्तरीय सुरक्षा प्रदान की गई है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद ये पहली अमरनाथ यात्रा है। सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी और स्थानीय पुलिस के साथ सीएपीएफ की अतिरिक्त 180 कंपनियों को तैनात किया गया है।

राजन काबरा ने देश में सीए फाइनल परीक्षा में पहला स्थान हासिल किया

सीए परीक्षा के नतीजे घोषित, मुंबई-ठाणे के छात्रों ने बाजी मारी

सीए इंटरमीडिएट परीक्षा में मुंबई की दिशा गोखरू देशभर में टॉप

मुंबई, (ईएमएस)। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की ओर से मई 2025 में आयोजित सीए फाइनल, इंटरमीडिएट और फाउंडेशन परीक्षाओं के नतीजे रविवार को घोषित किए गए। इसमें मुंबई और ठाणे के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष स्थान हासिल किया है। सीए फाइनल परीक्षा में मुंबई के राजन काबरा ने 600 में से 516 अंक हासिल कर देश में पहला स्थान हासिल किया है। जबकि कोलकाता की निशिता बोथ्रा ने 503 अंक हासिल कर दूसरा स्थान हासिल किया, वहीं मुंबई के मानव शाह ने 493 अंक हासिल कर तीसरा स्थान हासिल किया। ग्रुप 1 में 66,943 छात्र फाइनल परीक्षा में शामिल हुए, जिनमें से 14,979 छात्र पास हुए। पास प्रतिशत 22.38 प्रतिशत है। जबकि ग्रुप 2 में 46,173 छात्रों में से 12,204 छात्र पास हुए (26.43 प्रतिशत)। दोनों ग्रुप से परीक्षा देने वाले 29,286 छात्रों में से 5,490 छात्र पास हुए, जो 18.75 प्रतिशत का पास प्रतिशत है।

- सीए इंटरमीडिएट परीक्षा में मुंबई की दिशा गोखरू देशभर में टॉप

सीए इंटरमीडिएट परीक्षा में मुंबई की दिशा गोखरू ने 600 में से 513 अंकों के साथ देशभर में टॉप किया। संदीप देवीदान 503 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि जयपुर के यामिश जैन और उदयपुर के निलय डांगी 502 अंकों के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे। ग्रुप 1 के 97,034 छात्रों में से 14,232 छात्र पास हुए (14.67 प्रतिशत)। ग्रुप 2 से परीक्षा देने वाले 72,069 छात्रों में से 15,502 छात्र पास हुए (21.51 प्रतिशत), जबकि दोनों ग्रुप के 38,029 छात्रों में से 5,028 पास हुए, जो 13.22 प्रतिशत का पास प्रतिशत है।

- सीए फाउंडेशन परीक्षा में गाजियाबाद की वृंदा अग्रवाल देशभर में प्रथम स्थान पर

देशभर के 551 केंद्रों पर आयोजित सीए फाउंडेशन परीक्षा में गाजियाबाद की वृंदा अग्रवाल ने 400 में से 362 अंक प्राप्त कर देशभर में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उसके बाद मुंबई के यज्ञेश नारकर ने 359 अंकों के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि मुंबई से सटे ठाणे जिले के डोंबिवली के शार्दुल विचारे ने 358 अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस परीक्षा में कुल 82,662 छात्र शामिल हुए थे।
इनमें से 12,474 छात्र उत्तीर्ण हुए और कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 15.09 प्रतिशत रहा। इनमें से 16.26 प्रतिशत लड़के और 13.80 प्रतिशत लड़कियां थीं। इन परिणामों ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि चार्टर्ड अकाउंटेंसी के क्षेत्र में मुंबई और ठाणे के छात्रों की तैयारी और गुणवत्ता देश में सर्वश्रेष्ठ है। उम्मीद है कि भविष्य के वित्तीय विशेषज्ञों का यह नया बैच देश की आर्थिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

योगेंद्र साव के बेटे ने पांच साल में 1.70 करोड़ की जमीन खरीदी

रांचीः पूर्व मंत्री योगेंद्र साव व पूर्व विधायक निर्मला देवी के पुत्र व बड़कागांव के पूर्व विधायक अंबा प्रसाद के भाई अंकित राज ने पांच साल के दौरान करीब आठ एकड़ जमीन खरीदी. जमीन से सबंधित दस्तावेज में जमीन का कागजी मूल्य 1.70 करोड़ रुपये दर्ज है. ईडी की जांच में पाया गया है कि अंकित राज बालू के अलावा अन्य कई तरह के व्यापार में शामिल है. कुछ कंपनियों मे उसके साथ दूसरे करीबी लोग भी शामिल है. बालू के कारोबार के लिए बनायी गयी कंपनी उसी के नाम पर है. अंकित राज की कंपनी का नाम मेसर्स अंकित राज सैंड स्टॉकयार्ड है. इसके अलावा मेसर्स एसकेएस इंटरप्राइजेज पर भी उसका पूरा नियंत्रण है. मां अष्टभुजा सिरामिक्स नाम की कंपनी पर भी अंकित राज का पूरा नियंत्रण है. इडी ने जांच में अंकित राज को बालू के अवैध कारोबार में भी लिप्त पाया है.

अंकित राज के नाम खरीदी जमीन

मौजा (जिला हजारीबाग)	क्षेत्रफल (डिसमिल में)	मूल्य (लाख में)
केरोडारी	42	10.00
नयाखाप	20.69 1	7.00
नयाखाप	9.31	9.00
केरेडारी	36	10.00
हुपाद	14	19.00
नवादा	14	3.25
कैंटोनमेंट	08	75.00
सिकरी	04	7.00
भदईखाप	44.75	8.00
सादमपुर	16	1.75
सादमपुर	207.2	11.50
बहोरनपुर	80	4.99
बहोरनपुर	123	7.80
बहोरनपुर	113	7.00
सादमपुर	63	4.96

अंकित राज ने यह जमीन हजारीबाग जिले के विभिन्न मौजा में खरीदी है. जमीन की रजिस्ट्री वर्ष 2019 से 2023 के बीच की गयी है. पांच साल की अवधि में कुल 15 सेल डीड के सहारे जमीन की खरीद की गयी है. सबसे ज्यादा रजिस्ट्री वर्ष 2023 के दौरान की गई है.

पिकअप में घुसी कार, 4 की मौत

बारां(ईएमएस)। बारां में सडक़ हादसे में कार सवार 4 लोगों की मौत हो गई। गड्ढा बचाने की कोशिश में कार बेकाबू होकर आगे चल रही पिकअप में घुस गई। कार सवार लखनऊ (यूपी) से कोटा जा रहे थे। हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर गजनपुरा में हाड़ौती पैनोरमा के पास हुआ। बारां डीएसपी ओमेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि शनिवार देर रात हुए एक्सीडेंट में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, एक युवती ने कोटा में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने गाड़ी में फंसे सभी घायलों को बड़ी मुश्किल से बाहर निकाला। इसके बाद इन्हें स्थानीय हॉस्पिटल में ले जाया गया। जहां से घायल युवती को कोटा रेफर किया गया।

243 करोड़ से बना रामसेतु एलिवेटेड ब्रिज धंसा, लोगों ने उठाए सवाल

कोर्ट में याचिका दायर, 15 से ज्यादा वकील मामले में करेंगे पैरवी

अजमेर,(ईएमएस)। अजमेर में 243 करोड़ की लागत से बने रामसेतु एलिवेटेड ब्रिज को लेकर विवाद बढ़ गया है। इस रामसेतु ब्रिज की जमीन धंसने की घटना के बाद शनिवार को दो प्रतिवादियों की ओर से कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। याचिका में ठेकेदार, निर्माण कंपनी और अधिकारियों के खिलाफ जांच की मांग की गई है। इस मामले में 15 से ज्यादा वकील कोर्ट में पैरवी करेंगे और इसकी सुनवाई सोमवार को होना है।
प्रतिवादी ने बताया कि 3 जुलाई को रामसेतु ब्रिज की सड़क का हिस्सा धंस गया, जिससे आम लोगों में दहशत है। यह ब्रिज पहले एलिवेटेड रोड के नाम से जाना जाता था, जिसे बाद में रामसेतु ब्रिज के नाम से जाना जाने लगा। प्रतिवादी ने बताया कि एक जागरूक नागरिक होने के नाते उन्होंने कोर्ट का रुख किया ताकि दोषियों की पहचान हो और भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। याचिका में कोर्ट से मांग की गई है कि निर्माण में प्रयोग की गई सामग्री की गुणवत्ता की जांच की जाए। तय समय पर कार्य पूरा न होने की जांच और ठेकेदार पर लगी पेनल्टी माफी की भी जांच हो। जिम्मेदार अधिकारियों से नुकसान की वसूली की जाए। जब तक ब्रिज की सुरक्षा की पुष्टि नहीं हो जाती, तब तक इसे बंद रखने की मांग की गई है। एक वकील ने बताया कि ब्रिज का निर्माण कार्य तीन साल पहले पूरा हुआ था, लेकिन शुरुआत से ही इसकी गुणवत्ता और जरूरत पर सवाल उठते रहे हैं। निर्माण कार्य के दौरान देरी और लागत में बढ़ोतरी को लेकर राजनीतिक विरोध भी सामने आया था। उन्होंने कहा कि ठेकेदार को समय पर ब्रिज न पूरा करने पर पेनल्टी लगी थी, जिसे बाद में अज्ञात कारणों से माफ कर दिया गया। सोमवार को होने वाली सुनवाई में शहर के 15 से ज्यादा वकील इस जनहित याचिका पर सह-पक्षकार के रूप में कोर्ट में मौजूद रहेंगे। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि यह केवल एक ब्रिज की बात नहीं है, बल्कि सार्वजनिक धन, नागरिकों की सुरक्षा और शासन की जवाबदेही का सवाल है। 243 करोड़ के खर्च और मात्र 3 साल में धंसाव जैसी घटनाएं, निर्माण कार्य की पारदर्शिता और गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर रही हैं। अब देखना होगा कि कोर्ट इस मामले में क्या रुख अपनाती है और क्या जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई होगी।

बदल गया नियमः सुप्रीम कोर्ट में भी ओबीसी को मिलेगा आरक्षण

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सरकारी नौकरियों और आईआईटी-आईआईएम जैसे उच्च शिक्षण संस्थानों में आरक्षण मिलने के बाद अब सुप्रीम कोर्ट ने भी इस दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है। कोर्ट ने ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) को आरक्षण देने का निर्णय लिया है। भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता में सुप्रीम कोर्ट ने अपने गैर-न्यायिक कर्मचारियों की नियुक्ति प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया है। इसके तहत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांग, पूर्व सैनिकों और स्वतंत्रता सेनानियों के आश्रितों के साथ-साथ ओबीसी को भी आरक्षण का लाभ देने की अधिसूचना जारी कर दी है। राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता पी. विल्सन लंबे समय से सुप्रीम कोर्ट में ओबीसी आरक्षण की मांग कर रहे थे। उन्होंने इसे 'ऐतिहासिक सुधार' करार दिया। उन्होंने कहा कि यह संशोधन अब सुप्रीम कोर्ट की भर्तियों को राष्ट्रीय स्तर पर लागू आरक्षण मानकों के अनुरूप लाएगा। इस बदलाव के तहत सुप्रीम कोर्ट ऑफिसर्स एंड सर्वेंट्स (कंडीशन्स ऑफ सर्विस एंड कंडक्ट) रूल्स, 1961 के नियम 4ए में संशोधन किया गया है। यह संशोधन संविधान के अनुच्छेद 146(2) के तहत मुख्य न्यायाधीश की शक्तियों का प्रयोग करते हुए किया गया है। अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि इन सभी श्रेणियों को केंद्र सरकार द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों और अधिसूचनाओं के अनुसार आरक्षण मिलेगा, जैसा कि उन पदों के लिए निर्धारित वेतनमान के अनुरूप होता है। यह निर्णय केवल एक प्रशासनिक बदलावनहीं, बल्कि न्यायिक व्यवस्था में समावेशिता की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने यह कदम उस ऐतिहासिक फैसले के 33 साल बाद उठाया है, जब 1992 में इंदिरा साहनी बनाम भारत सरकार मामले में नौ-न्यायाधीशों की पीठ ने ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने को संवैधानिक रूप से वैध ठहराया था। बावजूद इसके, सुप्रीम कोर्ट की आंतरिक भर्तियों में अब तक ओबीसी वर्ग को आरक्षण का लाभ नहीं दिया गया था। वहीं पूर्ववर्ती मनमोहन सिंह सरकार में मानव संसाधन विकास मंत्री रहे अर्जुन सिंह ने उच्च शिक्षण संस्थानों में ओबीसी वर्ग को भी आरक्षण का रास्ता साफ किया था।

लॉ कॉलेज गैंगरेपः आरोपी मोनोजीत घटना के बाद कई जगह घूमा, मांगी थी मदद

कोलकाता,(ईएमएस)। कोलकाता लॉ कॉलेज की छात्रा से गैंगरेप मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि 25 जून को वारदात के एक दिन बाद मुख्य आरोपी मोनोजीत मिश्रा ने अपने मेंटर्स से मदद मांगी थी। पुलिस ने बताया कि इस मामले में चार लोग आरोपी हैं उसमें सुरक्षा गार्ड भी शामिल हैं। ये सभी हिरासत में हैं। यह घटना कॉलेज कैंपस के अंदर हुई थी और पुलिस इसकी गहन जांच कर रही है।
मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया है कि घटना के बाद मोनोजीत मिश्रा दक्षिण कोलकाता के कई इलाकों में गया था। रासबिहारी, देशप्रिय पार्क, गरियाहाट, फर्न रोड और बालीगंज स्टेशन रोड में भटकते हुए उसने अपने परिचितों से संपर्क करने की कोशिश की। मोबाइल टावर डेटा से पता चला कि वह पुलिस स्टेशन के पास भी गया था।
एक जांच अधिकारी ने बताया कि 26 जून को मोनोजीत मिश्रा ने देशप्रिय पार्क में एक प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात की, लेकिन उसने मामले की गंभीरता को देखते हुए मदद करने से इनकार कर दिया था। उसने पीछे हट जाने की सलाह दी थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि तीनों आरोपियों ने घटना के बाद गार्ड के कमरे में शराब पी थी। उन्होंने सुरक्षा गार्ड पिनाकी बनर्जी को इस घटना के बारे में चुप रहने के लिए कहा था। इसके बाद तीनों उसी रात ईएम बायपास पर एक ढाबे में गए और रात का खाना खाया। वे वहां से अगली सुबह अपने घर लौट गए। कोलकाता पुलिस इस मामले में और सबूत जुटाने की कोशिश कर रही है।

अंडमान सागर में भूकंप के झटके, तीव्रता 4.5 मापी गई

अंडमान,(ईएमएस)। अंडमान सागर में रविवार सुबह रिक्टर स्केल पर 4.5 तीव्रता वाला भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप सुबह 7:03 बजे समुद्र की गहराई में महसूस किया गया। यह जानकारी नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) द्वारा जारी की गई है। जानकारी अनुसार भूकंप का एपिसेंटर 6.60अक्षांश नॉर्थ और 95.05 देशांतर ईस्ट पर स्थित था। यह झटका समुद्र की सतह से 10 किलोमीटर गहराई में उत्पन्न हुआ, जो सामान्य गहराई के भूकंपों की श्रेणी में आता है। अब तक किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान या सुनामी खतरे की सूचना नहीं है। प्रशासन और आपदा प्रबंधन टीमें स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। क्षेत्रीय भूकंपीय निगरानी सिस्टम और तटीय सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के आसपास का इलाका भूकंपीय दृष्टि से बेहद सक्रिय माना जाता है। यह क्षेत्र इंडो-ऑस्ट्रेलियन और बर्मा टेक्टोनिक प्लेट्स के जंक्शन पर स्थित है, जहां अक्सर हल्के या मध्यम भूकंप आते रहते हैं।

तलाशी के दौरान मिला आतंकियों का अड्डा भारी मात्रा में मिला हथियारों का जखीरा

जम्मू,(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सुरक्षा बलों को तलाशी अभियान के दौरान आतंकवादी का ठिकाना मिला है। जहां से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि सुरनकोट के जंगलों में पुलिस और सेना के संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान इस ठिकाने का पता चला। अधिकारियों ने बताया कि अभियान में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई। सुरक्षा बलों ने ठिकाने से तीन हथगोले, एके असॉल्ट राइफल की 14 गोलियां, पिस्तौल की 6 गोलियां और अन्य सामग्री बरामद की गईं। वहीं, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आतंकवादी गतिविधियों से जुड़ी अवैध कमाई से अर्जित संपत्ति को कुर्क किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, खानयार पुलिस थाने में दर्ज एक प्राथमिकी के संबंध में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत कुर्की की गई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आतंकवादी तंत्र के खिलाफ एक निर्णायक कदम उठाया गया। इसके सहायक ढांचे को ध्वस्त करने के लिए श्रीनगर पुलिस ने एक आवासीय संपत्ति को कुर्क कर लिया है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग डेढ़ करोड़ रुपये है।

चिराग पासवान लड़ेंगे 243 सीटों पर विधानसभा चुनाव

बोले- बिहार की 243 सीटों पर उतरेगी पार्टी

एनडीए में दरार के संकेत, बीजेपी-जेडीयू की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

छपरा,(ईएमएस)। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने रविवार को बड़ा राजनीतिक ऐलान करते हुए कहा कि वह आगामी बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेंगे और उनकी पार्टी राज्य की 243 सीटों पर अपने उम्मीदवार मैदान में उतारेगी।
केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान छपरा के राजेंद्र स्टेडियम में आयोजित 'नव संकल्प महासभा' को संबोधित कर रहे थे। यहां पर चिराग ने कहा कि बिहार के विकास और युवाओं की उम्मीदों को पूरा करने के लिए वह सीधे मैदान में उतरना चाहते हैं। उनके इस ऐलान को एनडीए में खिंचाव के रूप में देखा जा रहा है, जिससे बीजेपी और जेडीयू की रणनीति पर असर पड़ सकता है।

विरोधियों पर साधा निशाना

चिराग ने कहा, कि मेरे विरोधी मेरी राह में रोड़े अटकाना चाहते हैं, लेकिन मैं बिहार के हित में चुनाव लड़ूंगा और जनता की आवाज बनूंगा। उन्होंने यह भी साफ किया कि पार्टी अब सिर्फ सहयोगी भूमिका नहीं निभाएगी, बल्कि पूरे राज्य में अपने दम पर लड़ाई लड़ेगी।

खेमका हत्याकांड पर उठाए सवाल

राजधानी पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या पर चिराग ने चिंता जताई। उन्होंने कहा, कि यह घटना उस सरकार में हो रही है जिसकी पहचान सुशासन की है और मैं खुद उस सरकार का हिस्सा हूं। यह सवालों से भागने का वक्त नहीं है। चिराग ने सरकार और स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी तय करने की बात कहते हुए पूछा कि क्या प्रशासन ने पीड़ित परिवार को सुरक्षा दी थी? उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी सरकार की होती है, चाहे घटना पटना में हो या किसी दूरस्थ गांव में।

एनडीए के लिए नई चुनौती?

हालांकि चिराग पासवान अभी एनडीए का हिस्सा हैं, लेकिन उनकी पार्टी द्वारा 243 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा को बीजेपी-जेडीयू गठबंधन के लिए खतरे की घंटी माना जा रहा है। जानकारों का मानना है कि अगर लोजपा (रामविलास) अकेले दम पर सभी सीटों पर उतरेगी, तो इससे वोटों का बंटवारा होगा और महागठबंधन को फायदा मिल सकता है। बिहार की राजनीति में चिराग पासवान का यह कदम न सिर्फ सत्ता समीकरणों को चुनौती देगा, बल्कि एनडीए की एकता को भी कसौटी पर ले आएगा।

हिमाचल के चंबा-मंडी में बादल फटने से 5 पुल बहे... छत्तीसगढ़ के सरगुजा में भारी बारिश, सड़कें डूबीं

नई दिल्ली/ भोपाल/ रायपुर (ईएमएस)। हिमाचल प्रदेश के चंबा और मंडी जिले में बादल फट गया है। इससे राज्य में 5 पुल बह गए हैं। चंबा में कंघेला नाले पर बना पुल बह गया। वहीं, मंडी जिले की चौहार घाटी में एक वाहन-यातायात और तीन पैदल पुल बह गए। हिमाचल प्रदेश में 20 जून को मानसून की एंट्री हुई थी। तब से लेकर 4 जुलाई तक बाढ़-लैंडस्लाइड की घटनाओं में 75 लोगों की मौत हो चुकी है। 288 लोग घायल हैं। बादल फटने की घटनाओं में सबसे ज्यादा 14 मौतें मंडी जिले में हुई हैं। यहां 31 लोग अभी भी लापता हैं। राज्य में आज भी तेज बारिश का रेड अलर्ट है।
छत्तीसगढ़ के सरगुजा में शनिवार रात से तेज बारिश जारी है। सरगुजा की पॉश कॉलोनी से लेकर नीचली बस्तियों में पानी भर गया। वहीं, अंबिकापुर के कुंडला सिटी में दो से तीन फुट तक पानी भर जाने से रोड पर खड़ी कारें आधी डूब गईं। झारखंड में शनिवार को तेज बारिश हुई। रामगढ़ जिले के महुआ टांगरी में सुबह के वक्त अवैध कोयला खदान धंस गई। इसमें 4 लोगों की मौत और 4 घायल हो गए। राज्य में सोमवार सुबह तक तेज बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। मध्य प्रदेश में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव होने से बाढ़ के हालात हैं। तेज बारिश के कारण मंडला जिले में नर्मदा नदी उफान पर है। इधर, नरसिंहपुर को होशंगाबाद से जोडऩे वाले नेशनल हाईवे पर मौजूद पुल ढह गया।

सर्वभाषा साहित्यकार सम्मान से सम्मानित हुए डॉ.मुकुंद रविदास

धनबाद : अखिल भारतीय साहित्य परिषद, नई दिल्ली के झारखंड इकाई के द्वारा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर सेक्टर टू ए में "आत्मबोध से विश्वबोध" पर एक संगोष्ठी सह क्षेत्रीय एवं सर्वभाषा सम्मान समारोह का आयोजन किया । इस आयोजन के मुख्य अतिथि पवन पुत्र बादल राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री विशिष्ट अतिथि डॉ.अशोक कुमार सिंह प्रदेश अध्यक्ष झारखंड,डॉ.विजय प्रकाश प्रदेश महामंत्री थे। प्रथम सत्र में आत्मबोध से विश्वबोध विषय पर संगोष्ठी पर विचार विमर्श द्वितीय सत्र में पांच लोगों को सर्वभाषा साहित्यकार सम्मान - 25 से सम्मानित किया गया । डॉ. मुकुंद रविदास,डॉ.शिरोमणि महतो,श्री बासु बिहारी महतो,शिव कुमार दांगी,नागेश्वर महतो को प्रशस्ति पत्र एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया । तृतीय सत्र में काव्य गोष्ठी हुई । डॉ.मुकुंद रविदास द्वारा रचित खोरठा कविता संग्रह "कोयला आर माटी" खोरठा भाषियों को खूब पसंद किया गया है ।इसमें कुल पच्चीस कविताएं है । इस कविता संग्रह की पहली कविता "पढ़ नुनु पढ़ " खास स्कूल के छोटे छोटे बच्चों के बीच खूब गया जाता है । इनकी अब तक छह पुस्तकें प्रकाशित है और भारतीय दलित साहित्य अकादमी नई दिल्ली से डॉ. आंबेडकर फेलोशिप सम्मान , धनबाद गौरव ,झारखंड गौरव रत्न सहित विभिन्न संस्थानों से सम्मानित है ।

खेत ही नहीं पेड़ से भी किसान हो सकते है आर्थिक रूप से समृद्ध: शिल्पी नेहा तिर्की

रांची(ईएमएस)।सिद्धो कान्हो कृषि एवं वनोपज राज्य सहकारी संघ के सौजन्य से रांची जिला के लापुंग प्रखंड अंतर्गत मालगो लैम्प्स के रायटोली में एक दिवसीय क्षेत्रीय लाह खेती प्रशिक्षण सह टूल किट्स वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की विशेष रूप से शामिल हुई।सिद्धको फेड के द्वारा इस मौके पर 191 किसानों को लाह उत्पादन का प्रशिक्षण के साथ साथ टूल किट्स दिया गया।जिसमें 5 किलो लाह का बीज, कटाई के उपकरण, सुरक्षा उपकरण मुख्य रूप से शामिल है। किसानों को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि मौजूदा दौर में राज्य के किसान अपने खेत से ही नहीं पेड़ के सहारे भी आर्थिक रूप से समृद्ध हो सकते है।लाह की खेती इस दिशा में सफल प्रयोग साबित होगा।झारखंड देश का सबसे

ज्यादा लाह उत्पादन करने वाला राज्य है। लाह की कमाई से बच्चों की पढ़ाई और परिवार को गरीबी के दंगल से निकाला जा सकता है।खूंटी और लातेहार का भौगोलिक स्थिति लापुंग से मिलती जुलती है।उन्होंने कहा कि सिद्धको फेड गठन का उद्देश्य वनोपज को बढ़ावा देने के साथ साथ उसके उचित मूल्य के लिए बाजार उपलब्ध कराना है।इस दिशा में सिद्धको फेड लगातार काम कर रहा है।लाह की मांग समय के साथ देश ही नहीं विदेश तक बढ़ी है।राज्य के किसान संगठित हो कर बेहतर प्रशिक्षण के साथ नई तकनीक के सहारे बेहतर गुणवत्तापूर्ण लाह का उत्पादन कर सकते है। एक पेड़ से 25 किलो तक लाह का उत्पादन किया जा सकता है। लाह के उत्पादन से जुड़ कर रोजगार के लिए गांव से होने वाले पलायन को भी रोका जा सकता है।इस मौके पर सिद्धको फेड के सचिव राकेश कुमार सिंह ने कहा कि विभाग प्रशिक्षण और प्रसंस्करण के क्षेत्र में काम कर रहा है।लाह को कृषि का दर्जा मिलने के साथ ही इसके उत्पादन में बढ़ोत्तरी की उम्मीद और बढ़ गई है। सिद्धको फेड ने राज्य के 10 हजार किसानों को लाह की खेती का प्रशिक्षण देने का लक्ष्य निर्धारित किया है।लाह के उत्पादन में मेहनत कम और मुनाफा ज्यादा का राज छुपा है।लाह का इस्तेमाल दवा बनाने से लेकर कॉस्मेटिक प्रोडक्ट में किया जा रहा है। किसानों के लिए ये अधिक मूल्य वाला उत्पाद है जिसकी मांग लगातार बढ़ रही है। किसानों के हाथ लाह का बीहन मिलते ही सभी ने पेड़ का रुख कर लिया। आज से पेड़ पर लाह के बीहन को लगाने का दौर शुरू हो गया।इस मौके पर वैज्ञानिक डी के सिंह, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष जयंत बारला,सुदामा महली,देवती देवी, चैतन्य गंझू, सुरेश कुमार ,विश्वनाथ मुंडा , सरोज मुंडा,सलीम मौजूद थे।

विश्व आदिवासी दिवस पर होने वाले कार्यक्रम पर हुई चर्चा

सिमडेगा(ईएमएस)। विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर होने वाले कार्यक्रम को लेकर रविवार को अलबर्ट एक्का स्टेडियम में बैठक हुई।प्यारा मुंडू की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में नौ अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम के साथ मनाने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम को लेकर अगली बैठक नौ जुलाई को रखने का निर्णय लिया गया। अगली बैठक में आदिवासी दिवस कार्यक्रम को लेकर कमेटी का विस्तार किया जाएगा। बैठक में अनुप लकड़ा, जिप सदस्य अजय एक्का, धानो कच्छप, सुनील मिंज, रेजिना टोप्पो, अशोषन बिलुंग, प्रदीप टोप्पो, राजेन्द्र मिंज, स्तानिसलस लकड़ा, जोसेफ डुंगडुंग, जतरू खड़िया, प्रकाश मिंज आदि उपस्थित थे।

बच्ची के साथ दुष्कर्म मामले में एक नाबालिग को पुलिस ने भेजा रिमांड होम

पूर्वी सिंहभूम(ईएमएस)।जमशेदपुर सोनारी थाना क्षेत्र के रहने वाली चार साल की बच्ची के दुष्कर्म का मामला सामने आया है। बच्ची के पड़ोस में ही रहने वाले नाबालिग लड़का ने उसके साथ अपने घर में गलत किया। इस मामले में पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी नाबालिग के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। उसे गिरफ्तार करके पुलिस ने उसे रिमांड होम भेज दिया।डीएसपी मनोज ठाकुर ने बताया कि घटना 4 जुलाई की है। बच्ची के माता-पिता घर पर नहीं थे। काम करने घर से बाहर गए थे। इसी दौरान नाबालिग बच्चा ,बच्ची के घर पहुंचा और उसके साथ खेलने का बहाना बना उसे अपने घर ले गया। नाबालिग के घर पर भी कोई नहीं था। यहीं उसने बच्ची के साथ गलत किया। मां के घर लौटने पर बच्ची ने घटना की जानकारी उन्हें दी। फिर पुलिस को सूचना दी गई।

श्रावणी मेला में वीआईपी और वीवीआईपी दर्शन पर पूर्णतः रोक, आम श्रद्धालुओं को मिलेगा सुगम जलार्पण का अवसर

देवघर(ईएमएस)।श्रावणी मेला को लेकर जिला प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।देवघर डीसी नमन प्रियेश लकड़ा ने जानकारी दी कि इस वर्ष भी पूर्व की तरह वीआईपी और वीवीआईपी और आउट ऑफ टर्न दर्शन पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। यह निर्णय श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए उनकी सुरक्षा और सुगम जलार्पण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लिया गया है।डीसी ने बताया कि बाबा बैद्यनाथ धाम में सावन के दौरान लाखों श्रद्धालु जलार्पण के लिए आते हैं। ऐसे में वीआईपी दर्शन की अनुमति देने से आम श्रद्धालुओं को असुविधा होती थी और भीड़ प्रबंधन में भी समस्या उत्पन्न होती थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासन की प्राथमिकता आम श्रद्धालु हैं, जिन्हें देवतुल् मानते हुए यह फैसला लिया गया है।इस निर्णय का पुरोहित समाज ने भी स्वागत किया है। उनका कहना है कि सावन माह में वीआईपी पूजा को बंद रखने से पूजा-पाठ और जलार्पण की प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होगी।

महिला का शव को छोड़ कर परिजन हुए फरार, ग्रामीणों ने किया अंतिम संस्कार

चतरा(ईएमएस)।नवविवाहिता सुनीता की हत्या के बाद जब पोस्टमार्टम के बाद शव घर लौटा तो ससुराल में एक भी सदस्य आंसू बहाने वाला नहीं था। लिहाजा रातभर शव बंद कमरे में रहा।इधर पुलिस की पहल पर गांव के ग्रामीणों ने रविवार की दोपहर बाद सामुहिक रूप से अग्नि संस्कार किया। दरअसल पत्नी की हत्या के आरोप में पति सचिन और उसके पिता संतोष साव को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। ऐसे में शनिवार की संध्या जब मृतका के मायके वाले पोस्टमार्टम के बाद सोपारम स्थित ससुराल में ही शव छोड़ कर चलते बने।बताया गया कि पिता और पुत्र के गिरफ्तारी होने से घर भी सुनसान हो गया। ऐसे में रातभर शव घर में अकेला रहा। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस के भरोसे पर मृतका के ननद और परिजन रविवार को सोपारम आये तो ग्रामीणों के सहयोग से उसका अंतिम संस्कार किया गया। बताया गया कि शुक्रवार की शाम महिला का शरीर घर में ही फांसी से लटका मिला। ऐसे में मृतका की मां के ब्यान पर ससुराल के नौ के खिलाफ केस हुआ है।

बीजेपी की ओर डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 125 में जन्म जयंती अवसर पर संगोष्ठी आयोजित

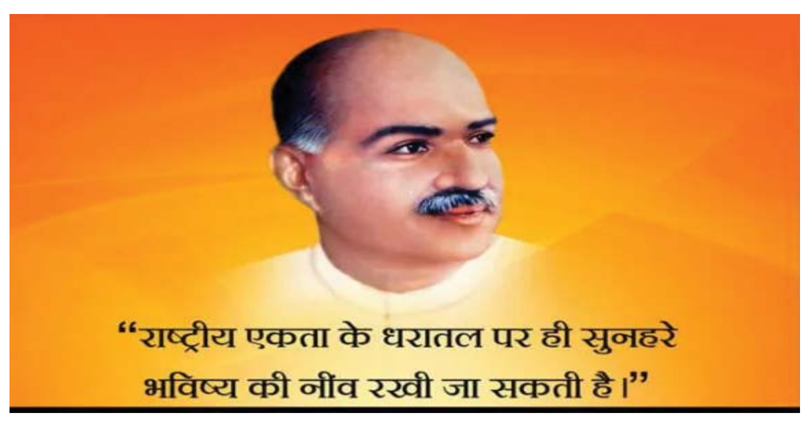

रांची(ईएमएस)।भारतीय जनता पार्टी रांची महानगर जिला के रातू रोड स्थित कार्यालय में आयोजित डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 125 में जन्म जयंती के अवसर पर एक संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी एवं हटिया विधायक नवीन जायसवाल उपस्थित रहे।मौके पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉक्टर मुखर्जी न सिर्फ शिक्षाविद थे बल्कि उनके दिल में अपने देश के प्रति काफी सम्मान था। आजादी से पहले भी कुलपति के रूप में उन्होंने कई ऐसे कार्य किये जो इतिहास में आज तक दर्ज नहीं किया गया।उन्होंने बताया कि आजादी के बाद उद्योग मंत्री के रूप में उन्होंने देश के कई हिस्सों में उद्योग स्थापित करने का कार्य किया था, लेकिन एक देश में दो निशान दो संविधान यानी कश्मीर के मामले को लेकर उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दिया और जन संघ की स्थापना की।अमर कुमार बाउरी ने कहा कि आज डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपने वाले भारत को हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरा कर रहे हैं। आज कश्मीर भारत का अभिन्न अंग बन चुका है।उन्होंने कहा कि डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की दूर दृष्टि का ही आज यह फल है कि आज भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है और हमें गर्व है कि हम उनके बताएं आदर्शों पर आज देश का विकास कर रहे हैं और विश्व गुरु के रूप में उभर कर सामने आ रहे हैं।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हटिया विधायक नवीन जायसवाल ने कहा कि डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक बट वृक्ष की तरह है जिनके छांव में आज भारत न सिर्फ विश्व गुरु के रूप में बल्कि नए भारत के रूप में विकसित हो रहा है। हम उनके आदर्शों पर चलते हुए भारत को विकसित भारत बनाने के संकल्प की ओर अग्रसर हैं। वहीं उन्होंने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन पर भी प्रकाश डाला।

जमशेदपुर बस स्टेंड में पुलिस का छापा, बंगाल से आ रहा लाखों रुपये का लॉटरी किया जब्त, दो गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम(ईएमएस)।जमशेदपुर के सीताराम डेरा थाना पुलिस ने मानगो बस स्टेंड में छापेमारी कर लाखों रुपये का लॉटरी बरामद किया है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में पुलिस ने अवैध लॉटरी के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। ये अवैध लॉटरी पश्चिम बंगाल से धनबाद के रास्ते चाईबासा ले जाया जा रहा था।सीताराम डेरा थाना के प्रभारी निरंजन कुमार ने बताया कि वरीय पदाधिकारी के द्वारा गुप्त सूचना दी गई थी कि मानगो बस स्टेंड में बस से लगातार अवैध लॉटरी की खेप भेजी जाती है। इसके बाद पुलिस ने बस स्टेंड में छापेमारी की और बस से दो बड़े कार्टून में अवैध लॉटरी बरामद किया गया। इसमें लगभग एक लाख टिकट है। दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है कि इसमें एक वो है जो बस से लेकर आ रहा है और दूसरा जो लॉटरी रिसीव करने आया था।

शिविर में 20 लोगों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

रांची(ईएमएस)।रातू रोड के श्रीकृष्णा नगर कॉलोनी के गुरुनानक भवन में रविवार को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर का आयोजन गुरुद्वारा श्री गुरुनानक सत्संग सभा व गुरुनानक भवन कमेटी द्वारा गुरुनानक सेवक जत्था के सहयोग से किया गया। इसमें डॉक्टरों ने लोगों की जांच के बाद रोग निदान के लिए परामर्श दिए। मौके पर 20 लोगों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। शिविर में डॉ जीतेश मिड्ढा, डॉ अनुभव जैन, डॉ नितिन अग्रवाल, डॉ नविता और डॉ अदिति भसीन ने सेवाएं दीं। इस शिविर के आयोजन में अर्जुन देव मिढ़ा, सुरेश मिड्ढा, रमेश गिरधर, हर्ष सिडाना समेत अन्य की भागीदारी रही।

मेघ मल्हार और राग भोपाली ने संगीतप्रेमियों को किया विभोर

रांची(ईएमएस)।संस्कार भारती और नाद ब्रह्म कला संस्थान की ओर से रविवार को चिरंजीवी किड्स प्ले स्कूल होंबई, रांची में शास्त्रीय संगीत पर आधारित कार्यक्रम-मल्हार का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त सहायक आयुक्त नवोदय विद्यालय समिति एपी वर्मा, थे। कार्यक्रम में कलाकारों ने बारिश के बरसती बूंदों के राग-रागिनियों की झड़ी लगा दी। जेपी सिंह ने राग मेघ मल्हार में खयाल और राग पीलू में कजरी प्रस्तुत किया। अमरेंद्र कुमार यादव ने राग अभोगी में खयाल और ठुमरी- जिया मोरा माने ना..., प्रस्तुत किया। केंद्रीय विद्यालय की संगीत शिक्षिका वीणा कुमार ने कजरी प्रस्तुत किया। बाल कलाकार आरुष कुमार ने राग देश, अध्या ने राग बागेश्वरी और अन्नी ने राग भोपाली गाकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया।अवनींद्र सिंह ने राग मेघ मल्हार में एक ताल में निबद्ध खयाल और कजरी- बदरा बरसन लगे ना..., प्रस्तुत किया। इसके बाद कल्याण चक्रवर्ती ने मल्हार, सपन पाल और जेपी मंडल ने भजन गाकर श्रोताओं को आनंदित किया।सभी कलाकारों के साथ तबले पर सपन पाल व जेपी मंडल ने संगत की। कार्यक्रम में संस्कार भारती के प्रांतीय अध्यक्ष सुशील अंकन, रांची महानगर के अध्यक्ष रामानुज पाठक, उपाध्यक्ष आशुतोष प्रसाद, कार्यकारिणी सदस्य कुमकुम गौड के साथ रेणु कुमारी सिन्हा और गणमान्य लोग उपस्थित थे।

देवघर उप विकास आयुक्त ने राजकीय श्रावणी मेला की तैयारियों के मद्देनजर नव-चयनित सूचना सह सहायता कर्मियों को कार्य आवंटित किया

देवघर(ईएमएस)।देवघर उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा की अध्यक्षता में राजकीय श्रावणी मेला की तैयारियों के मद्देनजर सूचना भवन सभागार में सभी नव-चयनित सूचना सह सहायता कर्मियों को ब्रीफ कर उन्हें कार्य आवांटित किया गया।

उप विकास आयुक्त ने पीयूष सिन्हा ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी सूचना सह सहायता कर्मियों का कार्य सिर्फ बिछड़े हुए कांवरिया बंधुओं को उनके परिजन से मिलाना हीं नहीं है, बल्कि पूरे सेवाभाव व कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना है। इसके लिए आप सभी अब जिला प्रशासन द्वारा नई तकनीकों के उपयोग का सहारा भी ले सकते हैं और बम भाईयों के पता को ढूंढ कर उनके परिवार से उनका संपर्क करवा सकते हैं। आगे उन्होंने कहा कि इस वर्ष हमारे देवघर के सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में फैले हुए सूचना सह सहायता केंद्रों को हीं सिर्फ आपस में नहीं जोड़ा जाएगा, बल्कि सूचना तंत्र को तकनीकी रूप से और भी बेहतर बनाने का प्रयास किया गया है, ताकि बिछड़े हुए कांवरिया बंधुओं को उनके परिजन से मिलाने में सहूलियत हो सके। इसके अलावा जिला जनसंपर्क पदाधिकारी राहुल कुमार भारती ने जानकारी दी कि राजकीय श्रावणी मेला के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में 31 सूचना सह सहायता केन्द्र, 03 बाइक दस्ता की टीम एवं 02 टोटो चौबिसों घंटे कार्यरत रहेंगे, ताकि किसी भी स्थिति में श्रद्धालुओं को त्वरित सविधा मुहैया करायी जा सके।इसके अलावा मेला के दौरान बाबा नगरी आने वाले महिला श्रद्धालुओं के साथ बच्चों के सुविधा एवं स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए 10 मातृत्व विश्राम गृह का निर्माण कराया गया है। साथ ही मातृत्व विश्राम गृह में सैनिटरी पैड, बच्चों के डायपर, बिस्कीट, दूध उपलब्ध कराया जाएगा एवं महिला कर्मियों की प्रतिनियुक्ति भी इन केन्द्रों पर की जायेगी।

लंबित प्रोन्नति के मुद्दे पर जुटान का उग्र आंदोलन का आह्वान

रांची।झारखंड के सभी राजकीय विश्वविद्यालयों में शिक्षकों के लंबित प्रोन्नति के मुद्दे पर राज्यव्यापी उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस संबंध में रविवार को झारखंड यूनिवर्सिटी टीचर्स एसोसिएशन (जुटान) की बैठक जगदीश लोहरा की अध्यक्षता में हुई। इसमें सहायक प्राध्यापकों की प्रोन्नति में हो रहे असाधारण विलंब की निंदा की गई। सभी में घोर आक्रोश है और अधीरता बढ़ती जा रही है। नियमानुसार पीएचडी के साथ सेवा में आने वालों को वर्ष 2023 में और बिना पीएचडी के सेवा में आनेवालों को 2025 के मार्च में यूनिवर्सिटी प्रोफेसर बन जाना था।शिक्षकों ने इस पर आक्रोश व्यक्त किया कि जिस मंथर गति से काम हो रहा है, उस गति से सभी लोग बिना उचित प्रोन्नति के ही सेवानिवृत्त हो जाएंगे।बैठक में निर्णय लिया गया कि अब अविलंब प्रोन्नति के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे और अगर सकारात्मक परिणाम सामने नहीं आये तो 16 अगस्त से राज्यव्यापी उग्र आंदोलन चलाया जाएगा। इसके लिए राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों के शिक्षक नेताओं को कार्यक्रम तय करने को कहा गया है।आंदोलन की स्टीयरिंग कमेटी में सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय से डॉ संजय प्रियंबद, विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय से डॉ भृगुनंदन सिंह, रांची विश्वविद्यालय से डॉ उमेश कुमार, नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय से डॉ ऋचा सिंह, कोल्हान विश्वविद्यालय से डॉ अशोक कुमार रवानी और इंदल पासवान, विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के डॉ रणजीत कुमार दास सम्मिलित हैं। यह भी तय हुआ कि आंदोलन को सफल व राज्यव्यापी बनाने के लिए 8 जुलाई से जगह-जगह पर जुटान के अध्यक्ष जगदीश लोहरा और विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के शिक्षक नेता डॉ सुबोध सिंह शिवगीत दौरा करेंगे।वहीं, 8 अगस्त से कार्य बहिष्कार और 16 अगस्त से उग्र आंदोलन किया जाएगा।

बैठक में पृथ्वीराज नायक, डॉ समीरा सिन्हा, डॉ संगीता बिरुआ, डॉ किरण, डॉ लाडली, डॉ विनय भरत, डॉ घनश्याम, डॉ अशोक कुमार रवानी व अन्य शिक्षकगण शामिल थे।

लातेहार के फुलबसिया साइडिंग पर अपराधियों ने हाइवा में आग लगायी, फायरिंग की, राहुल दुबे ने ली जिम्मेदारी

लातेहार(ईएमएस)।अपराधियों ने लेवी के लिए एक बार फिर घटना को अंजाम दिया है। इस बार की घटना लातेहार जिले के बारियातू थाना क्षेत्र के फूलबसिया रेलवे साइडिंग में शनिवार की रात हुई है। अपराधियों ने यहां अंधाधुंध फायरिंग की है और एक हाइवा में आग लगा दी है। घटना शनिवार की रात तकरीबन साढ़े नौ बजे की बतायी जा रही है।जानकारी के अनुसार हथियार से लैश चार अपराधी साइडिंग पर पहुंचे और ताबड़तोड़ गोलियां चलाने लगे। इस दौरान उन्होने एक हाइवा (जेएच 02बी-02बी-715) में आग लगा दी।हाइवा पूरी तरह जल गयी। उक्त हाइवा हजारीबाग के बड़का ग्राम निवासी कुलदीप साव की बतायी जा रही है।कोयला कारोबारियों को अपराधी राहुल दुबे ने धमकी दी है।राहुल दुबे ने इसे लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है।राहुल दुबे ने सोशल मीडिया पर एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर फुलबसिया साइडिंग पर हुई घटना की जिम्मेदारी ली है।राहुल दुबे ने जारी बयान में कहा है कि झारखंड के बालूमाथ में फुलबसिया साइडिंग में रात लगभग साढ़े नौ बजे जो गोलीबारी और आगजनी की घटना को उसके द्वारा अंजाम दिया गया है।प्रेस बयान में राहुल दुबे ने बालूमाथ, चतरा व लातेहार के सभी कोयला कारोबारी और चेतलाल राम, सुशांत सिंह राजपूत और रामस्वरूप पांडेय को धमकी दी है। कहा है कि उसे मैनेज किए बिना अपना सारा काम बंद कर दे, वरना आगे सबकी खोपड़ी खोल दी जाएगी।इधर, घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस घटना स्थल पहुंची।पुलिस ने मौके पर से सात खोखा एवं दो जिंदा कारतूस बरामद किया है।पुलिस ने घटना की जांच शुरु कर दी है।

वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी में चालीस से अधिक फोटोग्राफर ने लिया हिस्सा

पूर्वी सिंहभूम(ईएमएस)।शहर में पहली बार वन्यजीवन फोटोग्राफी का ऐसा अनुभव सामने आया है, जहां लोगों को प्रकृति की खूबसूरती को कैमरे में कैद करने और वनों की दुनिया से जुड़ने का अवसर मिला। यह अनूठी पहल दलमा वन विभाग और निकॉन इंडिया के संयुक्त प्रयास से संभव हो सकी। दलमा वन्यजीव अभयारण्य में शनिवार को आयोजित इस विशेष कार्यशाला में विभिन्न आयु वर्ग के 40 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह अवसर शहरवासियों के लिए खास रहा, क्योंकि पहली बार वे वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर की नजरों से जंगल और उसके जीवन को समझने का अनुभव ले सके।कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को वन्यजीवन और फोटोग्राफी की तकनीकी व कलात्मक बारीकियों से अवगत कराना है।इस कार्यक्रम में निकॉन इंडिया के जाने-माने फोटोग्राफी मेंटर सोम्यजीत मैत्रा ने फोटोग्राफी के मूलभूत सिद्धांतों से लेकर उन्नत तकनीकों तक प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया। उन्होंने बताया कि कैसे एक सही फ्रेम, प्रकाश और समय की समझ से फोटोग्राफी को कला में बदला जा सकता है। यह पहला अवसर है, जब दलमा वन विभाग की देखरेख में इस प्रकार का आयोजन किया गया। आयोजन को सफल बनाने में दलमा के डिप्टी चीफ फॉरेस्टर सबा आलम और निकॉन इंडिया की विशेष भूमिका रही। दोनों संस्थाओं ने मिलकर सुनिश्चित किया कि प्रतिभागियों को वन्य जीवन की जैव विविधता का नजदीकी अनुभव हो और वे पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझें।कार्यशाला न केवल फोटोग्राफी प्रेमियों के लिए एक यादगार अनुभव बन गई, बल्कि जैव विविधता को संरक्षित करने और समाज में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने की दिशा में भी प्रेरणादायक कदम है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए समर्पित रहा : अमरदीप यादव

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती पर भाजपा की ओर से संगोष्ठी का आयोजन

दुमकाःअग्रसेन भवन दुमका में भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष गौरवकांत की अध्यक्षता में भारत माता के महान सपूत, जनसंघ के संस्थापक एवं प्रखर राष्ट्रभक्त डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की जन्मजयंती के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।संगोष्ठी में मुख्य रूप से भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अमरदीप यादव,जरमुंडी विधायक देवेंद्र कुंवर, प्रदेश मंत्री रविकांत मिश्रा शामिल हुए।इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष अमरदीप यादव ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए समर्पित था। उनका बलिदान हमें हमेशा याद दिलाता है कि भारत की संप्रभुता और सांस्कृतिक गौरव की रक्षा के लिए हमें सतत संघर्ष करते रहना चाहिए।जरमुंडी विधायक देवेंद्र कुंवर ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अपने प्राणों की आहुति देकर 'एक देश, एक विधान' के सिद्धांत को साकार करने का काम किया। उनका बलिदान हमें यह संदेश देता है कि किसी भी परिस्थिति में राष्ट्रहित सर्वोपरि होना चाहिए।भाजपा जिलाध्यक्ष गौरवकांत ने कहा कि डॉ मुखर्जी के विचार आज भी हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए मार्गदर्शन का स्रोत हैं। उनके दिखाए रास्ते पर चलकर ही हम राष्ट्रवादी विचारधारा को मजबूत कर सकते हैं। संगोष्ठी में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य निवास मंडल, अनुज आर्या, जिला महामंत्री द्वेय मनोज पाण्डेय, डॉ पवन केसरी, जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद सिंह बिट्टू, मार्शल ऋषिराज टुडू, सोनी हेंब्रम, गुंजन मरांडी, दीपक स्वर्णकार, कालेश्वर लायक, सुजीत यदुवंशी, अजय गुप्ता, अमन राज, गणपति पाल, तरुण नंदी, बिनोद यादव हेमंत साहा सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

मुहर्रम के अवसर पर लोयाबाद मुस्लिम कमिटी की ओर से पारंपरिक पगड़ी सम्मान समारोह का किया गया आयोजन

लोयाबाद।मुहर्रम के अवसर पर लोयाबाद मुस्लिम कमिटी की ओर से रविवार को पारंपरिक पगड़ी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।लोयाबाद मोड़ पर आयोजित इस कार्यक्रम में हिंदू-मुस्लिम दोनों समुदायों के करीब सौ से अधिक लोग शामिल हुए।कमिटी के सदस्यों ने बारी-बारी से सभी को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया और मुहर्रम की शुभकामनाएं दीं।समारोह का नेतृत्व मुस्लिम कमिटी के महामंत्री असलम मंसूरी ने किया। उन्होंने बताया कि यह आयोजन बीते दस वर्षों से लगातार मुहर्रम की दसवीं के दिन किया जा रहा है।जिसमें क्षेत्र के सभी समुदायों को आमंत्रित कर भाईचारे और सामाजिक एकता का संदेश दिया जाता है।पगड़ी बांधने की यह रस्म अब लोयाबाद क्षेत्र की एक पहचान बन चुकी है।इस पहल को स्थानीय लोग गंगा-जमुनी तहज़ीब की मिसाल मानते हैं,जो क्षेत्र में सांप्रदायिक सौहार्द को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

आयोजन के दौरान आपसी मेलजोल,सम्मान और सौहार्द का जो दृश्य देखने को मिला।उसने यह स्पष्ट कर दिया कि लोयाबाद की धरती पर विविधता में एकता की परंपरा आज भी जीवित है।इस मौके पर पुटकी सीओ विकाश आनंद,लोयाबाद थाना प्रभारी पिकू प्रसाद, चेम्बर अध्यक्ष राजकुमार महतो, पूजा कमेटी के जयप्रकाश पांडेय,रवि चौबे,सोहन महतो, मनोज मुखिया, सिपाही चौहान, सुनील पांडेय, निसार मंसुरी, अनवर मुखिया, आजाद अंसारी, कलीम अंसारी, प्रदीप गुप्ता, गुलाम जिलानी, जमाल अंसारी, राजेन्द्र पासवान,एस एस प्रसाद, आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त ख़बरें

एकादशी पर बाबा बासुकिनाथ के फौजदारी दरबार में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

दुमकाः हरि शयनी एकादशी तिथि को विश्व प्रसिद्ध शिवनगरी बासुकिनाथ के फौजदारी दरबार में देश विदेश से आये हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। प्रातः चार बजे बाबा मंदिर सहित सभी मंदिरों का पट मंदिर प्रशासन द्वारा कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच खोला गया।गर्भगृह की साफ सफाई के बाद मंदिर परिसर के बाहर इंतजार कर रहे श्रद्धालुओं ने हाथी द्वार से कतार में प्रवेश कर बाबा मंदिर के गर्भगृह में बाबा बासुकिनाथ की पूजा अर्चना कर अपने अपने परिजनों के सुख समृद्धि का आशीर्वाद मांगा। पांच बजे सरकारी पूजा सम्पन्न होने के बाद पुनः आगंतुक श्रद्धालुओं को पूजा अर्चना करने के लिए मंदिर प्रबंधन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के बीच कतार में लगाकर गर्भगृह में जलार्पण के लिए प्रवेश कराया जा रहा है। आगंतुक श्रद्धालुओं को सुलभ तरीके से जलार्पण करने में कोई बाधा नहीं हो, मंदिर प्रबंधन द्वारा इसका खास ख्याल रखा जा रहा है। प्रातः कालीन पूजा अर्चना के बाद श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती ही जा रही है। भीड़ नियंत्रण के लिए मंदिर प्रशासन द्वारा मुकम्मल व्यवस्था की गई है।

लायंस क्लब की ओर से किया 57 फलदार वृक्षों का वृक्षारोपण

दुमकाःलायंस क्लब दुमका संथाल परगना की ओर से रविवार की सुबह स्थानीय महुआ डंगाल छठ घाट में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में 57 फलदार वृक्षों का रोपण किया गया।इस कार्यक्रम में लायन सदस्य के साथ काफी संख्या में स्थानीय लोग भी मौजूद थे। इस कार्यक्रम के आयोजन में संयोजक लायन नीरज कोठरीवाल एवं सह संयोजक डॉ अमूल्य पाल की अहम भूमिका रही।कार्यक्रम में अध्यक्ष लायन सतीश कुमार समेत लायन प्रदीप्त मुखर्जी, क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन अखिलेश कुमार सिन्हा, लायन डॉ अमिता रक्षित, लायन डॉ श्वेता स्वराज, लायन राज किशोर सिंह आदि मौजूद थे।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् का राष्ट्रीय छात्र दिवस सह प्रतिभा सम्मान समारोह 9 जुलाई को

दुमकाः अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् दुमका नगर इकाई इस वर्ष अपने स्थापना दिवस के अवसर पर 9 जुलाई को राष्ट्रीय छात्र दिवस सह प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन करेगी। कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय श्री अग्रसेन भवन में होगा। यह जानकारी रविवार को परिषद् के विभाग संगठन मंत्री हिमांशु दुबे और जिला संयोजक अभिषेक गुप्ता ने संयुक्त रूप से दी। उन्होंने बताया कि समारोह में इस वर्ष दुमका जिला में मैट्रिक और इंटरमीडिएट परीक्षा में टॉप करने वाले प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर विद्यार्थियों में ज्ञान, शील और एकता का संदेश प्रसारित किया जाएगा। परिषद् ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और समाज के प्रबुद्ध वर्ग से कार्यक्रम में शामिल होकर इसे सफल बनाने की अपील की है। परिषद् ने उम्मीद जताई है कि इस समारोह से युवाओं में नई ऊर्जा और राष्ट्र निर्माण के प्रति जागरूकता उत्पन्न होगी।

देशव्यापी आम हड़ताल को सफल बनाने को लेकर विचार विमर्श

दुमकाःभारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई प्राइवेट बस स्टैंड दुमका में स्थित यूनियन कार्यालय में झारखंड परिवहन मजदूर यूनियन के अध्यक्ष गजेंद्र कुमार की अध्यक्षता में संयुक्त बंद एवं संयुक्त ट्रेड यूनियन की एक बैठक संपन्न हुई ।बैठक में आगामी 9 जुलाई के केंद्रीय ट्रेड यूनियन फेडरेशन तथा यूनियन के संयुक्त आवाहन पर देशव्यापी आम हड़ताल को सफल बनाने हेतु विचार विमर्श किया गया ।सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि आगामी 9 जुलाई के देशव्यापी आम हड़ताल को सफल बनाने के लिए साथ एवं 8 जुलाई को पर्चा वितरण करते हुए दुमका शहर के मुख्य चौक चौराहे पर नुक्कड़ सभा करने का निर्णय लिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए सीटू के नेता अखिलेश कुमार झा ने कहा कि मजदूरों के अधिकार और सुरक्षा छीनने वाली विनाशकारी सरकर चार लेबर कोर्ट को और विलंब रद्द करने एवं मजदूर विरोधी जन विरोधी नीतियों के खिलाफ संघर्ष को तेज करने की आवश्यकता है ।इसी को ध्यान में रखते हुए 9 जुलाई को मजदूरों के हितों एवं अधिकारों की रक्षा के लिए देशव्यापी आम हड़ताल को सफल बनाने में तमाम वर्ग के मजदूर किसान, आम जनता एवं नौजवानों से अपील करते हैं कि मजदूरों के लिए सुरक्षा तथा एवं कानूनी अधिकारों की रक्षा हो इसके लिए हड़ताल को समाज सफल बनाने में अपना अपना योगदान देने का कृपा करें। बैठक में भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी दुमका जिला कमेटी के सचिव सुभाष हेमब्रम, डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन भारत की कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव बाबूलाल राय ,झारखंड परिवहन मजदूर यूनियन के उपाध्यक्ष विनोद राव, आदिवासी किसान नेता सनातन देहरी, बैकुंठ शर्मा, कौशल कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

एफसीआई का 85 बैग चावल लदा वाहन जब्त

दुमकाः जामा प्रखण्ड के बीडीओ डॉ विवेक किशोर एवं सीओ अशोक बड़ाइक ने 3 जुलाई की देर शाम एफसीआई का 85 बैग चावल लोड वाहन को जब्त किया है। वाहन की सुरक्षा और चावल को सुरक्षित रूप से रखने के लिए जामा थाना को सौंप दिया गया है। बीडीओ ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि एक वाहन पर एफसीआई का चावल लादकर कहीं खपाया जा रहा है। इसकी सूचना मिलते ही वह एवं सीओ जामा थाना पुलिस के साथ पालोजोरी पहुंचे लेकिन वहां कुछ बरामद नहीं हुआ। वहां उपस्थित ग्रामीणों ने बताया कि एक 709 ट्रक में चावल लादकर भेजा गया है।बीडीओ द्वारा पीछा कर उक्त वाहन को कैराबनी के आसपास पकड़ा गया। लेकिन उस गाड़ी की प्रारंभिक जांच में एफसीआई का बोरा नहीं पाया गया है। लेकिन विस्तृत जांच हेतु ट्रक को जब्त कर थाना परिसर लाया गया है। उन्होंने बताया कि विभाग को इसकी जानकारी दे दी गयी है जो जांच कर कानून संगत कार्यवाही करेगी। थाना प्रभारी अजीत कुमार ने बताया कि टाटा 709 वाहन के चालक एवं खलासी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

बारिश के बावजूद कोयला डंपिग यार्ड हटाने को लेकर धरना प्रदर्शन कर जताया विरोध, प्रदर्शन में शामिल हुई बीमार महिला

दुमकाःउपराजधानी दुमका में कोयला डंपिंग यार्ड हटाने की मांग को लेकर लगातार धरना प्रदर्शन कर रहे आंदोलनकारी रविवार को भी बारिश के बावजूद डटे रहे। इस धरना प्रदर्शन कोयला डस्ट से पीड़ित बीमार महिला मंजू गुप्ता ने भी अपना विरोध जताया। गौरतलब है कि आंदोलकारी दुमका रेलवे स्टेशन पर बने कोयला डंपिग यार्ड को हटाने की मांग दो वर्षों से लगातार करते आ रहे हैं। इस मामले को लेकर एन जी टी में मामला भी दर्ज कराया गया है। लगातार हो रहे प्रदुषण के कारण एनजीटी संबंधित कंपनी और रेलवे को दो बार जुर्माना भी लगा चुकी है। बावजूद दुमका में सभी नियमों को ताक पर रख कर कोयला डंपिंग यार्ड चलाया जा रहा। यहां बताते चलें कि दुमका रेलवे स्टेशन के आसपास इंजिनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, पोलिटेकनिक कालेज, आइटीआइ, एस पी कालेज के साथ साथ दर्जनों शिक्षण संस्थान और कोचिंग सेंटर है जिसपर प्रदुषण का बूरा प्रभाव पड़ रहा है। लेकिन राज्य सरकार और रेलवे इस गंभीर मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए है। यहां उल्लेखनीय है कि आस पास के लोग अपने बने बनाए घरों को छोड़ने पर मजबूर हो गए हैं। इस मामले में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के व्यवहार से भी लोग नाराज़ हैं।

केस मुकदमों से आंदोलन नहीं रूकने वाला है : बिमल मरांडी

इधर सिदो कान्हो मुर्मू विश्व विद्यालय के सिनेट सदस्य और भाजपा नेता बिमल मरांडी ने साफ साफ चेतावनी देते हुए कहा है कि केस मुकदमों से हम डरने वाले नहीं हैं। रेल पुलिस को जो भी मन हो वह करे पर जबतक दुमका रेलवे स्टेशन पर कोयला रैक को स्थांतरित नहीं किया जाएगा आंदोलन निरंतर चलता रहेगा। बारिश और तूफान से हमारे आंदोलन पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है। उन्होंने कहा कि हम जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने की इजाजत नहीं दे सकते हैं।

हमारी मांग दुमका रेलवे स्टेशन से कोयला डंपिंग यार्ड हटाने के लिए है : रवि मंडल

दूसरी ओर दुमका रेलवे स्टेशन पर बने कोयला डंपिग यार्ड हटाने को लेकर शुरू से ही विरोध दर्ज करने और मजबती से लड़ाई लड़ने वाले रवि शंकर मंडल ने कहा है कि वह सरकार से सिर्फ और सिर्फ एक ही मांग कर रहे हैं कि दुमका रेलवे स्टेशन पर कोयला डंपिंग यार्ड को स्थांतरित किया जाए। जिससे कि यहां के लोग स्वच्छ हवा में सांस ले सकें। लेकिन चन्द स्वार्थी तत्वों के कारण यह रैक यहां चलाया जा रहा है। उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री, देश के प्रधानमंत्री और रेल मंत्री से इस मामले की गंभीरता को समझते हुए संज्ञान लेने की अपील की है। मौके पर रवि शंकर मंडल, संजय मंडल, बिष्णु यादव, बिमल मरांडी, हेमंत श्रीवास्तव, मनोज सिंह मेलर, गोवर्धन मंडल, जिमी यादव,अमन सिंह, मनोज कुमार, एन एन कुमार, मंजू गुप्ता, डिस्को मंडल आदि उपस्थित थे।

कमल के फूल तोड़ने तालाब में युवक दलदल में फंसा, मौत

इन्दौर (ईएमएस) उज्जैन निवासी एक युवक की तालाब में डूबने से मौत हो गई । घटना खुड़ैल के पास पेडमी गांव की है वह तालाब में पूजा के लिए कमल के फूल तोड़ने उतरा था कि दलदल में फंस गया और बाहर नहीं निकल पाया। साथ गये दोस्तों ने ग्रामीणों और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने सर्चिंग कर उसका शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। दोस्तों ने तालाब में उसके जाने के दौरान विडियो भी बनाया था जिसे पुलिस ने जांच में शामिल कर लिया है। खुडैल चौकी प्रभारी सत्येन्द्र सिंह सिसौदिया के अनुसार घटना पेडमी गांव की है। यहां तालाब में शनिवार देर शाम डूबने से वैभव पिता जगदीश जोशी उम्र पैंतालीस साल निवासी नानाखेड़ा उज्जैन की मौत हो गई। वह अपने दो दोस्तों, रितेश और शैलेन्द्र के साथ पेडमी तालाब के पास पहुंचा था। यहां माताजी को चढ़ाने के लिए कमल के फूल तोड़ने के लिए वह तैरते हुए तालाब में उतरा, जहां गहराई ज्यादा थी और वह दलदल में फंसकर डूब गया। देर शाम सर्चिंग के दौरान उसका शव मिलने पर तालाब से बाहर निकाला गया।

आकाशदीप कुमार ने चार्टर्ड एकाउंटेंट की परीक्षा पास कर इलाके का नाम किया रौशन

लोयाबाद।लोयाबाद क्षेत्र अंतर्गत कनकनी निवासी संवेदक प्राण चौहान के पुत्र आकाशदीप कुमार ने पहली ही कोशिश में चार्टर्ड एकाउंटेंट (सीए) की प्रतिष्ठित परीक्षा पास कर इलाके का नाम रौशन किया है।रविवार को जब परीक्षा परिणाम घोषित हुआ तो आकाश की सफलता से परिजनों और शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ गई।आकाशदीप की प्रारंभिक शिक्षा डिनोबली स्कूल,कोराडीह से हुई,जहां मैट्रिक परीक्षा में उन्होंने 94 प्रतिशत अंक हासिल किए।इसके बाद इंटरमीडिएट में राजकमल इंटर कॉलेज धनबाद से आई कॉम में 96.7 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिला में तीसरा स्थान प्राप्त किया।इस उपलब्धि पर उन्हें विद्या भारती द्वारा सम्मानित भी किया गया था।सीए की तैयारी के दौरान आकाश ने डीएचसी फाउंडेशन,बेंगलुरु से इंटरशिप की और सीए फाइनल में कुल 349 अंक प्राप्त किए।उनकी मां लता सहगल एक गृहिणी हैं, जबकि पिता प्राण चौहान संवेदक के रूप में कार्यरत हैं।आकाश की एक बहन भी है,जो फिलहाल नीट की तैयारी कर रही है।अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता,शिक्षकों और मार्गदर्शकों को देते हुए आकाश ने कहा,"इनका सहयोग और विश्वास मेरे लिए प्रेरणा रहा।मैं इसे कभी नहीं भूल सकता।मेरा अगला लक्ष्य एमबीए करना और भविष्य में शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देना है।गौरतलब है कि कनकनी निचला धौड़ा की ही स्वाति कुमारी जो शशि चौहान की पुत्री हैं,वर्ष 2022 में सीए की परीक्षा पास कर चुकी हैंआकाशदीप की इस उपलब्धि पर बिनोद विश्वकर्मा, गुड्डू मिश्रा, डब्लू चौहान, मन्नू सिंह,जीतू पाल, शेखर पाल, नागेन्द्र शर्मा सहित अनेक लोगों ने बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

नशा छोड़ो-जीवन जोड़ो अभियान के तहत गांव में चलाया गया जागरूकता अभियान

दुमकाःगोपीकांदर थाना प्रभारी सुमित कुमार भगत के नेतृत्व में थाना क्षेत्र के जोड़ासिमल गांव में रविवार को ग्रामीणों व स्कूली छात्रों के बीच नशा छोड़ो-जीवन जोड़ो अभियान के तहत जागरूकता अभियान चलाया गया। साथ ही बढ़ते साईबर क्राइम से सुरक्षा, ऑनलाइन धोखाधड़ी, बैंक का एकाउंट नंबर, ओटीपी शेयर ना करने और सोशल मीडिया से सावधानी के बारे जानकारी दी गई, तथा नशा छुड़वाने एवं नशा का सेवन न करने के लिए सभी छात्रों, शिक्षकों एवं पुलिस कर्मियों ने शपथ ली।थाना प्रभारी ने नशे के दुष्प्रभाव से अवगत कराया। सड़क सुरक्षा ट्रैफिक नियम, हेलमेट व सीट बेल्ट के उपयोग के बारे में बताया।इस दौरान एएसआई राजन सिंह, विकास मंडल, मनोज चांद सहित ग्रामीण मौजूद थें।

निशान यात्रा को मुहर्रम जुलूस के बीच से सुरक्षित एवं शांतिपूर्वक गुजारा गया

लोयाबाद। लोयाबाद में मुहर्रम के मौके पर रविवार को अहले सुबह जब ताजिया जुलूस पूरे शबाब पर था, उसी दौरान सांवरे सेठ की पारंपरिक निशान पदयात्रा के गुजरने से पलभर के लिए लोग चकित रह गए। दो अलग-अलग धार्मिक समुदायों की महत्वपूर्ण यात्राएं एक ही समय और स्थान पर टकराने के कगार पर थीं,जिससे आमजन के मन में अनहोनी की आशंका उत्पन्न हो गई। हालांकि स्थिति को कुशलतापूर्वक संभालते हुए लोयाबाद थाना प्रभारी पिकू प्रसाद,राम रहीम टीम के संयोजक व चेंबर अध्यक्ष राजकुमार महतो और सामाजिक कार्यकर्ता असलम मंसूरी ने सौहार्द की मिसाल पेश की।इनकी सूझबूझ से निशान यात्रा को मुहर्रम जुलूस के बीच से सुरक्षित एवं शांतिपूर्वक गुजारा गया।लोयाबाद मोड़ पर राम रहीम टीम के सदस्यों और पुलिसकर्मियों ने निशान यात्रा का न केवल स्वागत किया,बल्कि महिलाओं और बच्चों सहित श्रद्धालुओं को जलपान भी कराया।इस सकारात्मक माहौल से दोनों समुदायों में सौहार्द और भाईचारे का संदेश फैला।निशान यात्रा का नेतृत्व कर रहे प्रमुख सदस्यों में भगवती प्रसाद सोनी, मनोज भुवालका, नारायण खंडेलवाल, दिनेश भुवालका, रिया अग्रवाल, रोशनी अग्रवाल, मीनू अग्रवाल, छोटू चौधरी और प्रवीण रजगढ़िया शामिल थे।उन्होंने मुस्लिम समुदाय,राम रहीम टीम और पुलिस प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह दृश्य लोयाबाद की गंगा-जमुनी तहज़ीब का प्रतीक है।भगवती प्रसाद सोनी और संजय कुमार चौधरी ने बताया कि प्रत्येक एकादशी के दिन अहले सुबह कतरास होते हुए झरिया की ओर यह निशान यात्रा निकाली जाती है।चूंकि रविवार को मुहर्रम भी था और एकादशी भी,इसलिए थोड़ी चिंता थी कि कहीं टकराव की स्थिति न उत्पन्न हो जाए।लेकिन यहां के लोगों ने अपनत्व और भाईचारे का जो उदाहरण पेश किया वह अनुकरणीय है।मौके पर चेंबर के सचिव सुनील पांडे,मनोज मुखिया, अनवर मुखिया, रामेश्वर तुरी, गौतम रजक सहित राम रहीम के युवा सदस्य भी सक्रिय भूमिका में दिखे और सौहार्दपूर्ण माहौल बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

किराना थोक व्यापारी से पिस्तौल की नोक पर छह लाख की लूट, नकाबपोश अपराधी फरार

मोतिहारी : बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में एक बार फिर अपराधियों का बेखौफ आतंक नजर आया। मोतिहारी के घोड़ासहन थाना क्षेत्र के श्रीपुर रोड पर स्थित अमन ट्रेडर्स में शनिवार की रात हथियारबंद चार अपराधियों ने धावा बोलते हुए दुकान के मालिक श्रीभगवान केसरी से लगभग छह लाख रुपये की लूट की और फरार हो गए। यह वारदात रात करीब 9:30 बजे की बताई जा रही है। घटना को अंजाम देने के बाद से न केवल व्यापारी बल्कि उनका पूरा परिवार सदमे में है। पीड़ित व्यवसायी श्रीभगवान केसरी के अनुसार, रोज की तरह दुकान के बाहर लोडिंग और अनलोडिंग का काम चल रहा था। इसी दौरान काले रंग की रेड पट्टी वाली बुलेट बाइक पर सवार चार नकाबपोश बदमाश दुकान के भीतर घुस आए। सभी के हाथों में पिस्तौल थी। उन्होंने गल्ले में रखे करीब छह लाख रुपये जबरन लूट लिए और बिना किसी रोक-टोक के भाग निकले। लुटेरों का हौसला इस कदर बुलंद था कि उन्होंने दुकान में मौजूद कर्मचारियों को भी धमकाकर चुप करा दिया। घटना की सूचना मिलते ही सिकरहना एसडीपीओ अशोक कुमार देर रात घटनास्थल पर पहुंचे और जांच शुरू की। अमन ट्रेडर्स में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, और वहां लगे डीवीआर को पुलिस ने अपनी कस्टडी में ले लिया है। थाना प्रभारी अनुज कुमार पांडे ने बताया कि घटना की जांच कई तकनीकी पहलुओं पर की जा रही है और स्थानीय बदमाशों की संलिप्तता से इनकार नहीं किया जा सकता। टेक्निकल सेल की टीम को भी जांच में लगाया गया है। जानकारी के मुताबिक, अमन ट्रेडर्स श्रीभगवान केसरी के स्वामित्व वाली एक थोक दुकान है, जो पारले, पतंजलि, पेप्सी जैसी कंपनियों के डिस्ट्रीब्यूटर प्वाइंट के रूप में कार्य करती है। इसके अलावा दुकान में तेल, मैदा, चीनी, रिफाइंड सहित कई एफएमसीजी प्रोडक्ट्स का थोक कारोबार बड़े स्तर पर होता है। इसी वजह से दुकान में प्रतिदिन बड़ी मात्रा में नकदी मौजूद रहती है। घटना के बाद घोड़ासहन चैम्बर ऑफ कॉमर्स ने कड़ी निंदा जताई है और अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। संगठन ने कहा कि लगातार हो रही आपराधिक घटनाएं व्यापारियों के मन में भय का माहौल बना रही हैं, और पुलिस प्रशासन को अब ठोस कदम उठाने की जरूरत है। एसडीपीओ अशोक कुमार ने कहा कि पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। जल्द ही अपराधियों की पहचान कर गिरफ्तारी की जाएगी। स्थानीय पुलिस, तकनीकी विशेषज्ञों के साथ मिलकर अपराधियों के रूट और पहचान का पता लगाने में जुटी है।

बिहार में व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या में किसी गैंगस्टर का हाथ!

पुलिस को सुपारी किलिंग का शक, कई संदिग्ध हिरासत में, पूछताछ जारी

पटना,(ईएमएस)। बिहार में व्यवसायी और मगध अस्पताल के मालिक गोपाल खेमका की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बताया जा रहा है कि गांधी मैदान थाना क्षेत्र में स्थित पनास होटल के पास उनके अपार्टमेंट के बाहर पहले से ही घात लगाए बैठे हमलावर ने उन पर फायरिंग कर दी। परिजन घायल अवस्था में उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस हाई-प्रोफाइल हत्याकांड से पूरे पटना में सनसनी फैला गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।इस मामले में गोपाल खेमका के छोटे बेटे गौरव खेमका ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस को शक है कि यह सुपारी किलिंग हो सकती है और इसके पीछे जमीन विवाद या पुरानी रंजिश हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पुलिस ने बेऊर जेल में बंद कुख्यात गैंगस्टर अजय वर्मा से भी इस मामले में पूछताछ की है।जानकारी के मुताबिक पुलिस ने शनिवार को बेऊर जेल में छापेमारी कर अजय वर्मा से पूछताछ की थी और इस हत्याकांड में उसकी भूमिका की जांच की जा रही है। डीजीपी ने रविवार को दावा किया कि अगले एक-दो दिनों में इस हत्याकांड की पूरी तस्वीर साफ हो जाएगी। उन्होंने कहा कि पटना और वैशाली में रात भर पुलिस की कई टीमों ने अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की। इस दौरान दर्जन भर से ज्यादा संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है।पुलिस ने बताया कि घटना स्थल के अलावा शहर के अन्य हिस्सों में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। हमलावर की बाइक की पहचान कर ली गई है, हालांकि हेलमेट पहनने के कारण उसकी पहचान नहीं हो सकी है। गोपाल खेमका की हत्या की जांच को लेकर पटना पुलिस लगातार दबिश दे रही है। पुलिस का मानना है कि इस हत्याकांड में जेल में बैठे किसी गैंगस्टर का हाथ है, जिसने जमीन विवाद में खेमका की हत्या की सुपारी दी हो।वहीं खेमका परिवार और व्यवसायिक हलकों में इस घटना को लेकर दहशत का माहौल है। गोपाल खेमका पटना के जाने-माने व्यवसायियों में थे और उनकी हत्या ने शहर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस के मुताबिक कई संदिग्ध नंबरों की कॉल डिटेल्स निकाली गई हैं और हत्याकांड में इस्तेमाल की गई पिस्तौल और बाइक के जरिए भी हमलावर तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है।

संक्षिप्त ख़बरें

बिहार में नाबालिग लड़की से गैंगरेप

बंका (ईएमएस)। बिहार के भभुआ जिले में एक नाबालिग लड़की से गैंगरेप की वारदात सामने आई है। पुलिस के मुताबिक भभुआ जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में 16 वर्षीया लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। मामले में पीड़िता के पिता ने महिला थाना में दो आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। थाने में दुष्कर्म की शिकायत दर्ज होने के बाद थानाध्यक्ष ने पीड़िता के गांव के एक आरोपित को गिरफ्तार कर सदर अस्पताल में मेडिकल जांच कराते हुए जेल भिजवा दिया। वहीं अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पीड़िता की मेडिकल जांच सदर अस्पताल में कराई गई। मुकदमा में कहा गया है कि 3 जुलाई की रात 10 बजे उनकी पुत्री घर से बाहर निकली थी। तभी दो व्यक्ति उसका मुंह बंद कर उसे एक कमरे में ले गए। उसने आरोपित के घर जाकर दरवाजे को पीटा। लेकिन, किसी ने खोला नहीं। सुबह चार बजे उनकी लड़की घर आई और घटना की जानकारी दी। दूसरे आरोपित की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। इस घटना को लेकर युवती के परिजनों ने पुलिस से कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। घटना से गांव में तनाव बढ़ गया है।

अब बिना फोटो और दस्तावेज के बीएलओ या ऑनलाइन जमा करें फार्म

बिहार में मतदाताओं को चुनाव आयोग ने दी बड़ी राहत

पटना,(ईएमएस)। बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के नियमों में निर्वाचन आयोग ने ढील दी है। अब मतदाता फॉर्म पर फोटो और अन्य दस्तावेज लगाए बिना भी बीएलओ को या फिर ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की ओर से जारी पोस्टर में इसकी जानकारी दी गई है। पोस्टर में लिखा है किसी मतदाता के पास अगर जरुरी दस्तावेज और फोटो नहीं है तो भी वह गणना प्रपत्र भर कर जमा कर सकता है।बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) विनोद सिंह गुंजियाल के मुताबिक मतदाता केवल गणना फॉर्म भरकर बीएलओ के पास जमा करा दें। उनका नाम प्रारूप मतदाता सूची में शामिल कर लिया जाएगा। निर्वाचन आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक बिहार में अब तक 1 करोड़ 21 लाख 1 हजार 674 मतदाताओं ने गणना प्रपत्र भर कर बीएलओ को जमा कर दिया है। इनमें से 23 लाख 90 हजार 329 फॉर्म अपलोड कर लिए गए हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के मुताबिक राज्य के 2003 के मतदाता सूची में अंकित कुल 7.90 करोड़ मतदाताओं में 4.96 करोड़ को कोई भी दस्तावेज देने की बाध्यता नहीं है।शेष करीब तीन करोड़ मतदाताओं से ही दावा-आपत्ति के दौरान विशेष सर्वेक्षण अभियान चलाकर दस्तावेज लेने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। आयोग के सूत्रों के मुताबिक वीआरओ स्पॉट पर जाकर मतदाताओं से मिलकर यह तय करेंगे कि फॉर्म भरने वाले की उम्र 18 साल है, वह कब से यहां रह रहा है, उपलब्ध साक्ष्य एवं अन्य दस्तावेज के आधार पर फैसला लेंगे।

गयाजी में शिक्षक पर हमला, होमवर्क न करने पर डांटने से नाराज परिजनों ने की मारपीट

गया : गया जी जिले के खिजरसराय प्रखंड स्थित मध्य विद्यालय शहवाजपुर में शनिवार को उस समय अफरातफरी मच गई जब एक छात्र के परिजनों ने स्कूल में घुसकर शिक्षक पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में शिक्षक राकेश रंजन श्रीवास्तव गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि बीच-बचाव करने आए अन्य शिक्षक भी चोटिल हुए हैं। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें एक युवक को विद्यालय परिसर में शिक्षक के साथ मारपीट करते हुए देखा जा सकता है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शिक्षक राकेश रंजन ने एक छात्र को होमवर्क पूरा न करने और पढ़ाई के प्रति लापरवाही को लेकर सामान्य रूप से समझाया था। इसी बात से नाराज़ होकर छात्र के परिजन स्कूल पहुंच गए और शिक्षक पर हमला कर दिया।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल विवादों में, प्रशांत किशोर ने लगाया मेडिकल कॉलेज' पर कब्जे का आरोप

पटना, (ईएमएस)। जन सुराज अभियान के संयोजक और चर्चित चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। दरअसल प्रशांत किशोर का दावा है कि जायसवाल ने किशनगंज स्थित माता गुजरी देवी मेडिकल कॉलेज पर गलत तरीके से कब्जा कर लिया है और वहां नेताओं के रिश्तेदारों को बिना परीक्षा के डॉक्टर बना दिया गया। प्रशांत किशोर ने इस मामले की जांच की मांग की। रविवार को पटना में जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह ने आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल को लेकर बड़ा सनसनीखेज दावा किया। उदय सिंह ने दिलीप जायसवाल पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि किशनगंज स्थित 'गुदड़ी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज' को जायसवाल ने अपनी ताकत और पैसों के बल पर कब्जा कर लिया।कॉलेज के संस्थापक स्व. मल्लेश्वर सिंह के पुत्र गुरुदयाल सिंह और पुत्री अमजद खैर ने भी मीडिया के सामने आकर कहा कि उनके पिता ने यह कॉलेज समाज सेवा के उद्देश्य से खोला था, लेकिन षड्यंत्र के तहत उन्हें ट्रस्ट से बाहर कर दिया गया और कॉलेज पर अवैध कब्जा कर लिया गया। गुरुदयाल सिंह ने कहा कि दिलीप जायसवाल ने इस कॉलेज से अरबों रुपये की कमाई की है और अब भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठा है। हमें डर है कि वो हमारी जान भी ले सकता है। हमने सीबीआई जांच की मांग की है।प्रशांत किशोर ने इस प्रकरण को लेकर दावा किया कि मेडिकल कॉलेज सिख अल्पसंख्यक ट्रस्ट द्वारा स्थापित किया गया था। जिसके ट्रस्टी करतार सिंह और उनकी मां थे। प्रशांत ने आरोप लगाया कि करतार सिंह को फर्जी मामलों में फंसाकर जेल भेजा गया और उनकी मां की मृत्यु हो गई। भय के कारण करतार सिंह देश छोड़कर भाग गए। प्रशांत किशोर ने कहा कि दिलीप जायसवाल ने अपने परिवार के लोगों को ट्रस्ट में शामिल किया।

रोबोटिक सर्जरी बनेगी आधुनिक इलाज की पहचान : स्वास्थ्य मंत्री

पटना : बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय ने जय प्रभा मेदांता सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, पटना में रोबोटिक सर्जरी व अत्याधुनिक मशीन उपकरण अनुभाग का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंगल पाण्डेय ने कहा कि यह बिहार के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है कि अब अत्याधुनिक तकनीकों व तेज रिकवरी के साथ सर्जरी संभव हो रही है। बिहार के माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में यह संभव हो पाया कि राज्य में बड़े अस्पतालों का समूह कार्यरत है, जिससे आमजन को दिल्ली-मुंबई जैसे शहरों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा। बिहार के स्वास्थ्य क्षेत्र में तकनीकी नवाचार और उन्नत उपचार सेवाओं की दिशा में एक नया अध्याय जुड़ गया है। मंगल पांडेय ने कहा कि जय प्रभा मेदांता में पिछले तीन वर्षों में 5000 से अधिक रेफरल मरीजों का सफलतापूर्वक उपचार किया गया है, जिसमें हृदय रोग, कैंसर, न्यूरो, यूरोलॉजी, बोन मैरो ट्रांसप्लांट जैसी जटिल बीमारियों का निःशुल्क इलाज भी शामिल है। यह सुविधा बिहार सरकार और मेदांता हॉस्पिटल के बीच (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) के तहत संभव हुई है, जिसका सीधा लाभ राज्य के गरीब और वंचित वर्ग को मिल रहा है। अब तक 10 रोबोटिक सर्जरी सफलतापूर्वक की जा चुकी हैं, जिनमें से छह सर्जरी बिहार सरकार की मदद से निःशुल्क की गई हैं। रोबोटिक सर्जरी कैंसर, कार्डियक, न्यूरो और यूरोलॉजी जैसी जटिल बीमारियों के इलाज में बेहद कारगर साबित हो रही है।मंत्री ने कहा कि आईजीआईएमएस पटना में भी रोबोटिक सर्जरी यूनिट स्थापित की जाएगी, जिससे सरकारी अस्पतालों में भी अत्याधुनिक तकनीकों से जटिल सर्जरी संभव हो सकेगी। उन्होंने कहा कि कैंसर संस्थान में अब तक 4357, हार्ट संस्थान में 1361, न्यूरो साइंस में 157, यूरोलॉजी विभाग में 172 रेफरल मरीजों का इलाज हो चुका है। आठ बोन मैरो ट्रांसप्लांट और छह किडनी ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक पूरे किए गए हैं। बिहार सरकार की प्रतिबद्धता अब सिर्फ इलाज तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रदेश को तकनीकी रूप से सक्षम, सुलभ और आत्मनिर्भर बनाना भी लक्ष्य है। इस अवसर पर डॉ. रवि शंकर सिंह, निदेशक जय प्रभा मेदांता हॉस्पिटल के नेतृत्व में पूरे मेदांता परिवार और मेडिकल टीम के कार्यों की स्वास्थ्य मंत्री ने प्रशंसा की। उन्होंने डॉ. नरेश त्रेहन (एमडी, मेदांता ग्रुप) और डॉ. प्रवेश रेहान की भी सराहना कर कहा कि वे दूर रहकर भी अस्पताल के प्रति गहरी चिंता और संवेदना रखते हैं, जिससे यह व्यवस्था संभव हो पाई।

लालू को 'भगवान' कहना दुर्भाग्यपूर्ण', मंत्री जनक का तीखा हमला, सहनी को दिया खुला ऑफर

मुजफ्फरपुर : बिहार सरकार में अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण मंत्री जनक ने रविवार को मुजफ्फरपुर दौरे के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पर तीखा प्रहार किया। सर्किट हाउस में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने लालू यादव को 'अखंड भ्रष्टाचारी' करार दिया। उन्होंने कहा कि उनके शासनकाल में अधिकारी और आम जनता अपमानित महसूस करते थे। उन्होंने राजद एमएलसी उर्मिला ठाकुर द्वारा लालू यादव को 'भगवान' बताए जाने पर भी कड़ा ऐतराज जताते हुए कहा कि ऐसा कहना जनमानस का अपमान है। जनक ने कहा कि लालू यादव के शासनकाल में राज्य के उच्चाधिकारियों का खुलेआम अपमान होता था। यहां तक कि कई बार आईएएस अधिकारियों को दौड़ा-दौड़ा कर गोली मारी गई। उन्होंने शिल्पी कांड, चंपा विश्वास और यूएन विश्वास जैसे मामलों का जिक्र कर कहा कि जब बिहार की जनता इन घटनाओं को याद करती है, तो रूह कांप उठती है। उन्होंने कहा कि आज वही लालू यादव, जो भ्रष्टाचार के मामलों में सजायाफ्ता हैं और न्यायालयों द्वारा चुनाव लड़ने से वंचित किए जा चुके हैं, उन्हें भगवान कहकर पूजना लोकतंत्र और बिहार की 14 करोड़ जनता का अपमान है। मंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि लालू यादव का इतिहास दलितों और पिछड़ों को अपमानित करने का रहा है। उन्होंने कहा कि एक समय 'भूरा बाल साफ करो' जैसे नारों के जरिए जातीय उन्माद फैलाया गया। अब वही नेता बाबासाहेब अंबेडकर की मूर्ति को अपने चरणों में स्थापित कर तानाशाही मानसिकता का प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता इस तरह की दोहरी राजनीति को अब बर्दाश्त नहीं करेगी और कभी उन्हें माफ नहीं करेगी। जनक ने लालू यादव पर परिवारवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए कहा कि जब वह स्वयं सजा पा गए, तो अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री की कुर्सी दिलाई और अब बेटे को आगे कर दिया। उन्होंने तंज कसा कि 2025 के चुनाव में जनता ऐसे विरोधी दल को विपक्ष का तमगा भी नहीं देगी। उन्होंने दावा किया कि तेजस्वी यादव जहां से चले थे, वहां वापस लौट जाएंगे। जनक ने बिहार की राजनीति में लगातार सक्रिय हो रहे वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अगर मुकेश सहनी समाज हित में कोई निर्णय लेते हैं और भाजपा में आना चाहते हैं, तो उनका स्वागत किया जाएगा। विपक्षी दलों द्वारा मतदाता पुनरीक्षण कार्य में अनियमितता के आरोपों पर मंत्री ने पलटवार कर कहा कि जो लोग आज सवाल उठा रहे हैं, वे वही लोग हैं जिन्होंने अपने शासनकाल में बूथ लूटने जैसे शर्मनाक काम किए थे। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार इस कार्य को पारदर्शी और ईमानदारी से कर रही है और विपक्ष को यह बर्दाश्त नहीं हो रहा। एमएलसी उर्मिला ठाकुर द्वारा लालू यादव को भगवान कहे जाने पर जनक ने कड़ी आपत्ति जताई और व्यंग्यपूर्ण लहजे में कहा कि ईश्वर उन्हें सद्बुद्धि दें। उन्होंने दोहराया कि जिन लोगों ने बिहार को वर्षों तक अराजकता, भ्रष्टाचार और जातीय उन्माद में झोंक दिया, उन्हें भगवान कहना लोकतंत्र के मंदिर का अपमान है।

नारी सशक्तिकरण की दिशा में नीतीश सरकार का ऐतिहासिक कदम

पटना,(ईएमएस)। बिहार सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा, सुविधा और आत्मनिर्भरता को को लेकर बड़ा फैसला लिया है। परिवहन विभाग ने राज्यभर में 80 नई पिंक बसें चलाने की योजना बनाई है। यह सिर्फ महिलाओं के लिए होंगी, जिसे सितंबर 2025 तक सभी जिला मुख्यालयों में चलाया जाएगा। मई 2025 में 20 सीएनजी पिंक बसें पटना, मुजफ्फरपुर, गया, पूर्णिया और दरभंगा में शुरू की गई थीं। इनकी सफलता के बाद अब सरकार ने 80 नई बसें और चलाने का फैसला लिया है।बता दें 35 बसें पटना में, शेष 45 बसें अन्य प्रमुख जिलों में चलाई जाएंगी। पिंक बसों को पूरी तरह महिला यात्रियों के लिए डिजाइन किया गया है। इनमें कई आधुनिक और सुरक्षित सुविधाएं उपलब्ध हैं जिसमें जीपीएस लगाया गया है जिससे बसों की लाइव लोकेशन ट्रैक की जा सकती है। पैनिक बटन भी लगा है जो किसी भी आपात स्थिति में तुरंत अलर्ट करेगा। पूरे बस में निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। सेनेटरी पैड और मेडिकल किट महिलाओं की हेल्थ जरूरतों के लिए लगाया गया है। मोबाइल चार्जिंग पॉइंट, आरामदायक सीटें हैं और किराया 6 से 25 तक रखा है। छात्राओं के लिए 400 रुपए में मासिक पास बनाया जाएगा। कामकाजी महिलाओं के लिए 550 में पास बनेगा।इस पहल को पूरी तरह महिलाओं द्वारा संचालित करने का लक्ष्य रखा गया है। 500 महिला चालकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। कंडक्टर, चालक और नोडल अधिकारी सभी महिलाएं होंगी। पटना में 16, गया और भागलपुर में 4-4 महिला कंडक्टर पहले ही तैनात की जा चुकी हैं।नोडल अधिकारी ने इसे नारी सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है। बिहार सरकार की यह पहल महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक भागीदारी को बढ़ावा देने की दिशा में एक नायाब प्रयास है। जहां एक तरफ यह कदम यातायात में सुरक्षा और सुविधा तय करता है, वहीं दूसरी ओर यह महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में भी बड़ी भूमिका निभा रहा है।

अजगैबीनाथ धाम को मिलेगा 6 लेन का मरीन ड्राइव सरीखा मार्ग, पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने की घोषणा

भागलपुर : विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेले की तैयारियों का जायजा लेने के लिए बिहार सरकार के पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन शनिवार को अजगैबीनाथ धाम, सुल्तानगंज पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कांवड़ियों को हर सुविधा प्रदान करने का आश्वासन दिया। बाबा की इस नगरी को मरीन ड्राइव की तर्ज पर छह लेन की भव्य सड़क मिलने की बड़ी घोषणा की है। मंत्री नितिन नवीन का स्थानीय विधायक प्रोफेसर ललित नारायण मंडल और एनडीए कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। विधायक ने शाहकुंड प्रखंड स्थित अतिथि गृह के जीर्णोद्धार की मांग को लेकर मंत्री को एक ज्ञापन भी सौंपा। जिस पर मंत्री ने जल्द निर्माण कार्य शुरू कराने का आश्वासन दिया। अपने दौरे के दौरान, मंत्री ने विभागीय अधिकारियों के साथ एक विस्तृत समीक्षा बैठक की और श्रावणी मेला क्षेत्र का भौतिक निरीक्षण भी किया। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। एक महत्वपूर्ण घोषणा में मंत्री ने बताया कि अजगैबीनाथ धाम में छह लेन की भव्य सड़क का निर्माण किया जाएगा। जिससे यहां की यातायात व्यवस्था बेहतर और सुगम हो सकेगी। सुल्तानगंज का नाम बदलकर अजगैबीनाथ धाम किए जाने की उठ रही मांग पर मंत्री ने अपनी सहमति जताई और कहा कि यह तो होना ही चाहिए। बाबा की नगरी अजगैबीनाथ पर बाबा की कृपा हमेशा बनी रहती है।

मृत शिक्षक को उपचुनाव ड्यूटी पर लगाया प्रशासन की लापरवाही उजागर

किशनगंज : किशनगंज जिले से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां पंचायत उपचुनाव के लिए एक ऐसे शिक्षक को मतदान ड्यूटी पर तैनात कर दिया गया, जिनकी मृत्यु पिछले साल कैंसर से हो चुकी है। मामला टेढ़ागाछ प्रखंड का है, जहां 9 जुलाई को होने वाले पंचायत उपचुनाव में ठाकुरगंज बैरागीझाड़ के पूर्व प्रधान शिक्षक जहांगीर आलम को मतदान पदाधिकारी प्रथम के रूप में नियुक्त कर दिया गया। इस घटना से जिला प्रशासन के पुराने सॉफ़्टवेयर सिस्टम और कर्मचारियों की अद्यतन जानकारी के अभाव की गंभीर खामियां उजागर हुई हैं। जिला शिक्षा पदाधिकारी नासिर अहमद ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि यह गलती लोकसभा चुनाव के पुराने डाटा के कारण हुई है, जो अब भी इलेक्शन कमीशन के पास उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि जहांगीर आलम के स्थान पर किसी अन्य अधिकारी की तैनाती की जा रही है। घटना के बाद स्थानीय शिक्षकों और सरकारी कर्मचारियों ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि कर्मचारियों की सूची का नियमित रूप से अपडेट नहीं किया जाता और अतिरिक्त ड्यूटी से बचने के लिए दिए गए आवेदनों पर भी ध्यान नहीं दिया जाता। शिक्षकों ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें बार-बार गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगाया जाता है, जिससे उनके शिक्षण कार्य पर असर पड़ता है।

संक्षिप्त ख़बरें

मुख्यमंत्री ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर उन्हें नमन किया

रायपुर,(ईएमएस) । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने महान शिक्षाविद्, प्रखर राष्ट्रवादी नेता और भारतीय जनमानस में राष्ट्रीय चेतना का संचार करने वाले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। मुख्यमंत्री ने आज अपने निवास कार्यालय में स्व. डॉ. मुखर्जी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उनका पुण्य स्मरण किया और उनके अतुलनीय योगदान पर अपने विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन राष्ट्रभक्ति, निःस्वार्थ सेवा और अखंड भारत के प्रति अटूट संकल्प का प्रतीक है। वे दूरदर्शी राजनीतिज्ञ के साथ ही समाज के सजग चिंतक और शिक्षा, राष्ट्रीय एकता तथा सामाजिक न्याय के प्रबल पक्षधर भी थे। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व आज भी देशवासियों को राष्ट्रसेवा और समर्पण की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने भारत की एकता और अखंडता के लिए ऐतिहासिक संघर्ष किया और उनका बलिदान आज भी भारतीय संप्रभुता का अमिट अध्याय है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का सपना एक सशक्त, आत्मनिर्भर और गौरवशाली भारत का था। उन्होंने भारत में वैचारिक स्पष्टता और सिद्धांतों की राजनीति की नींव रखी। उन्होंने अपने संकल्प से भारतीय राष्ट्रवाद और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों को सशक्त आधार प्रदान किया।श्री साय ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार आज भी समय की कसौटी पर खरे उतरते हैं और उनके आदर्शों का अनुसरण करना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उनके सपनों को साकार करने के लिए हमें सामूहिक रूप से कार्य करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी उनके विचारों से प्रेरणा लेकर समृद्ध, स्वाभिमानी और सशक्त भारत के निर्माण के लिए निरंतर प्रयासरत रहें।

जबरन संबंध बनाना चाहता था प्रेमी पति के साथ मिलकर गर्लफ्रेंड ने कर दिया कत्ल

नई दिल्ली (ईएमएस)। बुलंदशहर में एक व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया था। शुरुआती तौर पर यह मामला गुमशुदगी का लगा, लेकिन जब पुलिस ने जांच शुरू की तो चौंकाने वाला मामला सामने आया। दरअसल युवक की हत्या किसी और ने नहीं बल्कि उसकी प्रेमिका ने पति के बुलंदशहर के जहांगीराबाद इलाके में कुछ दिन पहले झाड़ियों में एक व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया था। शुरुआती तौर पर यह मामला गुमशुदगी का लगा, लेकिन जब पुलिस ने जांच शुरू की तो सच्चाई सामने आकर सबको चौंका गई। पुलिस के मुताबिक, शव की पहचान गाजियाबाद के डासना के रहने वाले अब्दुल वाहिद के रूप में हुई। जांच पड़ताल में पता चला कि वाहिद के गाजियाबाद में रहने वाली एक महिला प्रियंका से अवैध संबंध थे। प्रेमिका अब इन संबंधों को खत्म करना चाहती थी लेकिन प्रेमी लगातार दबाव बना रहा था। इसी से आजिज होकर प्रेमिका ने पति के साथ मिलकर पति को मौत के घाट उतार दिया। गाजियाबाद के वेव सिटी की सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) प्रिया श्री पाल ने आरोपियों से की गयी पूछताछ के बाद मिले सुराग के हवाले से बताया कि प्रियंका का वाहिद के साथ पहले अवैध संबंध था, लेकिन अब वह इसे जारी रखना नहीं चाहती थी, फिर भी वह (वाहिद) जोर जबरदस्ती पर आमादा था। अधिकारी के अनुसार, इसी वजह से लोहे की पाइप से सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी गई। वहीं, इस मामले में अब्दुल वाहिद के बेटे हामिद अली ने 25 जून को गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी।

कैब बुक करते फिर ड्राइवर को मारकर फेंक देते

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली पुलिस ने 25 साल से फरार सीरियल किलर अजय लांबा उर्फ बंसी को गिरफ्तार किया, जो 2001 से दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में कैब ड्राइवरों की हत्या करता था। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक ऐसे सीरियल किलर को गिरफ्तार किया है, जिसने पिछले 25 सालों से कानून की नजरों से छिपकर अपनी क्रूरता का खेल खेला। अजय लांबा उर्फ बंसी, जो न्यू अशोक नगर थाने में दर्ज एक हत्या के मामले में वांछित था, आखिरकार पुलिस की गिरफ्त में आ गया। बंसी पहले कैब बुक करता फिर पहाड़ों में ले जाता और ड्राइवर को मारकर शव वहीं फेंक देता। लांबा और उसके गैंग ने 2001 से दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में कैब ड्राइवरों को निशाना बनाया। उनकी रणनीति थी बेहद खतरनाक। वे कैब बुक करते, ड्राइवरों को पहाड़ों की ओर ले जाते, फिर उनकी हत्या कर लाशों को खाई में फेंक देते। सिर्फ चार मामलों में ही उनकी बर्बरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। हत्या के बाद आरोपी कैब को नेपाल ले जाकर महंगे दाम में बेच देते। आरोपी लांबा नेपाल में 10 साल तक छिपा रहा। जानकारी के अनुसार, लांबा ने नेपाल में एक लड़की से शादी भी कर ली। उसके खिलाफ ड्रग्स तस्करी और डकैती जैसे मामले दर्ज हैं और वे जेल भी जा चुका है। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने लंबे समय से चली आ रही इस चुनौती को आखिरकार पूरा किया। लांबा, जो एक कुख्यात लुटेरा और हत्याओं में शामिल था। अब लांबा कानून के शिकंजे में है। पुलिस के मुताबिक, इस गिरफ्तारी से न सिर्फ एक लंबे समय से लटके मामले का पटाक्षेप हुआ है, बल्कि कई परिवारों को न्याय मिलने की उम्मीद जगी है।

तिहाड़ से बाहर आया सीरियल किलर सोहराब फरार

नई दिल्ली (ईएमएस)। तिहाड़ जेल में सजा काट रहा सीरियल किलर सोहराब फरार हो गया है। सोहराब तीन दिनों की पैरोल पर जेल से बाहर आया था, लेकिन लौटा नहीं। अब तिहाड़ जेल में हड़कंप मच गया है। एतिहाड़ जेल में सजा काट रहा सीरियल किलर सोहराब फरार हो गया है। सोहराब तीन दिनों की पैरोल पर जेल से बाहर आया था, लेकिन वापस जेल नहीं लौटा। जेल प्रशासन लखनऊ पुलिस के साथ मिलकर सोहराब को ढूंढ रही है। मिली जानकारी के अनुसार, सोहराब को तीन दिन के लिए पैरोल पर तिहाड़ से बाहर निकाला गया था। लखनऊ में पत्नी से मुलाकात के बाद सोहराब को दिल्ली की तिहाड़ जेल पहुंचना था, लेकिन वो नहीं पहुंचा। इससे जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया और उसकी तलाश शुरू कर दी गई। जेल प्रशासन ने लखनऊ पुलिस से संपर्क किया और सोहराब को बरामद करने का प्रयास तेज कर दिया है। सोहराब एक खतरनाक अपराधी और सीरियल किलर है। उसने कई हत्याओं को अंजाम दिया है। सोहराब ने समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान लखनऊ के सआदतगंज में पूर्व सांसद शफीकुर्रहमान बर्क के नाती की भी हत्या करवा दी थी। इस दौरान वो जेल में बंद था, लेकिन हत्या के लिए पूरा प्लान करने के बाद अंजाम दे दिया था। इसके अलावा सोहराब पूर्व पार्षद की हत्या की साजिश में भी शामिल रहा है। सोहराब ने लखनऊ के अमीनाबाद में बीजेपी के पार्षद पप्पू पांडे की शूटर को सुपारी देकर हत्या करवा दी थी।

गुरुग्राम के सोहना में अरावली की पहाड़ियों के बीच मिली अज्ञात युवक की लाश

गुरुग्राम (ईएमएस)। गुरुग्राम के सोहना में एक अज्ञात युवक की गला काटकर निर्मम हत्या करने का मामला सामने आया है। हत्या से पहले उसके दोनों हाथ पीछे बांध दिए गए थे। मृतक युवक की उम्र करीब 30 साल के आसपास है। पुलिस को उसकी लाश रविवार सुबह अरावली की पहाड़ियों के बीच अंसल मोड़ पर रास्ते के किनारे पड़ी मिली। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में भेजकर इस मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, रविवार की सुबह सोहना से तावडू जाने वाले मार्ग से अरावली की पहाड़ी में अंसल को जाने वाले रास्ते के किनारे करीब 30 वर्षीय अज्ञात युवक की लावारिश लाश झाड़ियों में पड़ी मिली। युवक की गला काटकर हत्या की गई थी। मृतक के दोनों हाथों को भी पीछे की तरफ बांधा हुआ था। उसे बाद हत्या की गई। शहर थाना पुलिस को आज सुबह 112 नंबर पर आई पीसीआर कॉल के जरिए युवक का लावारिश शव पड़े होने की सूचना मिली थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में भेज दिया है। माना जा रहा है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही इस हत्याकांड का खुलासा हो सकेगा। अभी मृतक युवक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर मृतक के बारे में जानकारी जुटाने की कोशिश कर रही है। इसके साथ ही पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह हत्या यहीं की गई है, या फिर कहीं और हत्या कर शव यहां लाकर फेंका गया है।

भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप नवा रायपुर का होगा सुनियोजित विकासः सीएम साय

मुख्यमंत्री ने आवास एवं पर्यावरण विभाग की ली समीक्षा बैठक

रायपुर,(ईएमएस) मुख्यमंत्री विष्णु देव साय नवा रायपुर स्थित मंत्रालय महानदी भवन में आवास एवं पर्यावरण विभाग के विभागीय काम-काज की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान मुख्यमंत्री ने नवा रायपुर विकास प्राधिकरण के अतंर्गत संचालित कार्यो की जानकारी लेते हुए अधिकरियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में वित्त एवं आवास पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, सचिव आवास एवं पर्यावरण अंकित आंनद, एन आर डी ए के सी.ई.ओ चंदन कुमार, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के आयुक्त अवनीश शरण, रायपुर विकास प्राधिकरण के सी.ई.ओ. आकाश छिकारा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।मुख्यमंत्री ने कहा कि नवा रायपुर का सुव्यवस्थित विकास सरकार की पहली प्राथमिकता है। नवा रायपुर क्षेत्र में भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सुनियोजित विकास किया जायेगा। नवा रायपुर देश की सबसे आधुनिक व खुबसूरत राजधानी है। देश के आई.आई. एम., ट्रिपल आई.टी., नेशनल लॉ विश्वविद्यालय जैसे शीर्ष शिक्षण संस्थान यहां स्थापित किए गए हैं। भविष्य में नवा रायपुर में बसाहट और बढ़ेगी इसलिए यह आवश्यक है कि आगमाी जरूरतों के हिसाब से यहां नागरिक सुविधाओं का भी विस्तार किया जाए। मुख्यमंत्री ने नवा रायपुर क्षेत्र में रेल कनेक्टिविटी के विस्तार के संबंध में चर्चा कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। भारत सरकार द्वारा परमालकसा - खरसिया नई रेलवे लाईन का निर्माण बलौदाबाजार जिले से होकर किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने इस रेल लाईन को नवा रायपुर से जोड़ने की मंशा जाहिर करते हुए कहा कि इससे नवा रायपुर में रेल सुविधाओं का विस्तार होगा और आम नागरिको को इसका लाभ मिलेगा।मुख्यमंत्री श्री साय ने भारत माला परियोजना के अंतर्गत विशाखापट्टनम को जोड़ने वाले एक्सप्रेस-वे का निर्माण विकास के साथ आयात और निर्यात को प्रोत्साहित करने हेतु नवा रायपुर अटल नगर में एक लॉजिस्टीक हब की निर्माण आवश्यकता पर बल दिया। अधिकारियों ने बाताया कि छत्तीसगढ़ से गुजरने वाले एक्सप्रेस-वे का निर्माण लगभग 95 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। इसके बनने से रायपुर से विशाखापट्टनम की दूरी 100 कि.मी. कम हो जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश कि नई औद्योगिक नीति से बड़ी संख्या में निवेशक आकर्षित हो रहे है। इससे यहां के युवाओं को रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री ने नवा रायपुर क्षेत्र में ऑक्सीजोन निर्माण के अंतर्गत पीपल, बरगद, करंज, नीम, अशोक, अमलतास, गुलमोहर आदि पौधों के रोपण एवं ग्रोथ कि जानकारी ली। बैठक मे अधिकरियों ने बताया कि नवा रायपुर क्षेत्र में भविष्य में राज्य सरकार के विभिन्न आयोग-बोर्ड-निगम आदि के लिए आयोग बिडिंग कॉम्पलेक्स तैयार करने की योजना है। इसके अलावा काम-काजी महिलाओं के लिए वर्किंग वुमन हॉस्टल, 100 बिस्तर अस्पताल, नवा रायपुर में एक और नवीन थाना की स्थापना का प्रस्ताव है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवा रायपुर क्षेत्र में नवीन भवनों के निर्माण के लिए आबंटित भू-खण्डों का समूचित उपयोग किया जाए।मुख्यमंत्री ने आवास एवं पर्यावरण विभाग के अंतर्गत शामिल - छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण बोर्ड, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल, नगर तथा ग्राम निवेश, छत्तीसगढ़ भू-सम्पदा नियामक प्राधिकरण (रेरा), रायपुर विकास प्राधिकरण के काम-काज की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जहरीला चूहामार खाकर घर में पलंग पर लेट गये बुर्जुग

भोपाल(ईएमएस)। पुराने शहर के छोला मंदिर थाना इलाके में रहने वाले एक वृद्व ने अपने घर में जहरीली चूहामार दवा खा ली। जहरीला पदार्थ खाने के बाद वह घर में ही पलंग पर लेटे रहे। थोड़री देर बाद ही अचानक उन्हें खून की उल्टियां होनी शुरू हो गई। परिवार वालो ने उन्हें फौरन ही इलाज के लिये अस्पातल पहुंचाया जहॉ उन्होनें चूहामार दवा खाने की बात बताई थी। उपचार के दौरान बीती रात वृद्व ने दम तोड़ दिया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर कारणो की जॉच शुरु कर दी है। थाना पुलिस के अनुसार लीलाधर कॉलोनी छोला में रहने वाले श्यामलाल प्रजापति (73) के परिवार में दो बेटियां और दो बेटे हैं। सभी की शादी हो चुकी है। वह बेटा बहू और पत्नी के साथ रहते थे। परिवार वालो ने पुलिस को बताया कि शनिवार को श्यामलाल ने परिजनो की नजरे बचाकर घर में रखी जहरीली चूहामार दवाई खा ली और पलंग पर लेट गये। बाद में जब हालत बिगड़ने और उल्टियां होने पर उन्हें इलाज के लिये अस्पताल ले जाया जा रहा था, तब रास्ते में कारण पूछने पर उन्होंने बताया की उन्होनें चूहामार दवा खा ली है।

म.प्र.को पूर्ण नशामुक्त एवं मांसाहार मुक्त बनाने का निरन्तर प्रयास कर रहा है : बाबूलाल विश्वकर्मा

सागर (ईएमएस)। भगवती मानव कल्याण संगठन पंचज्योति शक्तितीर्थ सिद्धाश्रम के संयुक्त तत्वाधान में प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को मासिक महाआरती का आयोजन वालसंजीवनी विद्यालय कटरा बाजार सागर में किया गया। दोपहर 12.00 बजे पर आरती क्रम में भगवती मानव कल्याण संगठन के संस्थापक संचालक परम पूज्य योगीराज श्री शक्तिपुत्र जी महाराज व माता आदिशक्ति जगत जननी जगदम्बा जी की दिव्य आरती सम्पन्न की गई। जिसमें हजारों की संख्या की उपस्थिति में भगवती मानव कल्याण संगठन की विचारधारा से अवगत कराते हुए, संगठन के श्री बाबूलाल विश्वकर्मा जी (प्रदेश प्रवक्ता) द्वारा बताया गया कि आज ही समाज को सही राह दिखलाने के लिए संगठन आरती क्रम श्री दुर्गा चालीसा पाठ के अनुष्ठान कराकर घर-घर जाकर लोगों को नशामुक्त, मांसाहार मुक्त एवं चरित्रवान बनाने का प्रयास कर रहा है। इसी कड़ी में श्री राकेश तिवारी (संभागीय संगठन मंत्री) ने कहा कि परम् पूज्यनीय गुरूदेव जी ने जो लक्ष्य ठाना है उसमें हम और आप अगर यात्रा तय कर रहे है, तो यह हमारा सौभाग्य है।कु साक्षी सेन जी जिला सचिव युवा मोर्चा ने कहा कि नशामुक्त समाज बने इसके लिये निरन्तर प्रयासरत रहे, धर्मरक्षा, मानवता की सेवा एवं राष्ट्र रक्षा मानव का मूल धर्म है अगर हम मानवता का जीवन जीते है तो मानवीय मूल्यों की स्थापना करते हुये संकल्पवान बने तभी हमें अपने लक्ष्य की प्राप्ति होगी। श्रीमति पूजा नामदेव (जिला महासचिव) ने समस्त गुरू भाई,बहनों से अनुरोध किया कि जब आप महाआरती क्रम में आते है तो नये मॉ के भक्तों को भी साथ लेकर आयें ताकि उन्हें भी मॉ की कृपा मिल सके। वह भी नशामुक्त, मांसाहार मुक्त होकर चरित्रवान जीवन की ओर अग्रसर हो सके। संगठन की तीनों धाराओं पर प्रकाश डालते हुए नशे, मांस से मुक्त चरित्रवान जीने की अपील की एवं उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति नशे जैसी महामारी से ग्रसित है वह भगवती मानव कल्याण से जुड़कर एवं गुरूवर श्री का आशीर्वाद प्राप्त कर नशामुक्त हो सकता है। गुरूवर के दर्शन मात्र से ही प्रत्येक व्यक्ति की समस्याओं का समाधान हो जाता है। आज समाज में जहां चारों ओर नशा बेचा जा रहा है उससे कई परिवार उजड़ गये है। आत्मबल एवं आत्मशक्ति के बल हर असंभव कार्य को संभव किया जा सकता है। गोपाल यादव जी (जिला अध्यक्ष) जी ने चितन में कहा कि आगामी गुरूपूर्णिमा के शुभअवसर पर अधिक से अधिक दुर्गाचालीसा पाठ को सम्पन्न कराये एवं क्षेत्र में नशामुक्ति अभियान में ओर अधिक गति प्रदान करे संगठन का मूल लक्ष्य अनीति अन्याय, अधर्म, भय, भूख, भ्रष्टाचार, अनाचार और नशामुक्ति के लिये समाज के बीच कार्य करना है। आज हजारो-हजारों की संख्या में संगठन से जुड़कर पूज्य गुरूवर का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे है एवं खुशहाली का जीवन व्यतीत कर रहे है।

अनुराग लक्ष्य पत्रिका के स्थापना दिवस पर विभूतियां सम्मानित

बस्ती(ईएमएस)। रविवार को प्रेस क्लब सभागार में साहित्यिक सामाजिक सन्दर्भो से जुड़ी मासिक पत्रिका अनुराग लक्ष्य का 30 वां स्थापना सम्पादक विनोद उपाध्याय के संयोजन में संकल्पों के साथ विभितियों को सम्मानित करने, कविता, शायरी के बीच मनाया गया। मुख्य अतिथि विधायक राजेन्द्र चौधरी ने कहा कि अनुराग लक्ष्य ने साहित्यिक सरोकारों को जीवन्त किया है। यह यात्रा जनसहयोग से अनवरत जारी रहेगी। कहा कि ऐसे समय में जबकि साहित्यिक पत्रिकाये लगातार बंद हो रही हैं, अनुराग लक्ष्य का प्रकाशित होते रहना एक बड़ी उपलब्धि है।वरिष्ठ साहित्यकार डा. रामकृष्ण लाल 'जगमग', डा. वी.के. वर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, प्रदीप चन्द्र पाण्डेय, डा. मुकेश कुमार मिश्र, त्रिभुवन प्रसाद मिश्र, आदि ने अनुराग लक्ष्य की विकास यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डाला। सम्पादक विनोद उपाध्याय ने प्रकाशन यात्रा, चुनौतियों, उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं को साझा किया। इस अवसर पर प्रकाश चन्द्र गुप्ता, डा. वी.के. वर्मा, सर्वेश श्रीवास्तव, संदीप शुक्ल, राकेश तिवारी, वशिष्ठ पाण्डेय, सुनील मिश्र, राजेन्द्र उपाध्याय, मकील अहमद, काजी मुनीर, डा. अजय किशोर, राजेश पाण्डेय, लवकुश सिंह, गोविन्द प्रजापति, संदीप गोयल, डा. मुकेश मिश्र, अनुराग श्रीवास्तव, जितेन्द्र पाठक, कालिन्दी तिवारी, राजकुमार श्रीवास्तव, राकेश वर्मा, जितेन्द्र श्रीवास्तव, शक्तिशरण उपाध्याय, रवि कुमार पाण्डेय, मयंक कुमार उपाध्याय, अरूण कुमार,रामधीरज, आशुतोष प्रताप यदुवंश, मनोज यादव, जीत यदुंवश, अनिल त्रिपाठी, मुस्लिमा खातून, चन्द्र प्रकाश शर्मा, महेन्द्र तिवारी, संध्या दीक्षित, कृष्णदेव मिश्र, नित्यानन्द सिंह, राघवेन्द्र मिश्र पट्ट आदि को उनके योगदान के लिये सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में डा. रामकृपाल राय, डा. अमिताभ पाण्डेय, डा. रामकृष्ण लाल 'जगमग', ताजिर बस्तवी, प्रतिभा गुप्ता, फैज खलीलाबादी, सागर गोरखपुरी, महेश श्रीवास्तव, डा. अफजल हुसेन अफजल, डा. राजेन्द्र सिंह 'राही', डा. अजीत राज, दीपक सिंह प्रेमी, सुशील सिंह, अर्चना श्रीवास्तव, अजय श्रीवास्तव 'अश्क' आदि ने अपनी शायरी और कविताओं के माध्यम से वातावरण को जीवन्त किया। संचालन विनोद उपाध्याय और अध्यक्षता प्रकाश चन्द्र गुप्ता ने किया।इस अवसर पर मुख्य रूप से अनुराग श्रीवास्तव, सुनील कुमार मिश्र, राघवेन्द्र मिश्र, संदीप गोयल, अनिल पाण्डेय, जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, दिलीप चन्द्र पाण्डेय, जितेन्द्र पाठक, गोविन्द प्रजापति के साथ ही बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

वनवासियों के कल्याण के लिए करें सभी प्रबंध : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल(ईएमएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्नेह का बंधन एकतरफा नहीं होना चाहिए। राज्य सरकार हर पल वनवासियों के साथ खड़ी है, यह बात पूरी शिद्दत से उन तक पहुंचनी चाहिए। सभी वनवासियों को सरकार की योजनाओं से जोड़ें और उनके जीवन में विकास का प्रकाश लाने की दिशा में काम करें। वनवासियों के कल्याण के लिए हरसंभव प्रबंध किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय वर्ग के अध्ययनरत एवं रोजगार कर रहे बच्चों का सामाजिक सम्मेलन बुलाएं। इस सम्मेलन के जरिए सरकार इन बच्चों को उन तक पहुंचने वाले लाभ का फीड-बैक भी लेगी और जिन्हें जरूरत है, उन तक सरकार की योजनाएं तथा सुविधाएं भी पहुंचाई जाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में प्रदेश में वन अधिकार अधिनियम और पेसा एक्ट के क्रियान्वयन के लिए गठित की गई राज्य-स्तरीय टास्क फोर्स की शीर्ष समिति तथा इसी विषय के लिए गठित कार्यकारी समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजातीय कार्य एवं वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को वनाधिकार के व्यक्तिगत और सामुदायिक दावों का तेजी से निराकरण कर 31 दिसंबर 2025 तक पेंडेसी जीरो करने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में पेसा एक्ट यानि पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम, 1996 लागू है। इसमें पेसा मोबालाईजर्स के जरिए जनजातियों को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी देकर योजनाओं से लाभान्वित भी कराया जाता है। इन सभी पेसा मोबालाईजर्स की अपने काम पर उपस्थिति और उच्च कोटि का कार्य प्रदर्शन फील्ड में दिखाई भी देना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पेसा मोबालाईजर्स को नियुक्त करने और संतोषजनक प्रदर्शन न करने पर इन्हें हटाने के अधिकार सरकार अब ग्राम सभाओं को देने जा रही है।इस निर्णय से एकरूपता आएगी और ग्राम सभाएं पेसा मोबालाईजर्स से अपने मुताबिक काम भी ले सकेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार वनवासियों की बेहतरी के लिए संकल्पित है। उनके सभी हितों की रक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि वन विभाग का मैदानी अमला यह सुनिश्चित करे कि वन भूमि पर अब कोई भी नये अतिक्रमण कदापि न होने पाएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वनाधिकार अधिनियम के सुचारू क्रियान्वयन के लिए महाराष्ट्र सरकार के जलयुक्त शिविर अभियान की तरह समन्वय पर आधारित मॉडल मध्यप्रदेश में भी अपनाया जाए। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों द्वारा इस अधिनियम के अमल के लिए की जा रही कार्यवाही के सभी पहलुओं का अध्ययन कर लें और जो सबसे उपयुक्त है उसी मॉडल पर आगे बढ़ें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों के विकास के लिए विधायकों द्वारा विजन डॉक्यूमेंट बनाया गया है।

अग्रिम जमानत को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट की टिप्पणी

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा है कि अग्रिम जमानत देने की शक्ति एक असाधारण शक्ति है। इसका प्रयोग केवल असाधारण मामलों में ही किया जाना चाहिए। कहा कि कानून केवल उन लोगों की सहायता करता है जो कानून का पालन करते हैं। कोर्ट ने चचेरे भाई पर हमला करने के दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा है कि अग्रिम जमानत देने की शक्ति एक असाधारण शक्ति है। इसका प्रयोग केवल असाधारण मामलों में ही किया जाना चाहिए। साथ ही कहा कि कानून केवल उन लोगों की सहायता करता है जो कानून का पालन करते हैं। कोर्ट ने चचेरे भाई पर हमला करने के आरोपी को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया। जस्टिस रविन्द्र डुडेजा ने संपत्ति विवाद के मामले में अपने चचेरे भाई पर हमला करने के आरोपी न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी निवासी आशीष कुमार को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया। साथ ही टिप्पणी की कि कानून केवल उन लोगों की सहायता करता है जो कानून का पालन करते हैं। जज ने कहा कि हिरासत में पूछताछ और अपराध के हथियार की बरामदगी के लिए हिरासत में लेना जरूरी है। जज ने 1 जुलाई को पारित आदेश में कहा कि अग्रिम जमानत देने की शक्ति एक असाधारण शक्ति है और इसका प्रयोग केवल असाधारण मामलों में ही किया जाना चाहिए, न कि नियमित रूप से। आरोपी की ओर से दायर याचिका में दावा किया गया है कि कुमार को उनके और शिकायतकर्ता के परिवार के बीच चल रहे संपत्ति विवाद के कारण मामले में झूठा फंसाया गया है। आवेदक जांच में शामिल नहीं हुआ है और उसके खिलाफ एनबीडब्ल्यू (गैर-जमानती वारंट) जारी किए गए हैं। जज ने कहा कि मामले में अभियोजन पक्ष द्वारा दायर की गई स्थिति रिपोर्ट से पता चला है कि शिकायतकर्ता को चोटें आई थीं। जज ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि घायल को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है और चोटें सामान्य प्रकृति की हैं।

दिल्ली में तेलबंदी हटी क्या आपकी गाड़ी भी हो गई जब्त

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली में तेलबंदी के दौरान अगर आपकी भी गाड़ी जब्त या सीज हो गई है और आप उसे वापस पाना चाहते हैं, तो ये खबर आपके लिए ही है। आप इसके लिए आवेदन कर सकते हैं और जुर्माना भरकर गाड़ी ले सकते हैं। दिल्ली की सड़कों पर एक बार फिर रौनक लौट आई है। 1 जुलाई 2025 से शुरू हुई तेलबंदी की नीति, जिसके तहत 10 साल पुरानी डीजल और 15 साल पुरानी पेट्रोल गाड़ियों को ईंधन नहीं मिलना था और सड़क पर पकड़े जाने पर जब्ती का खतरा था, अब अस्थायी रूप से हटा ली गई है। लेकिन अगर आपकी गाड़ी इस दौरान जब्त हो गई, या सस्ते दामों में बेच दी है, तो घबराइए नहीं। हम आपको बताते हैं कि आप अपनी गाड़ी को कैसे वापस पा सकते हैं। दिल्ली सरकार ने वायु प्रदूषण को काबू करने के लिए 1 जुलाई 2025 से पुरानी गाड़ियों पर सख्ती शुरू की थी। नियम था कि 10 साल से पुरानी डीजल और 15 साल से पुरानी पेट्रोल गाड़ियों को पेट्रोल पंप पर ईंधन नहीं मिलेगा।

कलेक्टर किशोर कन्याल ने दिया बड़ा फैसला पटवारी पर विभागीय कार्रवाई के निर्देश

दोनों भूखंडों का रकबा करीब एक हेक्टेयर

गुना (ईएमएस)। कलेक्टर कार्यालय से एक बड़ा और अहम आदेश निकलकर सामने आया है, जिसमें आरोन तहसील के ग्राम आरोन की शासकीय जमीनों को लेकर बड़ा फैसला सुनाया गया है। यह जमीनें कई साल पहले बिना शासन की अनुमति के बेची गई थीं, जिन्हें अब फिर से शासन की संपत्ति घोषित कर दिया गया है। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने यह आदेश तहसीलदार अमित जैन की ओर से लगाए गए निगरानी प्रकरण पर सुनाया। मामला ग्राम आरोन के सर्वे नंबर 1120 की जमीन से जुड़ा है, जो पुरानी बंदोबस्त रिकॉर्ड के अनुसार शासकीय भूमि के रूप में दर्ज थी। इस भूमि में से दो टुकड़े सर्वे नंबर 1120/3/1 जिसकी माप 0.469 हेक्टेयर है और 1120/3/2 जिसकी माप 0.523 हेक्टेयर है बिना कलेक्टर की अनुमति के क्रमशः गणेशराम रघुवंशी और कालूराम बंजारा नामक लोगों को बेच दी गई थी। जबकि यह जमीन शासन से पट्टे के रूप में दी गई थी और इसे आगे बेचना या ट्रांसफर करना मना था।तहसीलदार की रिपोर्ट में बताया गया कि इन दोनों भूखंडों को खरीदते समय न तो शासन की मंजूरी ली गई और न ही प्रक्रिया का पालन हुआ। खास बात यह रही कि इनमें से एक खरीदार कालूराम बंजारा वर्तमान में शासकीय सेवा में पटवारी के पद पर कार्यरत है। ऐसे में उस पर मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियमों के उल्लंघन का मामला भी बनता है। कलेक्टर ने आदेश में साफ किया कि जब कोई जमीन शासन से पट्टे पर दी जाती है तो उसे बिना अनुमति के न तो बेचा जा सकता है और न ही किसी और को दिया जा सकता है। इस नियम का उल्लंघन हुआ है, इसलिए इन दोनों भूखंडों को शासकीय घोषित किया जा रहा है।आदेश में बताया गया कि जमीनों के पहले भी दो हिस्से सर्वे नंबर 1120/1 और 1120/2 को बिना अनुमति के बेचे जाने के कारण 2013 में शासन के नाम दर्ज किया जा चुका है। अब यह दोनों हिस्से भी उसी श्रेणी में आ गए हैं। कलेक्टर ने तहसीलदार को निर्देश दिए हैं कि राजस्व रिकॉर्ड में संशोधन करते हुए इन दोनों भूखंडों को शासकीय दर्ज किया जाए और इसकी रिपोर्ट 7 दिनों के भीतर प्रस्तुत की जाए। वहीं, कालूराम बंजारा के खिलाफ सिविल सेवा नियमों के उल्लंघन के तहत विभागीय कार्रवाई करने के निर्देश एसडीएम आरोन को दिए गए हैं। यह कार्रवाई इसलिए भी जरूरी मानी जा रही है क्योंकि उन्होंने न केवल नियमों की अनदेखी कर भूमि खरीदी बल्कि खुद राजस्व विभाग का हिस्सा होने के बावजूद प्रक्रिया का उल्लंघन किया। इस मामले में दोनों पक्षों को कई बार कारण बताओ नोटिस जारी किए गए और जवाब भी मांगे गए, लेकिन संतोषजनक दस्तावेज या तथ्य पेश नहीं किए गए। विक्रेताओं की ओर से यह कहा गया कि उनके पूर्वज इस भूमि पर लंबे समय से कब्जा कर खेती कर रहे थे, लेकिन कलेक्टर ने इसे मानने से इंकार कर दिया क्योंकि रिकॉर्ड में जमीन शासकीय ही पाई गई और बिना अनुमति के किए गए विक्रय को कानूनन अमान्य ठहराया गया। बहरहाल कलेक्टर किशोर कन्याल का यह फैसला शासन की भूमि की रक्षा और राजस्व नियमों की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने की दिशा में एक मजबूत कदम माना जा रहा है। इससे जिले में ऐसे अन्य विवादित या शासकीय भूमि के अवैध विक्रय मामलों की भी दोबारा जांच की संभावना जताई जा रही है।

संपादकीय

कोयलांचल संवाद

नोटबंदी के बाद अब वोटबंदी लोकतंत्र के मूल पर प्रहार

बिहार विधानसभा चुनाव के पूर्व चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची मैं संशोधन के लिए जो नियम लागू किए हैं। उसके बाद एक बार फिर 2016 की नोटबंदी चर्चा में आ गई है। नोटबंदी ने देश को जिस आर्थिक अस्थिरता और अव्यवस्था में झोंका था। उसकी गूंज आज भी गरीबों और मध्यम वर्ग की स्मृतियों में ताजा है। उस समय सरकार ने कहा था, नोटबंदी, काला धन और भ्रष्टाचार खत्म करने की दिशा में 'ऐतिहासिक' कदम है। नोटबंदी हुई लोगों को वर्षों तक इसका खामयिजा भुगतना पड़ा। नोटबंदी का कोई नतीजा नहीं निकला। जितने नोट प्रचलन में थे, वह सब वापस आ गए। ना काला धन कम हुआ, नाही भ्रष्टाचार खत्म हुआ। उल्टे भ्रष्टाचार बढ़ गया, काला धन भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ता जा रहा है। स्विस बैंक में तीन गुना ज्यादा काला धन जमा है। नतीजा? जीरो बटा सन्नाटा रहा। अब उसी तर्ज पर बिहार में 'मतदाता सूची पुनर्निरीक्षण' की प्रक्रिया शुरू की गई है। इसको देखकर यह कहने में कोई हिचक नहीं रहा है। देश मैं जिस तरह से नोटबंदी लागू की गई थी। अब 'वोटबंदी' के रूप में फिर एक बार उसी तरह की कार्यवाही सामने आ गई है। मतदाता के अधिकार को बनाए रखने के लिए अपने जन्म से लेकर माता-पिता के जन्म के कागज एकत्रित करना पड़ रहे हैं। मां बाप ने गलती करी,उनका जन्म प्रमाण पत्र नहीं बना। लाखों माता-पिता स्कूल पढ़ने भी नहीं गए। 2003 के पहले और बाद का जन्म प्रमाण पत्र कहीं से नहीं मिल रहा है। अब उन्के बच्चों को मत के अधिकार से वंचित किया जा रहा है।

पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव द्वारा इस मुद्दे को जिस आक्रामकता से उठाया गया है। वह सिर्फ एक राजनीतिक प्रतिक्रिया नहीं है। बल्कि लोकतंत्र की रक्षा तथा नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा का बिगुल पप्पू यादव ने बिहार में बजा दिया है। चुनाव आयोग द्वारा वोटर लिस्ट से कथित फर्जी मतदाताओं को हटाने के नाम पर नागरिकों से ऐसे दस्तावेजों की मांग की जा रही है। जो बिहार जैसे गरीब और पिछड़े राज्य के 50 फीसदी नागरिकों के पास उपलब्ध नहीं हैं। आधार कार्ड, राशन कार्ड और मनरेगा जॉब कार्ड को चुनाव आयोग ने अमान्य कर दिया है। चुनाव आयोग द्वारा ऐसे दस्तावेज मांगे जा रहे हैं।जो या तो सरकारी नौकरी करने वालों के पास हैं। या शहरी पढ़े-लिखे वर्ग के मिडिल और धनाड्य वर्ग के पास हैं। चुनाव आयोग की इस कार्रवाई से करोड़ों गरीबों के मत देने के अधिकार छिनने का खतरा बिहार में पैदा हो गया है।

चुनाव आयोग का यह नियम संविधान के अनुच्छेद 326 के उस मूलभूत सिद्धांत पर हमला है। जो हर भारतीय नागरिक को मताधिकार का अधिकार देता है। सवाल यह है, जब आधार को सरकार हर स्कीम के लिए मान्य करती है। जब 3 महीने के अंदर बिहार विधानसभा के चुनाव होने हैं। उस समय आधार कार्ड को नकारना और मताधिकार छीनना चिंता का विषय है। यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाता है। चुनाव आयोग की इस कार्रवाई से 20% मतदाता सूची से बाहर किये जाने की आशंका जताई जा रही हैं। यह बिहार के विधानसभा चुनाव परिणाम को निर्णायक रूप से प्रभावित करने वाली कार्यवाही मानी जाएगी।

'वोटबंदी' शब्द शाब्दिक चमत्कार नहीं, बल्कि इसे एक चेतावनी के रूप में देखा जाना चाहिए। लोकतंत्र के सबसे मजबूत स्तंभ मताधिकार को अपारदर्शिता और पक्षपात कर चुनाव की निष्पक्षता को प्रभावित किया जाता है। इससे देश में जनता का भरोसा लोकतंत्र और संविधान से उठते देर नहीं लगेगी। पिछले दो-तीन वर्षों से चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली और निष्पक्षता को लेकर विपक्षी दल चुनाव आयोग को कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। 50 से अधिक याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में जा चुकी हैं। कुछ लंबित हैं, कुछ में फैसला हो गया है। ऐसे समय पर चुनाव आयोग द्वारा बिहार में जो नवीन प्रयोग किया जा रहा है। उसके कारण चुनाव आयोग की निष्पक्षता संदिग्ध हो गई है। विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग को भाजपा का एजेंट कहना शुरू कर दिया है। जो चिंता का कारण है। चुनाव आयोग को अपना अस्तित्व और निष्पक्षता को बरकरार रखना होगा। मतदाताओं और सभी राजनीतिक दलों को चुनाव आयोग के ऊपर विश्वास हो, इसके लिए पूरी पारदर्शिता के साथ चुनाव आयोग काम करे। गरीबों, दलितों और पिछड़े वर्गों को मताधिकार से वंचित करने वाली कार्यवाही को तुरंत रोका जाए। 1975 की तरह एक बार फिर लोकतंत्र की लड़ाई का केंद्र बिहार बनने जा रहा है। 1975 में जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में बिहार से जो लड़ाई शुरू हुई थी। उसने इंदिरा गांधी की सत्ता को हिला कर रख दिया था। यदि ऐसा हुआ तो वर्तमान सरकार के लिए खतरे की घंटी है। गरीबों के पास सिवा वोट देने के अलावा और कोई अधिकार नहीं है। यदि यह अधिकार छीनने की कोशिश की गई। ऐसी स्थिति में बिहार की कानून व्यवस्था को बनाए रखना केंद्र एवं राज्य सरकार के लिए बहुत मुश्किल हो सकता है। पप्पू यादव ने नोटबंदी की तरह वोटबंदी की बात कहकर गंभीरता के साथ सभी वर्ग के लोगों को जोड़ने का प्रयास किया है। चुनाव आयोग को अपने निर्णय पर पुनर्विचार करना चाहिए। गरीबों के पास सिवाय मताधिकार के अन्य कोई अधिकार नहीं है। उस अधिकार को बचाने के लिए गरीब किसी भी हद तक जा सकता है। इस बात का ध्यान सभी को रखना होगा।

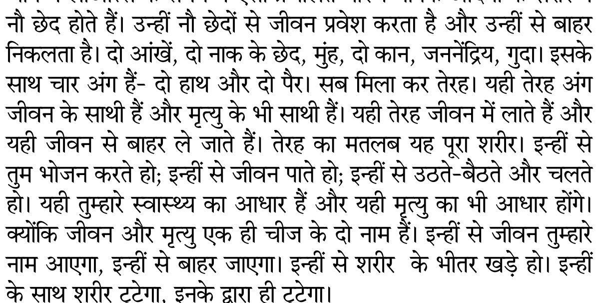

जीवन और मृत्यु

चीन में लाओत्से के समय में ऐसी प्रचलित धारणा थी कि आदमी के शरीर में नौ छेद होते हैं। उन्हीं नौ छेदों से जीवन प्रवेश करता है और उन्हीं से बाहर निकलता है। दो आंखें, दो नाक के छेद, मुंह, दो कान, जननेंद्रिय, गुदा। इसके साथ चार अंग हैं- दो हाथ और दो पैर। सब मिला कर तेरह। यही तेरह अंग जीवन के साथी हैं और मृत्यु के भी साथी हैं। यही तेरह जीवन में लाते हैं और यही जीवन से बाहर ले जाते हैं। तेरह का मतलब यह पूरा शरीर। इन्हीं से तुम भोजन करते हो; इन्हीं से जीवन पाते हो; इन्हीं से उठते-बैठते और चलते हो। यही तुम्हारे स्वास्थ्य का आधार हैं और यही मृत्यु का भी आधार होंगे। क्योंकि जीवन और मृत्यु एक ही चीज के दो नाम हैं। इन्हीं से जीवन तुम्हारे नाम आएगा, इन्हीं से बाहर जाएगा। इन्हीं से शरीर के भीतर खड़े हो। इन्हीं के साथ शरीर टूटेगा, इनके द्वारा ही टूटेगा।

हैरानी की बात है। यही तुम्हें संभालते हैं और यही मिटाएंगें। भोजन तुम्हें जीवन देता है, शक्ति देता है और भोजन की शक्ति से अपने भीतर की मृत्यु को बड़ा किये चले जाते हो। भोजन तुम्हें बुढ़ापे तक पहुंचा देगा, मृत्यु तक पहुंचा देगा। आंख, नाक, कान से जीवन की श्वास भीतर आती है। उन्हीं से बाहर जाती है। नौ द्वार और चार अंग। लाओत्से कहता है- तेरह ही जीवन के साथी, तेरह ही मौत के साथी। ये तेरह ही ले जाते हैं।

अगर तुम सजग हो जाओ तो तुम चौदहवें हो। इन तेरह के पार हो। इस तेरह की संख्या के कारण चीन और फिर धीरे-धीरे सारी दुनिया में, तेरह का आंकड़ा अपशकुन हो गया। इस सुपरस्टीशन की पैदाइश चीन में हुई। अमेरिका में होटलों में तेरह नंबर का कमरा नहीं होता; तेरह नंबर की मंजिल भी नहीं होती। क्योंकि कोई तेरह नंबर पर ठहरने को राजी नहीं है। तेरह शब्द से ही घबराहट होती है। बारह नंबर के कमरे के बाद चौदह नंबर आता है। असल में होता तो वह तेरहवां ही है, लेकिन जो ठहरता है, उसे चौदह याद रहता है। तेरह की चिंता नही पकड़ती।

चीन में बड़े अर्थपूर्ण कारण से यह विश्वास फैला। तेरह अपशकुन है। तुम चौदहवें हो और तुम्हें चौदहवें का कोई पता भी नहीं। तुम न जीवन हो, न मौत। तुम दोनो के पार हो। अगर इन तेरह के प्रति सजग हो जाओगे, पृथक हूं, मै अन्य हूं। शरीर और, मैं और। और यह जो भीतर भिन्नता, शरीर से अलग चैतन्य का अविर्भाव होगा, इसकी न कोई मृत्यु है, न कोई जीवन है। यह न कभी पैदा हुआ, न कभी मरेगा।

15वें दलाई लामा के चयन पर भारत मिला साथ

संजय गोस्वामी

तिब्बत हमेशा अपनी आजादी के लिए लगभग 70सालों से चीन के चंगुल से अपने आप को छुड़ाने की गुहार विश्व पटल पर लगा रहा हैदुनिया में आज कोई ऐसा देश खोजना मुश्किल है, जिस पर इतिहास के किसी दौर में किसी विदेशी ताक़त का प्रभाव या अधिपत्य न रहा हो. तिब्बत के मामले में विदेशी प्रभाव या दखलंदाज़ी तुलनात्मक रूप से बहुत ही सीमित समय के लिए रही थी इस शोध पत्र में उनके स्वायित्व व चीन के अमानवीय व्यवहार जो भगवान बुद्ध के शांति के मार्ग पर चलने के लिए तिब्बत शरणार्थी शिविरों जो भारत में अपने देश की आजादी के लिए संघर्षरत है उस पर विश्व पटल पर मानवाधिकार हनन के लिए बहुत ही मुश्किल लेकिन उनकी आजादी की मांग करें क्योंकि इससे मानवता की रक्षा होती है. हिमालय के उत्तर में स्थित तिब्बत 12 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ और अशांति से भरा एक कटा हुआ इलाका है. इसका इतिहास कई तरह के झटकों और परेशानियों से भरा हुआ है. 1013 ई0 में नेपाल से धर्मपाल तथा अन्य बौद्ध विद्वान् तिब्बत गए। 1042 ई0 में दीपंकर श्रीज्ञान अतिशा तिब्बत पहुँचे और बौद्ध धर्म का प्रचार किया। शाक्यवंशियों का शासनकाल 1207 ई0 में प्रांरभ हुआ। मंगोलों का अंत 1720 ई0 में चीन के माँछु प्रशासन द्वारा हुआ। तत्कालीन साम्राज्यवादी अंग्रेजों ने, जो दक्षिण पूर्व एशिया में अपना प्रभुत्व स्थापित करने में सफलता प्राप्त करते जा रहे थे, यहाँ भी अपनी सत्ता स्थापित करनी चाही, पर 1788-1792 ई0 के गुरखों के युद्ध के कारण उनके पैर यहाँ नहीं जम सके। परिणाम स्वरूप 19 वीं शताब्दी तक तिब्बत ने अपनी स्वतंत्र सत्ता स्थिर रखी यद्यपि इसी बीच लद्दाख़ पर कश्मीर के शासक ने तथा सिक्किम पर अंग्रेजों ने आधिपत्य जमा लिया। अंग्रेजों ने अपनी व्यापारिक चौकियों की स्थापना के लिये कई असफल प्रयत्न किया। इतिहास के मुताबिक तिब्बत को दक्षिण में नेपाल से भी कई बार युद्ध करना पड़ा और नेपाल ने इसको हराया। नेपाल और तिब्बत की सन्धि के मुताबिक तिब्बत को हर साल नेपाल को ५००० नेपाली रुपये हरज़ाना भरना पड़ा। इससे आजित होकर नेपाल से युद्ध करने के लिये चीन से मदद माँगी चीन के मदद से उसने नेपाल से छुटकारा तो पा लिया लेकिन इसके बाद 1906-07 ई0 में तिब्बत पर चीन ने अपना अधिकार कर लिया और याटुंग ग्याड्से एवं गरटोक में अपनी चौकियाँ स्थापित की। 1912 ई0 में चीन से मांछु शासन अंत होने के साथ तिब्बत ने अपने को पुनः स्वतंत्र राष्ट्र घोषित कर दिया। सन् 1913-14 में चीन, भारत एवं तिब्बत के प्रतिनिधियों की बैठक शिमला में हुई जिसमें इस विशाल पठारी राज्य को भी भागों में विभाजित कर दिया गयाः 23 मई, 1951 को तिब्बत ने चीन के इस विवादित समझौते पर साइन किए थे. 13वीं शातब्दी में तिब्बत, मंगोल साम्राज्य का हिस्सा था और जीत के बाद से इसे हमेशा स्वायत्तता हासिल रही. इस सरकार की विस्तारवादी नीतियों के चलते 1950 में चीन ने हजारों सैनिकों के साथ तिब्बत पर हमला कर दिया। करीब 8 महीनों तक तिब्बत पर चीन का कब्जा चलता रहा। आखिरकार तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा ने 17 बिंदुओं वाले एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के बाद तिब्बत आधिकारिक तौर पर चीन का हिस्सा बन मुख्यतः बौद्ध धर्म को मानने वाले लोगों के तिब्बत सुदूर इलाके को संसार की छत के नाम से भी जाना जाता है. चीन में तिब्बत का दर्जा एक स्वायत्तशासी क्षेत्र के तौर पर है.चीन का कहना है कि इस इलाके पर सदियों से उसकी संप्रभुता रही है जबकि बहुत से तिब्बती लोग अपनी वफादारी अपने निर्वासित आध्यात्मिक नेता दलाई लामा के प्रति रखते हैं.दलाई लामा को उनके अनुयायी एक जीवित ईश्वर के तौर पर देखते हैं तो चीन उन्हें एक अलगाववादी ख़तरा मानता है.तिब्बत का इतिहास बेहद उथल-पुथल भरा रहा है. कभी वो एक खुदमुख़्तार इलाके के तौर पर रहा तो कभी मंगोलिया और चीन के ताक़तवर राजवंशों ने उस पर हुकूमत की. लेकिन साल 1950 में चीन ने इस इलाके पर अपना झंडा लहराने के लिए हज़ारों की संख्या में सैनिक भेज दिए. तिब्बत के कुछ इलाकों को स्वायत्तशासी क्षेत्र में बदल दिया गया और बाक़ी इलाकों को इससे लगने वाले चीनी प्रांतों में मिला दिया गया.लेकिन साल 1959 में चीन के ख़िलाफ़ हुए एक नाकाम विद्रोह के बाद 14वें दलाई लामा को तिब्बत छोड़कर भारत में शरण लेनी पड़ी जहां उन्होंने निर्वासित सरकार का गठन किया. साठ और सत्तर के दशक में चीन की सांस्कृतिक क्रांति के दौरान तिब्बत के ज़्यादातर बौद्ध विहारों को नष्ट कर दिया गया. माना जाता है कि दमन और सैनिक शासन के दौरान हज़ारों तिब्बतियों की जाने गई थीं.चीन और तिब्बत के बीच विवाद, तिब्बत की क़ानूनी स्थिति को लेकर है. चीन कहता है कि तिब्बत तेरहवीं शताब्दी के मध्य से चीन का हिस्सा रहा है लेकिन तिब्बतियों का कहना है कि तिब्बत कई शताब्दियों तक एक स्वतन्त्र राज्य था और चीन का उसपर निरंतर अधिकार नहीं रहा. मंगोल राजा कुबलई ख़ान ने युआन राजवंश की स्थापना की थी और तिब्बत ही नहीं बल्कि चीन, वियतनाम और कोरिया तक अपने राज्य का विस्तार किया था.फिर सत्रहवीं शताब्दी में चीन के चिंग राजवंश के तिब्बत के साथ संबंध बने. 260 साल के रिश्तों के बाद चिंग सेना ने तिब्बत पर अधिकार कर लिया. लेकिन तीन साल के भीतर ही उसे तिब्बतियों ने खदेड़ दिया और 1912 में तेरहवें दलाई लामा ने तिब्बत की स्वतन्त्रता की घोषणा की. फिर 1951 में चीनी सेना ने एक बार फिर तिब्बत पर नियन्त्रण कर लिया और तिब्बत के एक शिष्टमंडल से एक संधि पर हस्ताक्षर करा लिए जिसके अधीन तिब्बत की प्रभुसत्ता चीन को सौंप दी गई. दलाई लामा भारत भाग आए और तभी से वे तिब्बत की स्वायत्तता के लिए संघर्ष कर रहे हैं.जब 1949 में चीन ने तिब्बत पर क़ब्ज़ा किया तो उसे बाहरी दुनिया से बिल्कुल काट दिया.तिब्बत में चीनी सेना तैनात कर दी गई, राजनीतिक शासन में दख़ल किया गया जिसकी वजह से तिब्बत के नेता दलाई लामा को भाग कर भारत में शरण लेनी पड़ी.फिर तिब्बत का चीनीकरण शुरू हुआ और तिब्बत की भाषा, संस्कृति, धर्म और परम्परा सबको निशाना बनाया गया.किसी बाहरी व्यक्ति को तिब्बत और उसकी राजधानी ल्हासा जाने की अनुमति नहीं थी, इसीलिये उसे प्रतिबन्धित शहर कहा जाता है. विदेशी लोगों के तिब्बत आने पर ये पाबंदी 1963 में लगाई गई थी. हालांकि 1971 में तिब्बत के दरवाज़े विदेशी लोगों के लिए खोल दिए गए थे.चीन और दलाई लामा का इतिहास ही चीन और तिब्बत का इतिहास है. सन 1409 में जे सिखांपा ने जेलग स्कूल की स्थापना की थी. इस स्कूल के माध्यम से बौद्ध धर्म का प्रचार किया जाता था.यह जगह भारत और चीन के बीच थी जिसे तिब्बत नाम से जाना जाता है. इसी स्कूल के सबसे चर्चिच छात्र थे गेंदुन द्रुप. गेंदुन आगे चलकर पहले दलाई लामा बने. बौद्ध धर्म के अनुयायी दलाई लामा को एक रूपक की तरह देखते हैं. इन्हें करुणा के प्रतीक के रूप में देखा जाता है. दूसरी तरफ इनके समर्थक अपने नेता के रूप में भी देखते हैं. दलाई लामा को मुख्य रूप से शिक्षक के तौर पर देखा जाता है. लामा का मतलब गुरु होता है. लामा अपने लोगों को सही रास्ते पर चलने की प्रेरणा देते हैं. तिब्बती बौद्ध धर्म के नेता दुनिया भर के सभी बौद्धों का मार्गदर्शन करते हैं.1630 के दशक में तिब्बत के एकीकरण के वक्त से ही बौद्धों और तिब्बती नेतृत्व के बीच लड़ाई है. मान्चु, मंगोल और ओइरात के गुटों में यहां सत्ता के लिए लड़ाई होती रही है. अंततः पांचवें दलाई लामा तिब्बत को एक करने में कामयाब रहे थे. इसके साथ ही तिब्बत सांस्कृतिक रूप से संपन्न बनकर उभरा था. तिब्बत के एकीकरण के साथ ही यहां बौद्ध धर्म में संपन्नता आई. जेलग बौद्धों ने 14वें दलाई लामा को भी मान्यता दी. दलाई लामा के चुनावी प्रक्रिया को लेकर ही विवाद रहा है. 13वें दलाई लामा ने 1912 में तिब्बत को स्वतंत्र घोषित कर दिया था. करीब 40 सालों के बाद चीन के लोगों ने तिब्बत पर आक्रमण किया. चीन का यह आक्रमण तब हुआ जब वहां 14वें दलाई लामा के चुनने की प्रक्रिया चल रही थी. तिब्बत को इस लड़ाई में हार का सामना करना पड़ा. कुछ सालों बाद तिब्बत के लोगों ने चीनी शासन के ख़िलाफ़ विद्रोह कर दिया. ये अपनी संप्रभुता की मांग करने लगे. हालांकि विद्रोहियों को इसमें सफलता नहीं मिली. दलाई लामा को लगा कि वह बुरी तरह से चीनी चंगुल में फंस जाएंगे. इसी दौरान उन्होंने भारत का रुख किया. दलाई लामा के साथ भारी संख्या में तिब्बती भी भारत आए थे. यह साल 1959 का था. चीन को भारत में दलाई लामा को शरण मिलना अच्छा नहीं लगा. तब चीन में माओत्से तुंग का शासन था. दलाई लामा और चीन के कम्युनिस्ट शासन के बीच तनाव बढ़ता गया. दलाई लामा को दुनिया भर से सहानुभूति मिली लेकिन अब तक वह निर्वासन की ही ज़िंदगी जी रहे हैं. चीन-तिब्बत संबंधों से जुड़े कई सवाल हैं जो लोगों के मन में अक्सर आते हैं. जैसे कि क्या तिब्बत चीन का हिस्सा है? चीन के नियंत्रण में आने से पहले तिब्बत कैसा था? और इसके बाद क्या बदल गया? तिब्बत की निर्वासित सरकार का कहना है, इस बात पर कोई विवाद नहीं है कि इतिहास के अलग-अलग कालखंडों में तिब्बत विभिन्न विदेशी शक्तियों के प्रभाव में रहा था. मंगोलों, नेपाल के गोरखाओं, चीन के मंचू राजवंश और भारत पर राज करने वाले ब्रितानी शासक, सभी की तिब्बत के इतिहास में कुछ भूमिकाएं रही हैं. लेकिन इतिहास के दूसरे कालखंडों में वो तिब्बत था जिसने अपने पड़ोसियों पर ताक़त और प्रभाव का इस्तेमाल किया और इन पड़ोसियों में चीन भी शामिल था.1951में चीन ने एक शांति प्रिय देश को गुलाम बनाकर भगवान बुद्ध की पावन नगरी को तहस नहस कर दिया है सन्1961 में तिब्बत के 14वें धर्म गुरु दलाई लामा ने लगभग 85हजार अनुयाई के साथ भारत के धर्मशाला(एचपी) में अपना अस्तित्व को बनाए रखने के लिए अपना अस्थाई स्ट्रक्चर सीटीए के रूप में अपने वजूद को बचाने के लिए बहुत ही मुश्किल समय में सरकार चला रहा है और भारत भी उनके साथ हिम्मत से खड़ा है 48मंत्रिमंडल बाले तिब्बत के अस्थाई सरकार को चलाने के लिए विश्व से अपनी आजादी की मांग कर रहा है हालांकि भारत ने मैत्रीपूर्ण संबंध में कोई कमी नहीं होने दिया है संसदीय मामलों के केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि मौजूदा दलाई लामा के अलावा किसी को भी 15वें दलाई लामा के बारे में फैसला करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने यह टिप्पणी 14वें दलाई लामा तेनजिन ग्यात्सो द्वारा 6 जुलाई को 90 वर्ष पूरे करने के बाद की, जिसके बाद उन्होंने दलाई लामा को पूर्ण अधिकार सौंपे। दलाई लामा ने चीन को सीधी चुनौती देते हुए कहा है कि उनके नाम से संचालित सदियों पुरानी आध्यात्मिक संस्था उनकी मृत्यु के बाद भी जारी रहेगी और उनके उत्तराधिकारी की पहचान करने का अधिकार केवल उनके करीबी लोगों को होगा न कि बीजिंग को। इस सप्ताहांत अपने 90वें जन्मदिन से पहले प्रार्थना समारोह के दौरान 19 जून बुधवार को धर्मशाला, में संदेश में 14वें दलाई लामा ने कहा कि उनके मामलों का प्रबंधन करने वाला गदेन फोडरंग ट्रस्ट उनके पुनर्जन्म की खोज की देखरेख करेगा। उन्होंने धर्मशाला में कहा, इस मामले में किसी और को हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। धर्मशाला उत्तर भारत का पहाड़ी शहर है, जो निर्वासित तिब्बती सरकार की सीट है। पिछली परंपरा के अनुसार, मेरे पुनर्जन्म की खोज और 15वें दलाई लामा के नामकरण का काम किया जाएगा। दलाई लामा ने पहले संकेत दिया था कि वे इस कतार में सबसे आखिरी हो सकते हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि वरिष्ठ आध्यात्मिक नेताओं के साथ परामर्श और चीनी शासित तिब्बत सहित तिब्बती जनता की अपील ने उन्हें इसके विपरीत समझा दिया है। उन्होंने वरिष्ठ बौद्ध भिक्षुओं की सभा में कहा, इन सभी अनुरोधों के अनुसार, मैं पुष्टि करता हूं कि दलाई लामा की संस्था जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि स्पष्ट लिखित निर्देश छोड़े जाएंगे, लेकिन उन्होंने उनकी विषय-वस्तु के बारे में विस्तार से नहीं बताया।एशिया में बहने वाली कई बड़ी नदियां तिब्बनत से ही निकलती हैं. ऐसे में जब भी पानी की किल्लत होगी ये इलाका भारत के लिए फायदे साबित होगा. यहां पर लिथियम, यूरेनियम और सबसे अहम यहां भरपूर मात्रा में पाया जाता है अयस्कों के खनन के लिए तिब्बित बहुत महत्वपूर्ण है यूरेनियम के भंडार होने के कारण तिब्बत परमाणु उद्योग के लिए अच्छा साबित होगा. तिब्बत भारत और चीन के बीच मुख्य मुद्दा है. मगर इसका हल शांति से हो. तिब्बरत समस्यां का हल निकलने के बाद भारत और चीन के बीच जो सीमा विवाद है, उसका हल भी निकल आएगा।

क्षमा मांगना या देना भावनात्मक और मानसिक कल्याण का एक पहलू है जो सद्भाव और शांति स्थापित करने में मदद करता है

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

(वैश्विक क्षमा दिवस 7 जुलाई 2025)

वैश्विक स्तरपर भारतीय सभ्यता,संस्कृति, मूल्यों मर्यादा और आध्यात्मिकता की सजगता दुनिया में कहीं नहीं है हमारी सभ्यता के अनेक मोतियों में से एक माफ़ी मांगना या देना है, बड़े बुजुर्गों का कहना है जो माफ़ करता है पुरानी बातों को भूल जाता है वही सबसे बड़ा दानी है क्योंकि क्षमादान जैसा कोई दान नहीं यहभारतीय सभ्यता की वैचारिक शक्ति है ! मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि, हमसे अगर गलती हो जाए तो हमें शांत स्वभाव से अपनी गलती को स्वीकार कर लेना चाहिए और माफ़ी मांगनी चहिए, क्योंकि हमेशा याद रखें कि माफी मांगने से हमेशा रिश्ते मजबूत ही होंगे, दो लोगों के बीच कभी बैर नहीं होगा। माफ करने या माफी मांगने की आदत से यह मालूम पड़ता है कि व्यक्ति तुच्छ भावों के मुकाबले में रिश्ते को ज्यादा अहमियत देता है।आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि 7 जुलाई 2025 को वैश्विक माफी दिवस है,चूँकि क्षमा दिवस मनाने से खुद को व दूसरों को क्षमा करने के लिए प्रोत्साहन मिलता है, जिससे एक अधिक दयालू और सहानुभूतिपूर्ण दुनियाँ को बढ़ावा मिलता है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,क्षमा मांगना या देना भावनात्मक और मानसिक कल्याण का एक पहलू है जो सद्भाव और शांति स्थापित करने में मदद करता है। साथियों बात अगर हम वैश्विक क्षमा दिवस 7 जुलाई 2025 के महत्व और शक्तियों को समझने की करें तो,यह दिवस हमारे जीवन में क्षमा की शक्ति और महत्व को समर्पित एक वार्षिक कार्यक्रम है। यह द्वेष को दूर करने, पिछले घावों को भरने और समझ और सुलह की संस्कृति को बढ़ावा देने के महत्व पर चिंतन करने का दिन है। क्षमा भावनात्मक और मानसिक कल्याण का एक पहलू है, जो व्यक्तियों और समुदायों को सद्भाव और शांति में आगे बढ़ने में मदद करता है। वैश्विक क्षमा दिवस लोगों को खुद को और दूसरों को क्षमा करने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिससे एक अधिक दयालु और सहानुभूति पूर्ण दुनिया को बढ़ावा मिलता है। वैश्विक स्तरपर भारतीय सभ्यता, संस्कृति, मूल्यों मर्यादा और आध्यात्मिकता की सजगता दुनिया में कहीं नहीं है हमारी सभ्यता के अनेक मोतियों में से एक माफ़ी मांगना या देना है, बड़े बुजुर्गों का कहना है जो माफ़ करता है पुरानी बातों को भूल जाता है वही सबसे बड़ा दानी है क्योंकि क्षमादान जैसा कोई दान नहीं यहभारतीय सभ्यता की वैचारिक शक्ति है ! साथियों बात अगर हम मानव जीव में क्षमा भाव की करें तो, क्षमा भाव जिसके भीतर विकसित हो जाता है,वह व्यक्ति समाज में आदरणीय माना जाता है। किसी को किसी की भूल के लिए क्षमा करना औरआत्मग्लानि से मुक्ति दिलाना एक बहुत बड़ा परोपकार है। कितना आसान है किसी से अपनी गलती की माफी मांगना और उससे भी ज्यादा आनंद तब मिलता है, जब वह व्यक्ति हमें माफ कर देता है। क्षमा का शस्त्र जिसके पास है, उसका दुष्ट मानव कुछ नहीं बिगाड़ सकते। जिस तरह बिना तिनकों की पृथ्वी पर गिर कर अग्नि खुद ही शांत हो जाती है।साथियों बात अगर हम क्षमा मांगने की परिस्थिति की करें तो, यदि हमसे वाकई गलती हो गई है तो गंभीरता से क्षमा मांगें। कोई स्पष्टीकरण दें, हमारी गलती से वह विचलित है और हमारे कारणों को समझने की स्थिति में नहीं है।उसे पहले शांत कर सामान्य स्थिति में लाएं। दिल से मांगी गई माफी से स्थिति सामान्य हो जाएगी। यह हमारा बड़प्पन भी होगा कि जो व्यक्ति हमारे कारण दुखी हुआ है और हम अपनी गलती स्वीकार कर उसे सामान्य होने में मदद कर रहे हैं। फिर हुए नुकसान या असुविधा की पूर्ति के लिए तत्काल प्रयास करें। व्यर्थ की दलीलों में समय बर्बाद करने की बजाय तत्काल कदम उठाएं। इस तरह हम अपनी खामियों के बावजूद सम्मान भरोसा हासिल करेंगे। अन्यथा भावनाओं की गलत अभिव्यक्ति से आप हमेशा तनाव में रहेंगे, जो आपको समाधान से दूर और दूर ले जाएगा। साथियों बात अगर हम क्षमा देने की करें तो, कमजोर व्यक्ति कभी क्षमा नहीं कर सकता,क्षमा करना तो शक्तिशाली व्यक्ति का गुण है। जो पहले क्षमा मांगता है वह सबसे बहादुर है और जो सबसे पहले क्षमा करता है वह सबसे शक्तिशाली है। शास्त्रों में कहा गया है कि क्षमा वीरों का आभूषण है।बाणभट्ट के हर्षचरित में उल्लेख किया गया है कि क्षमा सभी तपस्याओं का मूल है। महाभारत में कहा गया है कि क्षमा असमर्थ मनुष्यों का गुण और समर्थ मनुष्यों का आभूषण है।' श्री गुरु ग्रंथ साहिब का वचन है- क्षमाशील को रोग नहीं सताता और न ही यमराज डराता है। साथियों बात अगर हम क्षमा में भावनात्मक मिश्रण से हानि की करें तो खासकर पारिवारिक झगड़ों में हम देखते हैं कि, पति का पत्नी से झगड़ा हो गया है। उनके बीच कोई समस्या हो सकती है, जिस पर ध्यान देने की जरूरत है। चूंकि पत्नी का मूड खराब है तो वह बेटे पर गुस्सा उतारेगी। बेटे पर मां मामूली-सी बात पर चिल्लाई तो वह अपने साथियों से लड़ पड़ा और हम जितनी कल्पना कर सकें उतना इस कहानी को विस्तार दे सकते हैं। भावनाएं यदि समस्या के स्रोत की दिशा में हो तो भी यह उसे सुलझाने की बजाय बड़ा बना देती हैं। यहीं पर बड़ी समस्या है, क्योंकि कोई माफी मांगे इसकी बजाय भावनात्मक विस्फोट के कारण आखिर में स्थिति होगी कि हमें ही माफी मांगनी पड़ सकती है।

साथियों बात अगर हम माफी मांगने में अफसोस और ऐसी गलती दोबारा नहीं होगी के तड़के की करें तो,मुझे अफ़सोस है, इन तीन छोटे शब्दों के बिना माफी वास्तव में माफी नहीं है। उनका उपयोग करने से हम यह प्रदर्शित कर सकते हैं कि हम वास्तव में उस समस्या को उत्पन्न करने के लिए पछताते हैं जिसने शिकायत को प्रेरित किया। इन शब्दों के साथ माफी माँगने से हमको यह दिखाने में मदद मिलती है कि हम अतीत में जो कुछ हुआ है उसकी ज़िम्मेदारी लेने के लिए तैयार हैं। हम सुनिश्चित करेंगे कि ऐसा दोबारा न हो, यह समझाते हुए कि जो हुआ अब आगे हमेशा एक अच्छा विचार होगा, भविष्य में गड़बड़ी से मुक्त रखने के लिए हम जो कुछ भी बदलने की योजना बना रहे हैं उसे रेखांकित करके उस सफलता पर निर्माण करना सबसे अच्छा है।

साथिया बात अगर हम माफी मांगने की व्यवहारिकता की करें तो, यदि हम गलत हैं, आंशिक रूप से भी, किसी की मांग करने से पहले क्षमा मांगना बेहतर है। क्षमायाचना उन समस्याओं को हल करने में मदद कर सकती है जिन्हें हल करना सामान्य शब्दों के लिए बहुत कठिन है। क्षमा की वांछनीयता इसमें शामिल लोगों की संस्कृति पर निर्भर करती है। शर्म की संस्कृति में , एक उच्च स्थिति वाले व्यक्ति से जबरन माफी मांगना एक बहुत ही मूल्यवान चीज के रूप में देखा जाता है, क्योंकि माफी मांगने वाले व्यक्ति के सामाजिक अपमान को एक महत्वपूर्ण कार्रवाई के रूप में देखा जाता है।शिष्टाचार दूसरों से अपेक्षा करने का मानक नहीं है, यह एक ऐसा मानक है जिसका आप स्वयं पालन करते हैं। यह कहना कभी आसान नहीं होता, मुझे क्षमा करें। लेकिन कभी-कभी, गलती के लिए माफी मांगना ही आपकी प्रतिष्ठा की रक्षा करने का एकमात्र तरीका है।

क्षमा दान महादान है,क्षमा के बराबर कोई दान नहीं है
गलती करना मानवीय विकार है,क्षमा करना ईश्वरय गुणहैं
क्षमा खुशनसीब है,अहंकार बदनसीब हैं। अतःअगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि क्षमा मांगना या देना भावनात्मक और मानसिक कल्याण का एक पहलू है जो सद्भाव और शांति स्थापित करने में मदद करता है वैश्विक क्षमा दिवस 7 जुलाई 2025, विभिन्न संस्कृतियों व पृष्ठभूमियों के लोगों में क्षमा, यह शांति व सुलह की दिशा में एक वैश्विक आंदोलन को प्रेरित करता है,क्षमा दिवस मनाने से खुद को व दूसरों को क्षमा करने के लिए प्रोत्साहन मिलता है,जिससे एक अधिक दयालू और सहानुभूति पूर्ण दुनियाँ को बढ़ावा मिलता है।

सचिन को गावस्कर और विराट से अधिक बेहतर मानते हैं एलन लैंब

इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर एलन लैंब ने भारतीय टीम के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि वह उन्हें सुनील गावस्कर और विराट कोहली से भी बेहतर मानते हैं। लैंब ने कहा है कि उन्होंने अपने समय में जिन क्रिकेटरों के साथ खेल था उनसे भी बेहतर वह सचिन की बल्लेबाजी को मानते हैं। इस पूर्व क्रिकेटर ने मजाकिया अंदाज में कहा कि सचिन की इस सफलता में मेरा भी काफी योगदान रहा है। लैंब ने कहा कि सचिन तेंदुलकर ने जब पहला शतक लगाया था तब मैंने उनका एक कैच छोड़ा था। मेरे कैच छोड़ने के कारण ही वह शतक लगाने में सफल रहे हैं। तब सचिन 18 साल के थे। मैंने स्लिप में उनका कैच गिरा दिया था और उन्होंने शतक लगाकर अपनी पहचान बनायी थी। इसलिए मैं उनसे हमेशा कहता रहता हूं कि मेरे कारण ही आज उनका नाम है। लैंब ने साथ ही कहा,विराट भी एक शानदार खिलाड़ी हैं। उनके पास सभी तरह के शॉट हैं। वे तेजी से रन बना सकते हैं। लेकिन अगर आप उन खिलाड़ियों की बात करें जिनके खिलाफ मैं खेला हूं तो मैं सचिन का नाम लूंगा। मैं उन्हें सुनील गावस्कर से भी आगे मानता हूं। लैंब ने मैच अगस्त 1990 में मैनचेस्टर में खेले टेस्ट में सचिन का कैच छोड़ा था। इस टेस्ट में 18 साल के सचिन ने पहला टेस्ट शतक लगाया था। इस मैच में भारतीय टीम की दूसरी पारी में सचिन का कैच तब गिरा था। इसके बाद सचिन ने 119 रन की नाबाद पारी खेली। यह टेस्ट क्रिकेट में उनका पहला शतक था। भारत ने अपनी दूसरी पारी में 6 विकेट पर 343 रन बनाए और मैच ड्रॉ हो गया।

टी20 विश्वकप के लिए 13 टीमें तय हुईं

बचे हुए 22 स्थानों के लिए 22 टीमों में होगा मुकाबला

अगले साल की शुरुआत में संयुक्त रुप से भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अभी तक 13 टीमें तय हो गयी हैं जबकि बचे हुए सात स्थानों के लिए 22 टीमों के बीच मुकाबला होना है। इस टूर्नामेंट में कुल 20 टीमों को खेलने का अवसर मिलेगा। हैं। इनमें से मेजबान भारत और श्रीलंका सहित कुल 13 टीमें घोषित को गयी हैं जबकि सात और टीमों की घोषणा इस साल अक्टूबर तक होगी। कनाडा की टीम ने इसके लिए क्वालीफाई कर लिया है जबकि यूरोप क्वालीफायर्स के जरिए दो टीमों पर फैसला होगा। ये टूर्नामेंट भी पिछले टूर्नामेंट के प्रारुप के अनुसार ही होगा। जिसके तहत पहले 20 टीमों को चार ग्रुप में बांटा जाएगा। इसके बाद सुपर 8 के मुकाबले होंगे और फिर सेमीफाइनल और फाइनल मैच खेले जाएंगे। मेजबान के रूप में भारत और श्रीलंका को पहले दो स्थान मिले हैं। उसके बाद अगले 10 स्थानों का पिछले संस्करण में सुपर आठ क्वालीफायर और 30 जून 2024 की कट-ऑफ डेट पर टीम रैंकिंग के आधार पर हुआ। पिछले टी20 विश्व कप 2024 में सुपर 8 में प्रवेश के कारण अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज को 2026 टी20 विश्व कप में जगह मिली। अमेरिका ने भी टॉप 8 में पाकिस्तान को हराकर प्रवेश किया था। सुपर 8 में नहीं पहुंचने के बाद भी पाक ने न्यूजीलैंड और आयरलैंड के साथ अपनी टी20I रैंकिंग के आधार पर अगले संस्करण में अपना स्थान तय किस है।

अब तक भारत, श्रीलंका, अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, कनाडा, इंग्लैंड, आयरलैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका और वेस्टइंडीज ने इसके लिए प्रवेश हासिल किया है। इन टीमों के अलावा सात और टीमें इस टूर्नामेंट में खेलेंगी। एक तरह से देखा जाए तो 22 टीमों में बाकी के सात स्थानों के लिए मुकाबला होगा। एशिया और पूर्वी एशिया पेसिफिक रीजन से तीन टीमें प्रवेश करेंगी, जबकि दो-दो टीमें यूरोप क्वालीफायर और अफ्रीका क्वालीफायर से आएंगी। एशिया-ईस्ट एशिया पेसेफिक रीजन से जापान, कुवैत, मलेशिया, नेपाल, ओमान, पापुआ न्यू गिनी, कतर, समोआ और यूएई की टीमें क्वालीफायर्स खेलेंगी और इनमें से तीन टीमें सीधे टूर्नामेंट में प्रवेश करेंगी। वहीं, यूरोप क्वालीफायर्स में इटली, जर्सी, ग्वेर्नसे, नीदरलैंड और स्कॉटलैंड की टीम खेलेगी। इनमें से दो टीमें टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, आषाढ़ शुक्ल पक्ष, ग्रीष्म ऋतु, गुरु अस्त, पश्चिमी शुक्रोदय, पूर्वे तिथी, •द्वादशी, सोमवासरे, अनुराधा नक्षत्रे, शुभ योगे, वव करणे, पश्चिम की चंद्रमा, गुरु उदय पूर्वे 22/15 शुक्रोदय पूर्वे, मूल प्रारंभ रात्रि 1/16 सर्वार्थ सिद्ध योग, जातकर्म, व्यापार, नामकरण तथापि उत्तर दिशा की यात्रा उत्तम फलदायी होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चतुर, चपल, चंचल, धनी मानी, लाभकारी, किराना, कपड़ा, व्यापारी, धनी मानी होगा, सुन्दर, सुशील होवें।

मेष राशि :- तनाव, रोग, उदर विकार, लाभ, राजभय, दाम्पत्य जीवन पूर्ण संतोष प्रद बना रहेगा।

वृष राशि :- शत्रुभय, सुख, मंगल कार्य, विरोध, मामले-मुकदमे में प्रायः जीत की सम्भावना बनेगी।

मिथुन राशि :- कुसंग, हानि, रोग, भय, यात्रा, उद्योग, व्यापार की स्थिति लाभ-हानि ही बनी रहेगी।

कर्क राशि :- पराक्रम, कार्यसिद्ध, व्यापार लाभखेती व गृह कार्य में व्यवस्था निश्चय होवेंगी।

सिंह राशि :- तनाव, प्रवास से बचें, विरोधी, चिन्ता, उद्योग तथा व्यापार से लाभ होवेंगा।

कन्या राशि :- भूमि लाभ, स्त्री सुख, हर्ष, उद्योग व्यापार में अड़चने होगी, कार्य बनेंगे।

तुला राशि :- प्रसंग, वाहन भय, भूमि लाभ, कलह, व्यर्थ तनाव तथा खेती में परेशानी होवेंगी।

वृश्चिक राशि :- कार्य सिद्ध, विरोध, लाभ, हर्ष, कष्ट होगा, व्यापार में सुधार, तथा खर्च होवेगा।

धनु राशि :- यात्रा में हानि, मातृ-पितृ कष्ट, व्यय, लिखा पढ़ी से लाभ होगा।

मकर राशि :- शुभ कार्य, वाहनादि रोग भय, नौकरी की स्थिति सामान्य बनी ही रहेगी।

कुंभ राशि :- अभीष्ट कार्य सिद्धी, राजभय, कार्य तथा धार्मिक व कुछ अच्छे कार्य बनेंगे।

मीन राशि :- तनाव, उदर रोग, विरोध, मित्र लाभ, राजभय, जीवन यात्रा संतोष प्रद बनी रहेंगी।

अब कोच की भूमिका में नजर आयेंगे अंकित चव्हाण

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने पूर्व स्पिनर अंकित चव्हाण को नया कोच बनाया है। जिससे सभी हैरान हैं। अंकित 2013 स्पॉट फिक्सिंग मामले के आरोपी रहे हैं। स्पॉट फिक्सिंग में फंसने के बाद अंकित पर प्रतिबंध लग गया था पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआईI) ने साल 2021 में इसे घटाकर सात साल कर दिया था। जिससे वह दो साल पहले ही खेल में वापसी कर पाए हैं। अंकित ने अपने करियर में 18 फर्स्ट क्लास, 20 लिस्ट ए और 13 आईपीएल मैच खेले हैं।

ये स्पिनर प्रतिबंध के दौरान भी मुंबई के कर्नाटक स्पोर्ट्स क्लब के लिए क्लब क्रिकेट खेलता रहा और उसने कोचिंग के लिए जरुरी लेवल-1 परीक्षा भी पास की। जिससे उसे एक और अवसर खेल से जुड़ने का मिला है। इस क्रिकेटर ने कहा है कि यह मेरे लिए दूसरी पारी है और मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। जिंदगी में हमेशा वापसी का अवसर होता है। इसके लिए मैं मुंबई क्रिकेट संघ का आभारी भी हूं, जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताया। कोचिंग मेरे मन में पहले से थी और मुझे आने वाली कठिन चुनौतियों के बारे में पता है। मैं अंडर-14 क्रिकेट के खिलाड़ियों की बुनियादी तकनीकों पर काम करना चाहता हूं ताकि वे अपने खेल में बेहतर हो सकें।

गौरतलब है कि 2013 में बीसीसीआई की अनुशासन समिति ने एस. श्रीसंत, अजीत चंडिला और अंकित चव्हाण को आईपीएल में स्पॉट फिक्सिंग का दोषी मानते हुए आजीवन प्रतिबंध लगाया था। साल 2015 में दिल्ली की ट्रायल कोर्ट ने सबूतों के अभाव में इन सभी खिलाड़ियों को बरी कर दिया हालांकि बीसीसीआई ने प्रतिबंध जारी रखा। बाद में जून 2021 में बीसीसीआई ने सभी पर से प्रतिबंध को घटाकर सात साल कर दिया.

एमसीए ने आयु वर्ग आधारित टीमों के लिए कोच और चयनकर्ताओं को भी घोषित किया है। इसके तहत ही रणजी ट्रॉफी टीम के मुख्य कोच ओंकार साल्वी को आगामी घरेलू सत्र के लिए रखा गया है। वहीं पूर्व क्रिकेटर संदीप पाटिल चयन समिति के अध्यक्ष बने रहेंगे।

अगले सत्र में रॉयल्स की जगह सीएसके में नजर आ सकते हैं सैमसन

विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन आईपीएल के अगले सत्र में राजस्थान रॉयल्स की जगह पर चेन्नईसुपरकिंग्स (सीएसके) से खेलते नजर आ सकते हैं। सैमसन ने 18 वें सत्र में रॉयल्स की कप्तानी की थी पर टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में अब रॉयल्स आईपीएल के अगले सत्र के लिए नये सिरे से टीम बनाने जा रही है। वह तकरीबन आधे खिलाड़ी बदलने पर विचार कर रही है। रॉयल्स ने अब तक किसी का नाम नहीं बताया है पर जिन खिलाड़ियों के लिए ट्रेड-ऑफ की मांग सबसे अधिक होगी, उनमें से एक सैमसन हो सकते हैं। ऐसे में सैमसन और रॉयल्स की टीम आपसी सहमति से अलग हो सकते हैं। वैसे भी टीम के पास

ध्रुव जुरेल के रूप में एक अच्छा विकेटकीपर बल्लेबाज है। आईपीएल में अभी दो टीमों को अच्छे विकेटकीपर-बल्लेबाज की जरूरत है। इसमें सीएस के और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) है। सीएसके के महेंद्र सिंह धोनी के अगले आईपीएल में खेलने पर संशय बना हुआ है।

गौरतलब है कि आईपीएल के अगले सत्र को देखते हुए ट्रेडिंग विंडो बाद चार जून से ही शुरू हो गई थी और यह 2026 के खिलाड़ियों की नीलामी की तारीख से एक सप्ताह पहले तक जारी रहेगी। खिलाड़ियों की नीलामी समापत होने के बाद विंडो फिर से खुलेगी और अगले सत्र की शुरुआत से ठीक एक महीने पहले बंद हो जाएगी। ट्रेड-ऑफ कई तरह के होते हैं। इसमें टीमों की आपसी सहमति के बाद एक ही कीमत पर खिलाड़ियों की अदला-बदली होती है। इसमें अधिक कीमत वाले खिलाड़ी को रखने वाली फ्रेंचाइजी को शेष राशि मिलती है, वहीं एकतरफा नकद सौदा भी होता है इसमें एक फ्रेंचाइजी नीलामी से पहले अपने पर्स को बढ़ाने के लिए खिलाड़ी को बेचती है। ''इसमें सबसे अहम बात यह है कि हर टीम अपनी टीम को मजबूत करने वाली किसी भी चीज के लिए तैयार रहती है। सैमसन पिछले कई वर्षों से राजस्थान टीम का अहम हिस्सा रहे है पर कप्तान के तौर पर रियान पराग के सामने आने के बाद उनके लिए टीम में बने रहना आसान नहीं होगा। पिछले सत्र में जब सैमसन चोटिल थे जब पराग ने टीम की कमान संभाली थी। सैमसन के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी और खराब फार्म से भी रॉयल्स उन्हें बदलना चाहेगी।

श्रीकांत सेमीफाइनल में, श्रेयांशी बाहर

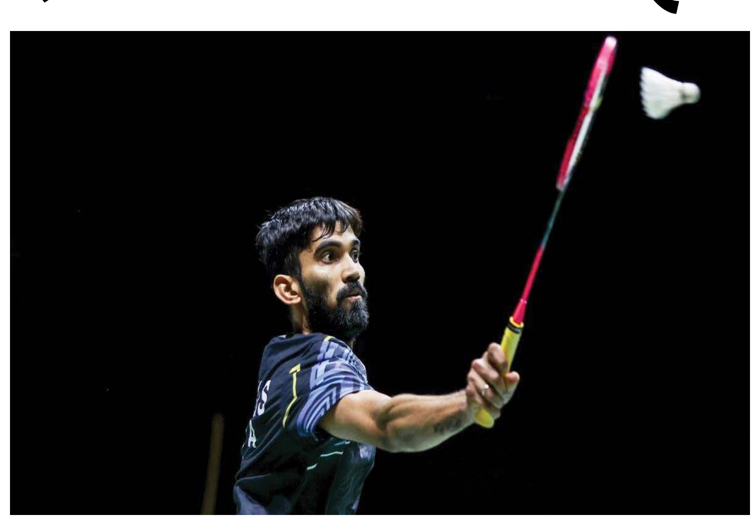

श्रीकांत ने कनाडा ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के शीर्ष वरीयता प्राप्त चोउ तिएन चेन को सीधे गेमों में 21-18, 21-9 से हराया। वर्ल्ड नंबर-49 श्रीकांत अब फाइनल में पहुंचने के लिए जापान के तीसरी वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोटो से भिड़ेंगे। श्रीकांत को निशिमोटो के खिलाफ हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में 6-4 की बढ़त हासिल है। पिछली विश्व चैंपियनशिप में भी उन्होंने जापानी खिलाड़ी को सीधे गेमों में हराया था। हालांकि, निशिमोटो लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और उनका कोर्ट कवरेज शानदार माना जाता है। निशिमोटो ने भारत के शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम को 21-15, 5-21, 21-17 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इससे पहले श्रीकांत ने प्री-क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के वांग पो-वेई को 21-19, 21-14 से हराया था। यह मुकाबला 41 मिनट चला था। पूर्व विश्व चैंपियनशिप रजत पदक विजेता श्रीकांत मई में मलेशिया मास्टर्स के भी फाइनल में पहुंचे थे और इस साल अच्छे फॉर्म में नजर आ रहे हैं। विमेंस सिंगल्स में भारत की युवा शटलर श्रेयांशी वलीशेट्टी को डेनमार्क की 24 वर्षीय अमाली शुल्ज के खिलाफ कड़े मुकाबले में 21-12, 19-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा। श्रेयांशी ने पहला गेम आसानी से जीत लिया था, लेकिन अगले दोनों गेम में बढ़त बनाए रखने में नाकाम रहीं। निर्णायक गेम में उन्होंने 9-17 के अंतर को कम कर 19-21 तक पहुंचाया, मगर मामूली अंतर से हार गईं। इसी के साथ उनका नॉर्थ अमेरिका टूर समाप्त हो गया।

शास्त्री बोले डब्ल्यूटीसी के लिए अहमदाबाद रहेगा आदर्श स्थल

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि अगला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025 (डब्लयूटीसी) फाइनल भारत के अहमदाबाद में होना चाहिये।

शास्त्री के अनुसार इस महत्वपूर्ण टूर्नामेंट के लिए इंग्लैंड एक आदर्श स्थल है पर मेरा मानना है कि अब जब ये विश्व स्तर पर लोकप्रिय हो गया है तो इसका आयोजन भारत और ऑस्ट्रेलिया के बड़े स्टेडियमों में भी किया जा सकता है। शास्त्री के अुनसार इंग्लैंड ने तीन बार इस टूर्नामेंट के फाइनल की मेजबानी कर ली है। पहला डब्लयूटीसी फाइनल साउथेम्प्टन के रोज बाउल में आयोजित किया गया था, जिसमें न्यूजीलैंड ने भारत को हराया था। इसके बाद

के दूसरा फाइनल ओवल में हुआ जहां ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराकर चैंपियन बना। वहीं तीसरा फाइनल लॉर्ड्स के मैदान पर हुआ जिसमें दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को हराया। शास्त्री ने कहा, "मुझे लगता है कि शुरुआत में इसका लॉर्ड्स में आयोजन अच्छा है पर लोकप्रियता और प्रशंसा मिलने के बाद इसे अन्य जगहों पर भी आयोजित किया जा सकता है।

मुझे लगता है कि इसके फाइनल के लिए अहमदाबाद स्टेडियम भी अच्छा रहेगा।" उन्होंने साथ ही कहा, मूल रूप से, ऐसी जगहें जहां आप भीड़ खींच सकते हैं डब्लयूटीसी फाइनल के लिए अच्छी है लॉर्ड्स 100,000 सीटों वाला स्टेडियम नहीं है। इसलिए चाहे कोई भी टीम खेल रही हो, आपको पता है कि आपको अच्छी भीड़ मिलेगी, इसलिए स्टेडियम बदलना ठीक रहेगा। गौरतलब है कि साल 2031 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल तक की मेजबानी इंग्लैंड के पास है, वहीं भारतीय बोर्ड ने 2027 फाइनल के लिए बोली लगाई थी पर उसे ये नहीं मिली।

टी20 सीरीज से बाहर हुईं ब्रंट, माइया शामिल

इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान नैट सिवर ब्रंट चोटिल होने के कारण भारतीय टीम के खिलाफ बचे हुए दो मैचों से बाहर हो गई है। ब्रंट चोट के चलते पांच मैचों की सीरीज से बचे हुए मैचों से बाहर हो गई हैं। उनकी जगह हैम्पशर की प्रतिभाशाली बल्लेबाज माइया बाउचर को टीम में शामिल किया गया है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा है कि ब्रंट की कमर में चोट के कारण वह सीरीज से बाहर हो गई हैं। हालांकि उसे ब्रंट के एकदिवसीय सीरीज तक फिट होने की उम्मीद है। इस सीरीज में भारतीय टीम 2-1 से आगे है। वहीं अब ब्रंट के बाहर होने से मेजबानों की मुश्किलें और बढ़ गयी हैं। ब्रंट ने पहले दो टी20 मैचों में कप्तानी की थी पर जिसमें टीम को हारना पड़ा था। तीसरे मैच में वह नहीं खेल पायीं थी हालांकि इसमें इंग्लैंड को जीत मिली थी। तीसरे मैच में टैमी ब्यूमोंट ने टीम की कप्तानी की थी और वही बचे हुए मैचों में भी कप्तानी की जिम्मेदारी संभालेंगी।

हिंदुस्तान कॉपर मध्यप्रदेश में 400 करोड़ के निवेश से कन्सन्ट्रेटर संयंत्र लगाएगी

मलांजखंड (ईएमएस)। हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) अगले दो-तीन वर्षों में मध्य प्रदेश के मलांजखंड में 30 लाख टन वार्षिक क्षमता वाला नया कन्सन्ट्रेटर संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है। इस परियोजना पर कंपनी लगभग 400 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। यह कदम कंपनी की अयस्क उत्पादन क्षमता को तिगुना करने की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। कंपनी के चेयरमैनने बताया कि सरकारी परामर्श कंपनी मेकॉन इस संयंत्र के लिए तकनीकी डिजाइन और निविदा दस्तावेज तैयार कर रही है। निर्माण कार्य की शुरुआत 2026 में होने की संभावना है, जिसे कंपनी अपने आंतरिक संसाधनों से वित्तपोषित करेगी। फिलहाल मलांजखंड में एचसीएल का 25 लाख टन सालाना क्षमता वाला कन्सन्ट्रेटर संयंत्र संचालित है। कन्सन्ट्रेटर संयंत्र खनिज अयस्क से अपशिष्ट को अलग कर मूल्यवान खनिजों का संकेंद्रित रूप तैयार करता है, जिसे आगे गलन या शोधन के लिए भेजा जाता है।

ट्रांसरेल लाइटिंग को पावर ग्रिड के ठेकों में 10 फीसदी हिस्सेदारी की उम्मीद

नई दिल्ली (ईएमएस)। ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन) क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ट्रांसरेल लाइटिंग को चालू वित्त वर्ष 2025-26 में सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली पारेषण कंपनी पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पीजीसीआईएल) के ठेकों में 8 से 10 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल होने की उम्मीद है। यह जानकारी कंपनी के एक अधिकारी ने दी। नारंग ने बताया कि वर्तमान में ट्रांसरेल की बाजार हिस्सेदारी लगभग 8-10 फीसदी है और कंपनी इस स्तर को बनाए रखते हुए पावर ग्रिड के बड़े निवेश योजनाओं का लाभ उठाना चाहती है। पावर ग्रिड ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 28,000 करोड़, 2026-27 के लिए 35,000 करोड़ और 2027-28 के लिए 45,000 करोड़ के पूंजीगत व्यय की घोषणा की है। 2024-25 में ट्रांसरेल ने 9,680 करोड़ के ऑर्डर हासिल किए, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 120 फीसदी की वार्षिक वृद्धि को दर्शाते हैं। अधिकारी के अनुसार कंपनी के पास वर्ष की शुरुआत से ही मजबूत ऑर्डर बुक है और उसे अगले 24-30 महीनों के लिए राजस्व की स्पष्ट दृश्यता प्राप्त है।

एलाइड इंजीनियरिंग ने आईपीओ के लिए दाखिल किए दस्तावेज

नई दिल्ली (ईएमएस)। स्मार्ट बिजली उपकरण विनिर्माता एलाइड इंजीनियरिंग वर्क्स ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी करीब 400 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी कर बाजार से पूंजी जुटाना चाहती है। इसके साथ ही एक प्रवर्तक की ओर से 75 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश भी की जाएगी। जुटाई गई राशि का उपयोग कुंडली और राय स्थित विनिर्माण इकाइयों में स्मार्ट गैस, वॉटर और बिजली मीटर के उत्पादन पर किया जाएगा, जिसमें क्रमशः 116.75 करोड़ और 99.71 करोड़ खर्च होंगे। इसके अलावा कंपनी 120 करोड़ अपनी कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं पर खर्च करेगी। एलाइड इंजीनियरिंग वर्क्स आईपीओ से पहले के दौर में 80 करोड़ तक जुटाने पर भी विचार कर रही है, जिससे नए निर्गम का आकार कम हो सकता है।

गुजरात में पीवीसी संयंत्र लगाएगा अदाणी समूह

पेट्रोरसायन क्षेत्र में रिलायंस के साथ प्रतिस्पर्धा की तैयारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। अदाणी समूह गुजरात के मुंद्रा में 10 लाख टन वार्षिक क्षमता वाला पीवीसी (पॉलीविनाइल क्लोराइड) संयंत्र लगाने जा रहा है। इस परियोजना के साथ अदाणी समूह पेट्रोरसायन क्षेत्र में कदम रखेगा, जहां फिलहाल रिलायंस इंडस्ट्रीज का दबदबा है। अनुमान है कि यह संयंत्र वित्त वर्ष 2027-28 तक चालू हो जाएगा। पीवीसी एक बहुउपयोगी प्लास्टिक पॉलिमर है, जिसका इस्तेमाल पाइप, खिड़की-फ्रेम, केबल इंसुलेशन, फ्लोरिंग और खिलौनों जैसे कई उत्पादों में होता है। भारत में पीवीसी की सालाना मांग लगभग 40 लाख टन है, जबकि घरेलू उत्पादन सिर्फ 15.9 लाख टन है। इसमें से लगभग आधी क्षमता रिलायंस इंडस्ट्रीज के पास है। सूत्रों के मुताबिक अदाणी की यह परियोजना एसिटिलीन और कैल्शियम कार्बाइड आधारित उत्पादन प्रक्रिया पर आधारित होगी। इसे पर्यावरणीय मंजूरी और सरकार की सहमति पहले ही मिल चुकी है। समूह भविष्य में इस संयंत्र की क्षमता को बढ़ाकर 20 लाख टन तक ले जाने की योजना बना रहा है। हिंडनबर्ग रिपोर्ट के चलते मार्च 2023 में रुकी यह परियोजना अब दोबारा शुरू हो चुकी है। अदाणी समूह ने 5 अरब डालर से अधिक की पूंजी जुटाई है और इस परियोजना को एसबीआई के नेतृत्व वाले बैंकिंग गठजोड़ से वित्तपोषित किया जा रहा है।

भारत सरकार के अनुरोध पर की गई नीरव मोदी के भाई की गिरफ्तारी

वाशिंगटन। अमेरिका में भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी के भाई नेहल मोदी को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह गिरफ्तारी 4 जुलाई को भारत सरकार के प्रत्यर्पण अनुरोध के आधार पर की गई। नेहल मोदी पर आरोप है कि उसने नीरव मोदी की पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले में मदद की थी। यह घोटाला भारत के सबसे बड़े बैंकिंग घोटालों में से एक है, जिसमें करीब 13,000 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की गई थी। नेहल मोदी बेल्जियम का नागरिक है और अमेरिका में रह रहा था। भारत की जांच एजेंसियों प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो ने उसके खिलाफ सबूत जुटाए थे और उसे भारत लाने के लिए अमेरिका से औपचारिक रूप से प्रत्यर्पण की मांग की थी। अमेरिकी न्याय विभाग ने पुष्टि की है कि गिरफ्तारी भारत के अनुरोध के बाद की गई है। अब अमेरिका की अदालत में नेहल मोदी के प्रत्यर्पण को लेकर कानूनी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। यदि अदालत भारत के पक्ष में फैसला देती है, तो नेहल को भारत लाया जाएगा, जहां उसे पूछताछ और मुकदमे का सामना करना पड़ेगा। उल्लेखनीय है कि नीरव मोदी पहले से ही ब्रिटेन की जेल में बंद है और उसके प्रत्यर्पण की प्रक्रिया भी अंतिम चरण में है। नेहल की गिरफ्तारी भारत की उन अंतरराष्ट्रीय कोशिशों का हिस्सा है, जिसके तहत भगोड़े आर्थिक अपराधियों को कानून के कटघरे में लाया जा रहा है।

इलेक्ट्रिक एसयूवी हैरियर ईवी की बुकिंग प्रारंभ

नई दिल्ली (ईएमएस)। स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स ने अपनी नई फ्लैगशिप इलेक्ट्रिक एसयूवी हैरियर ईवी की बुकिंग शुरू कर दी है। टाटा ने इसे ऑल व्हील ड्राइव और स्टील्थ एडिशन जैसे वेरिएंट में लॉन्च किया है। ग्राहक इसे 21,000 रुपये के टोकन अमाउंट पर बुक कर सकते हैं। इसकी शुरुआती कीमत 21.49 लाख रुपये रखी गई है। यह भारतीय बाजार में कंपनी की सबसे एडवांस और दमदार इलेक्ट्रिक एसयूवी मानी जा रही है। इसकी सबसे बड़ी खासियत इसकी 622 किमी की क्लेम्ड रेंज है। इसके अलावा इसमें डुअल मोटर ऑल-व्हील-ड्राइव सेटअप दिया गया है, जिसमें हर एक्सल पर एक इलेक्ट्रिक मोटर लगी है।

बूस्ट मोड में यह कार 0 से 100 किमी प्रति घंटा की रफ्तार सिर्फ 6.3 सेकंड में पकड़ सकती है। ऑफरोडिंग को ध्यान में रखते हुए इसमें 6 मल्टी-टेरेन मोड दिए गए हैं – नॉर्मल, मड रट्स, रॉक क्रॉल, सैंड, स्नो/ग्रास और कस्टम। हैरियर ईवी में 540-डिग्री कैमरा फंक्शन दिया गया है जो 360-डिग्री व्यू के साथ-साथ गाड़ी के नीचे का हिस्सा भी दिखाता है।इसमें शार्क फिन एंटीना में कैमरा लगाया गया है जो डिजिटल आईआरवीएम पर रियर व्यू दिखाता है और डैशकैम की तरह रिकॉर्डिंग भी करता है।

इवेंट में हैरियर ईवी को पहाड़ी चढ़ाई, कीचड़ और पानी से भरे रास्तों से निकाला गया। इसे 1.5 टन के कंटेनर का भार भी सहन करते दिखाया गया। भारत एनकैप क्रैश टेस्ट में इसे 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग भी मिली है। इस तरह टाटा हैरियर ईवी ने भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक एसयूवी सेगमेंट में नई स्टैंडर्ड सेट कर दी है। यह ट्रांसपेरेंट मोड में खासतौर पर ऑफरोडिंग और बड़े गड्ढों में बेहद काम आता है। टाटा ने इसमें 14.5 इंच का नया नियो क्यूलेड डिस्प्ले दिया है, जो अब तक की सबसे बड़ी स्क्रीन है।

टाटा मोटर्स को मिल रही महिंद्रा और एमजी से कडी चुनौती

नई दिल्ली (ईएमएस)। इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) बाजार में टाटा मोटर्स को अब महिंद्रा और एमजी मोटर जैसी कंपनियों से कड़ी चुनौती मिल रही है। बीते महीने जून के आंकड़े देखे तो साफ है कि ईवी बाजार में मुकाबला बेहद तीव्र हो चुका है और टाटा की पकड़ अब पहले जैसी मजबूत नहीं रही।

जून 2025 में कुल 13,033 इलेक्ट्रिक कारें रजिस्टर हुईं, जो पिछले साल के मुकाबले 78 प्रतिशत ज्यादा हैं। यह भले ही कुल पैसेंजर व्हीकल्स का सिर्फ 4प्रतिशत हो, लेकिन यह बाजार में ईवी की बढ़ती स्वीकार्यता का संकेत है। सबसे बड़ा उलटफेर यह रहा कि महिंद्रा और एमजी मोटर ने संयुक्त रूप से 53प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हथिया ली, जो पहले टाटा के पास थी। टाटा मोटर्स ने अब भी सबसे ज्यादा ईवी बेचे, लेकिन जून 2024 में 62.7प्रतिशत हिस्सेदारी के मुकाबले जून 2025 में यह घटकर 35.8प्रतिशत रह गई। टाटा की बिक्री जून 2025 में 4,664 यूनिट्स रही, जिसमें सिर्फ 2प्रतिशत सालाना वृद्धि दर्ज हुई। पंच ईवी और क्रूव ईवी जैसे मॉडल्स के बावजूद, टाटा को अपनी रणनीति और इनोवेशन पर दोबारा फोकस करना होगा। वहीं एमजी मोटर ने आक्रामक रफ्तार दिखाई और जून 2025 में 3,945 यूनिट्स बेच डालीं, जो 167प्रतिशत की जबरदस्त सालाना वृद्धि है। कंपनी की बाजार हिस्सेदारी 30.3प्रतिशत पहुंच गई। एमजी की नई विंडसर इलेक्ट्रिक एसयूवी को शहरी ग्राहकों ने खूब पसंद किया, जिससे कंपनी टाटा के बेहद करीब पहुंच गई। दूसरी ओर, एसयूवी बाजार की महारथी महिंद्रा ने ईवी सेगमेंट में भी शानदार एंट्री की। जून 2025 में महिंद्रा ने 2,979 यूनिट्स बेचीं और 512प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की।

इसकी बाजार हिस्सेदारी अब 22.9प्रतिशत है। बीई 6 और एक्सईवी 9ई जैसे मॉडलों ने ग्राहकों को खूब लुभाया है। अन्य कंपनियां भी पीछे नहीं रहीं। हुंडई ने 509 यूनिट्स बेचकर 708प्रतिशत की बढ़त हासिल की। किआ ने 41 यूनिट्स के साथ 156प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। बीवायडी ने 461 यूनिट्स के साथ 90प्रतिशत ग्रोथ पाई। हालांकि सिट्रोन को तगड़ा झटका लगा और उसकी बिक्री 80 यूनिट्स तक सिमट गई, जो -66 प्रतिशत की गिरावट है। लक्जरी ईवी बाजार में बीएमडब्ल्यू ने 212 यूनिट्स के साथ 272प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की और सबसे आगे रहा।

इस सप्ताह अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता पर निर्भर करेगी शेयर बाजार की दिशा

मुंबई (ईएमएस)। इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की दिशा अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता के नतीजों पर निर्भर करेगी। ब्रेंट कच्चे तेल के दाम और रुपये की डॉलर के मुकाबले चाल भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए जवाबी शुल्क के निलंबन की 90 दिन की अवधि 9 जुलाई को समाप्त हो रही है। यदि इस वार्ता में सकारात्मक परिणाम आते हैं, तो बाजार की धारणा में मजबूती आ सकती है, जबकि नतीजे नकारात्मक रहे तो बाजार में कमजोरी देखने को मिल सकती है। अमेरिका ने भारत सहित कई देशों पर 26 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाया था, जिसे 90 दिन के लिए रोक दिया गया था। बाजार के जानकारों ने कहा कि यह सप्ताह वैश्विक बाजारों के लिए भी महत्वपूर्ण होगा क्योंकि जवाबी शुल्क निलंबन की अवधि समाप्त होने से वैश्विक व्यापार की दिशा तय होगी। इसके साथ ही निवेशक अमेरिकी फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक के ब्योरे पर भी नजर बनाए रखेंगे। घरेलू स्तर पर आईटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और खुदरा क्षेत्र की एवेन्यू सुपरमार्ट्स के तिमाही नतीजों पर निवेशकों की खास नजर होगी। इसके अलावा अन्य कंपनियों के भी वित्त वर्ष की पहली तिमाही के नतीजे जारी होंगे, जो बाजार की दिशा निर्धारित करने में मदद करेंगे।

एलआईसी ने शुरू की दो नई योजनाएं: 'नव जीवन श्री' और 'नव जीवन श्री सिंगल प्रीमियम'

मुंबई, (ईएमएस)। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने आज दो नई बीमा योजनाएं लॉन्च की हैं – एलआईसी की नव जीवन श्री (योजना संख्या 912) और एलआईसी की नव जीवन श्री सिंगल प्रीमियम (योजना संख्या 911)। इन योजनाओं की शुरुआत एलआईसी के सीईओ और एमडी (प्रभारी) श्री सतपाल भानु ने की। दोनों योजनाएं बचत और सुरक्षा का एक सशक्त संयोजन प्रस्तुत करती हैं और विभिन्न जीवन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए पर्याप्त कोष निर्माण का अवसर देती हैं। एलआईसी को उम्मीद है कि ये योजनाएं आम नागरिकों की दीर्घकालिक बचत, सुरक्षा और निवेश के लक्ष्यों को पूरा करने में मददगार साबित होंगी।

- नव जीवन श्री (योजना 912) की मुख्य विशेषताएं:
यह सीमित प्रीमियम एंडोमेंट योजना है।
योजना युवाओं और जिम्मेदारियों से जुड़े लोगों के लिए डिजाइन की गई है।
प्रवेश आयु: न्यूनतम 30 दिन से अधिकतम 60 वर्ष (पीपीटी 6, 8, 10 वर्ष के लिए), 59 वर्ष (पीपीटी 12 वर्ष के लिए)
पॉलिसी अवधि: न्यूनतम 10 वर्ष से अधिकतम 20 वर्ष
प्रीमियम भुगतान अवधि : 6, 8, 10, और 12 वर्ष
गारंटीड एडिशन: 8.50% से 9.50% तक
न्यूनतम बीमा राशि: 5,00,000
अधिकतम बीमा राशि की कोई सीमा नहीं (एलआईसी अंडरराइटिंग अनुमोदन के अधीन)

- नव जीवन श्री सिंगल प्रीमियम (योजना 911) की विशेषताएं:
यह एक सिंगल प्रीमियम एंडोमेंट योजना है।
जीवन बीमा और कोष निर्माण दोनों का लाभ।
प्रवेश आयु: न्यूनतम 30 दिन से अधिकतम 60 वर्ष (विकल्प-I), 40 वर्ष (विकल्प-II)
परिपक्वता आयु: न्यूनतम 18 वर्ष से अधिकतम 75 वर्ष (विकल्प-I), 60 वर्ष (विकल्प-II)
पॉलिसी अवधि: न्यूनतम 5 वर्ष से अधिकतम 20 वर्ष
गारंटीड एडिशन: 85 प्रति 1000 बीमा राशि प्रति वर्ष
न्यूनतम बीमा राशि: 1,00,000अधिकतम बीमा राशि की कोई सीमा नहीं (अंडरराइटिंग पर निर्भर)

-इन योजनाओं का उद्देश्य:
एलआईसी का कहना है कि वर्तमान आर्थिक परिवेश में जब ब्याज दरें अस्थिर हैं, ऐसे समय में ये दोनों योजनाएं निवेशकों को निश्चित लाभ और बीमा सुरक्षा देने के लिए उपयुक्त विकल्प हैं। जहाँ नव जीवन श्री योजना नियमित प्रीमियम के साथ धीरे-धीरे कोष निर्माण करती है, वहीं सिंगल प्रीमियम योजना एकमुश्त भुगतान करने वाले ग्राहकों के लिए आकर्षक विकल्प बनकर सामने आती है। अधिक जानकारी के लिए एलआईसी की वेबसाइट: www.licindia.in और ईमेल: ed_cc@licindia.com पर संपर्क कर सकते है।

खाद्य तेल बाजार में हलचल: सरसों-सोया-मूंगफली के दाम बढ़े, पाम तेल स्थिर

नई दिल्ली (ईएमएस)। बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन बाजार में सरसों, सोयाबीन, मूंगफली और बिनौला तेल के भाव में तेजी देखी गई, जबकि कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल के दाम पूर्ववत बने रहे। वैश्विक बाजार में खाने के तेलों की कीमतों में तेजी का असर भारत में सीमित रहा। बाजार सूत्रों के अनुसार सरसों की आवक कमजोर बनी हुई है, जबकि कच्ची घानी तेल मिलों की मांग तेज होती जा रही है। आगामी सरसों फसल आने में अभी समय है और मौजूदा स्टॉक सरकार व किसानों के पास है। सरकार द्वारा पूर्व में खरीदी गई फसल की बिक्री के लिए निविदा मंगाने से बाजार पर हल्का दबाव जरूर आया, फिर भी सरसों के दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य से 6–7 फीसदी ऊपर बने हुए हैं। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 100 बढ़कर 6,925–6,975 प्रति क्विंटल पर बंद हुआ, जबकि दादरी सरसों तेल 175 की तेजी के साथ 14,875 रुपए प्रति क्विंटल पहुंचा। विदेशी बाजार में सोयाबीन की कीमत 1,130–1,135 डॉलर प्रति टन से बढ़कर 1,155–1,160 डॉलर हो गई, जिससे घरेलू बाजार में भी थोड़ी तेजी आई। हालांकि, सोयाबीन का हाजिर भाव न्यूनतम समर्थन मूल्य से करीब 15 फीसदी नीचे है, जिससे मंडियों में आवक कम हो रही है।

आयातकों को भी लागत से नीचे भाव पर सोया डीगम तेल बेचना पड़ रहा है। सोयाबीन दाना 25 रुपए बढ़कर 4,375–4,425 और डीगम तेल 100 रुपए बढ़कर 9,700 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली का हाल भी कुछ ऐसा ही रहा। कमजोर थोक दाम और न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे चलने के कारण किसान बिक्री से कतरा रहे हैं। हालांकि मांग में हल्की तेजी से मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में भी सुधार हुआ। मूंगफली तेल गुजरात 150 रुपए बढ़कर 13,700 और मूंगफली रिफाइंड 35 रुपए बढ़कर 2,230–2,530 रुपए प्रति टिन पर बंद हुआ। पाम और पामोलीन तेल की कीमतें समीक्षाधीन सप्ताह में स्थिर रहीं। पामतेल की मांग इसलिए प्रभावित रही क्योंकि इसकी कीमत सोयाबीन जैसे नरम तेलों के बराबर है। सीपीओ 10,650, पामोलीन दिल्ली 12,400 और एक्स कांडला 11,350 रुपए प्रति क्विंटल पर टिका रहा।

सेंसेक्स की छह कंपनियों के मार्केट कैप में 70,325 करोड़ की गिरावट

- एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को सबसे अधिक नुकसान हुआ

मुंबई (ईएमएस)। पिछले सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल 70,325.5 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई। शेयर बाजार में कमजोरी के कारण एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ा।

टॉप 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), इन्फोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। वहीं एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और बजाज फाइनेंस के बाजार मूल्य में गिरावट आई। एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्य 19,284.8 करोड़ रुपये घटकर 15,25,339.72 करोड़ रुपये रह गया। आईसीआईसीआई बैंक के बाजार मूल्य में 13,566.92 करोड़ रुपये की कमी आई, जो अब 10,29,470.57 करोड़ रुपये पर है। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 13,236.44 करोड़ रुपये घटकर 5,74,977.11 करोड़ रुपये और एलआईसी का 10,246.49 करोड़ रुपये घटकर 5,95,277.16 करोड़ रुपये हो गया। टीसीएस का बाजार मूल्य 8,032.15 करोड़ रुपये घटकर 12,37,729.65 करोड़ रुपये पर पहुंचा। भारती एयरटेल का मूल्यांकन भी 5,958.7 करोड़ रुपये घटकर 11,50,371.24 करोड़ रुपये रह गया। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्य 15,359.36 करोड़ रुपये बढ़कर 20,66,949.87 करोड़ रुपये हो गया। इन्फोसिस का मूल्यांकन 13,127.51 करोड़ रुपये बढ़कर 6,81,383.80 करोड़ रुपये पहुंचा। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 7,906.37 करोड़ रुपये बढ़कर 5,49,757.36 करोड़ रुपये रहा।

भारतीय स्टेट बैंक का मूल्यांकन 5,756.38 करोड़ रुपये बढ़कर 7,24,545.28 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष स्थान पर बरकरार रही, उसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, एलआईसी, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर की स्थिति बनी रही।

सुजलॉन एनर्जी को पुनर्गठन योजना पर राहत, मिली मंजूरी

सोमवार को स्टॉक में दिख सकता है एक्शन

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड को अपनी पुनर्गठन योजना के तहत एक बड़ी राहत मिली है। कंपनी ने हाल ही में शेयर बाजारों को सूचित किया कि उसे नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) से कोई आपत्ति न होने का पत्र प्राप्त हुआ है। यह स्वीकृति कंपनी द्वारा मई 2023 में प्रस्तावित और अगस्त 2024 में शेयरधारकों तथा कर्जदाताओं से अनुमोदित पुनर्गठन योजना से जुड़ी है। इस योजना के तहत सुझलॉन एनर्जी अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी सुझलॉन ग्लोबल सर्विसेज लिमिटेड का विलय अपने आप में करने जा रही है। इस विलय का उद्देश्य कंपनी के कॉर्पोरेट ढांचे को सरल और अधिक प्रभावी बनाना है। कंपनी का कहना है कि इससे संचालन अधिक दक्ष और लागत प्रभावी होगा। स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा जारी ऑब्जर्वेशन लेटर में कंपनी को निर्देश दिए गए हैं कि वह स्कीम ऑफ अरेंजमेंट को सेबी के सभी नियमों के अनुरूप सुनिश्चित करे। साथ ही कंपनी को किसी भी लंबित अदालती, वसूली या अभियोजन मामलों की पूरी जानकारी का खुलासा करना होगा। लेटर में यह भी कहा गया है कि ड्राफ्ट स्कीम में कोई बदलाव नियामकीय मंजूरी के बिना नहीं किया जा सकता। अब यह योजना राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण की अंतिम मंजूरी के लिए प्रस्तुत की जाएगी।

इस खबर के बाद शुक्रवार को कंपनी के शेयर 0.6 फीसदी बढ़कर 65.65 पर बंद हुए। निवेशकों को उम्मीद है कि यह पुनर्गठन कंपनी की दीर्घकालिक विकास रणनीति को मजबूती देगा।

ट्रंप के टैक्स पर भड़के मस्क ने बनाई राजनीतिक पार्टी, नाम दिया अमेरिका पार्टी

वॉशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के साथ बढ़ते विवाद के बीच टेस्ला के सीईओ और अरबपति कारोबारी ईलॉन मस्क ने अमेरिका में एक नई राजनीतिक पार्टी लॉन्च कर दी है। इस पार्टी का नाम है- अमेरिका पार्टी। पार्टी का फोकस राजकोषीय घाटा कम करने, रेगुलेशन घटाने और फ्री ट्रेड को बढ़ावा देने के अलावा हाई-स्किल्ड इमिग्रेशन को समर्थन देने पर होगा। मस्क का यह कदम उस दिन के ठीक बाद आया है जब ट्रंप ने व्हाइट हाउस के बाहर बहु-खरब डॉलर के टैक्स कट और खर्च संबंधी बिल पर हस्ताक्षर किए। मस्क ने इस बिल की आलोचना करते हुए इसे 'आर्थिक रूप से गैर-जिम्मेदाराना' बताया था और कहा था कि यह सरकार के आकार को छोटा करने की साझा सोच के साथ धोखा है।मस्क का कहना है कि इस पार्टी का मकसद अमेरिका की मौजूदा राजनीति में बदलाव लाना है। उनका प्लान है कि पार्टी शुरूआत में सिर्फ 2-3 सीनेट सीटों और 8-10 हाउस सीटों पर फोकस करे, ताकि मामूली बहुमत वाले इन क्षेत्रों में पार्टी की भूमिका निर्णायक बन सके। मस्क ने एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखा, अगर हम सिर्फ 2-3 सीनेट सीटों और 8-10 हाउस जिलों पर ध्यान केंद्रित करें, तो इतने कम अंतर वाले नतीजों में हम निर्णायक वोट बन सकते हैं। इससे कानून जनता की असली इच्छा के अनुसार बनाए जा सकेंगे।मस्क ने इस नई पार्टी की घोषणा अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की। उन्होंने बताया कि एक ऑनलाइन पोल में 65.4 प्रतिशत लोगों ने अमेरिका पार्टी शुरू करने के पक्ष में वोट दिया, जिसके बाद उन्होंने यह फैसला लिया। रविवार को मस्क ने अमेरिका पार्टी की घोषणा करते हुए कहा कि यह पार्टी अमेरिका की मौजूदा भ्रष्ट एक-दलीय व्यवस्था" के खिलाफ एक विकल्प होगी। उन्होंने रिपब्लिकन और डेमोक्रेट— दोनों दलों पर सरकारी खर्च और भ्रष्टाचार के ज़रिये राष्ट्रीय कर्ज बढ़ाने का आरोप लगाया। मस्क ने एक्स पर लिखा, 2-1 के अंतर से आपने एक नई पार्टी चाही, और अब आपको वह मिलेगी। आज अमेरिका पार्टी बनी है ताकि आपको फिर से अपनी आज़ादी मिल सके। यह पार्टी खुद को रिपब्लिकन और डेमोक्रेट पार्टियों के बीच एक 'सेंटरिस्ट' यानी मध्यमार्गी विकल्प के रूप में पेश कर रही है। विश्लेषकों के मुताबिक, पार्टी का झुकाव 'नियो-लिबरल' और आर्थिक रूप से कंजर्वेटिव विचारधारा की ओर है। मस्क का यह भी कहना है कि यह पार्टी उन 80 प्रतिशत अमेरिकियों की आवाज बनेगी जो खुद को राजनीति के केंद्र में मानते हैं और रिपब्लिकन-डेमोक्रेट की खींचतान से परेशान हैं।फिलहाल अमेरिका पार्टी की सिर्फ घोषणा हुई है। पार्टी को कानूनी रूप से रजिस्टर करना और अलग-अलग राज्यों में बैलेट एक्सेस हासिल करना अभी बाकी है। आने वाले महीनों में साफ होगा कि यह एक स्थायी राजनीतिक बदलाव होगा या फिर एक अस्थायी प्रयोग। व्हाइट हाउस या डोनाल्ड ट्रंप की ओर से इस पर अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। ट्रंप और उनके बड़े चुनावी फंडिंग समर्थक ईलॉन मस्क के बीच का तनाव अब सार्वजनिक टकराव में बदल गया है। कभी राजनीतिक हितों को लेकर एक जैसे नजर आने वाले ट्रंप और मस्क के बीच अब तीखी बयानबाज़ी हो रही है।मस्क ने ट्रंप के बड़े टैक्स और खर्च वाले बिल की कड़ी आलोचना करते हुए उसे फिस्कली गैर-जिम्मेदाराना' और कंजरवेटिव मूल्यों के खिलाफ बताया। मस्क के इस रुख से नाराज़ ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से उन्हें धमकियां दीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रंप ने सरकारी कॉन्ट्रैक्ट रद्द करने से लेकर मस्क को देश से बाहर निकालने तक की बात कह दी, जबकि मस्क अमेरिका की इंडस्ट्री में लंबे समय से अहम भूमिका निभाते रहे हैं।

लाइन पर आए बिलावल बोले, हम हाफिज सईद और मसूद अजहर को भी सौंप देंगे

इस्लामाबाद(ईएमएस)। ऑपरेशन सिंदूर और सिंधु जल संधि को रद्द करने के बाद पाकिस्तान की अक्ल ठिकाने आती नजर आ रही है। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष और देश के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा कि पाकिस्तान उन लोगों को सौंपने के लिए तैयार है, जिसे लेकर भारत हमेशा शिकायत करता रहता है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान को विश्वास बहाली के उपाय के तौर पर भारत को 'चिंता के विषय' वाले व्यक्तियों को प्रत्यर्पित करने पर कोई आपत्ति नहीं है, बशर्ते कि नई दिल्ली इस प्रक्रिया में सहयोग करने की इच्छा दिखाए।राष्ट्रीय आतंकवाद निरोधक प्राधिकरण (नैक्टा) के अनुसार, लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद दोनों को पाकिस्तान ने प्रतिबंधित कर रखा है, जबकि 26/11 मुंबई आतंकी हमले का मुख्य षड्यंत्रकारी हाफिज सईद वर्तमान में आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए 33 साल की सजा काट रहा है। इसी तरह संयुक्त राष्ट्र द्वारा वैश्विक आतंकवादी घोषित अजहर को भी नैक्टा ने प्रतिबंधित कर रखा है। बिलावल ने कहा कि इन 'व्यक्तियों' के खिलाफ मुकदमे वाले मामले पाकिस्तान से संबंधित थे, जैसे कि आतंकवादी गतिविधियों का वित्तपोषण। हालांकि, उन्होंने कहा कि सीमा पार आतंकवाद के लिए उन पर मुकदमा चलाना मुश्किल था क्योंकि दिल्ली की ओर से बुनियादी चीजों का 'अनुपालन' नहीं किया गया। एक स्पेशल इंटरव्यू के दौरान बिलावल भुट्टो लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) प्रमुख हाफिज सईद और जैश-ए-मुहम्मद (जेईएम) प्रमुख मसूद अजहर को भारत को संभावित रियायतें और सद्भावना के संकेत के रूप में प्रत्यर्पित करने के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे। बिलावल ने कहा, पाकिस्तान के साथ एक व्यापक वार्ता के हिस्से के रूप में, जहां आतंकवाद उन मुद्दों में से एक है जिन पर हम चर्चा करते हैं, मुझे यकीन है कि पाकिस्तान इनमें से किसी भी चीज का विरोध नहीं करेगा।उन्होंने कहा, भारत कुछ बुनियादी चीजों का पालन करने से इनकार कर रहा है जिसकी दोषसिद्धि के लिए आवश्यकता होती है। यह महत्वपूर्ण है। इन अदालतों में सबूत पेश करना, लोगों को भारत से गवाही देने के लिए आना, जो भी जवाबी आरोप लगेंगे उन्हें सहन करना। बिलावल ने कहा, अगर भारत इस प्रक्रिया में सहयोग करने को तैयार है, तो मुझे यकीन है कि किसी भी 'जांच के दायरे में आए व्यक्ति 'को प्रत्यर्पित करने में कोई बाधा नहीं आएगी। उन्होंने आतंकवादियों को पकड़ने के भारत के संकल्प पर भी चिंता व्यक्त की और इसे 'नई असामान्यता' करार दिया। उन्होंने कहा, यह पाकिस्तान के हितों की पूर्ति नहीं करता है, और यह भारत के हितों की भी पूर्ति नहीं करता है। सईद और अजहर के ठिकानों के बारे में पूछे जाने पर बिलावल ने कहा कि सईद जेल में है, जबकि इस्लामाबाद का मानना है कि अजहर अफगानिस्तान में है।

संक्षिप्त ख़बरें

अब अबू धाबी में चलेंगी चालक रहित एयर टैक्सी, यह पूरी तरह इलेक्ट्रिक

अबू धाबी,(ईएमएस)। अमेरिकी कंपनी आर्चर एविएशन ने अबू धाबी के अल बतीन एक्जीक्यूटिव एयरपोर्ट पर चालक रहित एयर टैक्सी का परीक्षण किया है। यह उड़ान परीक्षण 2026 की शुरुआत में यूएई में व्यावसायिक सेवाओं की शुरुआत के लिए किया गया, जिसमें गर्मी, आर्द्रता और धूल जैसी चरम मौसम स्थितियों में इसके प्रदर्शन का आकलन किया गया।यह एयर टैक्सी पूरी तरह ऑटोनॉमस है, यानी इसे उड़ाने के लिए पायलट की जरूरत नहीं। इसमें इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेकऑफ और लैंडिंग तकनीक का इस्तेमाल होता है, जिससे यह हेलिकॉप्टर की तरह उड़ सकती है और सीधी लैंडिंग कर सकती है। यह शून्य उत्सर्जन वाला और शहरी परिवहन के लिए एकदम उपयुक्त साधन है। यह टेक्नोलॉजी विशेष रूप से भीड़भाड़ वाले शहरी क्षेत्रों में तेज और सुरक्षित ट्रांसपोर्ट का विकल्प बनेगी। यह टैक्सी पूरी तरह इलेक्ट्रिक है, जिससे यह पारंपरिक वाहनों की तुलना में काफी कम कार्बन उत्सर्जन करती है।वर्तमान ट्रैफिक के मुकाबले यह 3-4 गुना तेजी से यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचा सकती है। एयर टैक्सी का इस्तेमाल एम्बुलेंस, आपदा राहत और तेज डिलीवरी सेवाओं में भी किया जा सकेगा। यह सेवा फिलहाल अल मरियाह और अल रीम द्वीपों तक सीमित है, लेकिन जल्द ही शहर भर में शुरु की जाएगी। अबू धाबी और यूएई अब केवल तेल या रेत का देश नहीं, बल्कि भविष्य की स्मार्ट और टिकाऊ परिवहन प्रणाली का मॉडल बन रहा है।आर्चर एविएशन और वेराइड जैसी कंपनियों की पहल इस बात का संकेत है कि 2030 तक शहरों की सड़कों और आसमानों पर चालक रहित वाहन चलेंगे। अबू धाबी में एयर टैक्सी का परीक्षण न केवल तकनीकी क्रांति की दिशा में एक साहसिक कदम है, बल्कि यह भविष्य में दुनियाभर के लिए शहरी गतिशीलता का नया मॉडल बनेगा।

ट्रंप की सुरक्षा में चूक, गोल्फ क्लब पर मंडराया विमान, एफ-16 ने खदेड़ा

अमरिकी राष्ट्रपति इन दिनों न्यू जर्सी में बिता रहे हैं छुट्टियां

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा में चूक हुई है। मीडिया रिपोर्ट में अमेरिकी वायु रक्षा एजेंसी ने शनिवार को एक नागरिक विमान को एफ-16 फाइटर जेट की मदद से इंटरसेप्ट किया। यह विमान ट्रंप के बेडमिंस्टर स्थित गोल्फ क्लब के ऊपर से उड़ान भर रहा था, जो कि उस समय अस्थायी नो-फ्लाई जोन घोषित किया गया था।रिपोर्ट के मुताबिक यह दिन भर में पांचवीं ऐसी घुसपैठ थी। इंटरसेप्ट के दौरान एफ-16 ने हेडबट रणनीति अपनाई, जिसमें लड़ाकू विमान नागरिक विमान के आगे उड़ता है ताकि उसकी ओर ध्यान आकर्षित हो सके। इसके बाद विमान को सुरक्षित रूप से वर्जित हवाई क्षेत्र से बाहर निकाल दिया। बता दें कि राष्ट्रपति ट्रंप इन दिनों न्यू जर्सी में छुट्टियां बिता रहे हैं। उनकी मौजूदगी के चलते यह हवाई क्षेत्र अस्थायी रूप से प्रतिबंधित है। हालांकि अधिकारियों ने बताया कि इस घटना से ट्रंप की सुरक्षा या कार्यक्रम पर कोई असर नहीं पड़ा।बता दें इससे पहले मार्च महीने में भी फ्लोरिडा में उनके निवास मार-ए-लागो के ऊपर नो-फ्लाई जोन का उल्लंघन हुआ था। तब भी एफ-16 विमानों को भेजा गया था और फ्लेयर छोड़कर नागरिक विमान को चेतावनी दी गई थी। अमेरीकी वायु रक्षा एजेंसी ने बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई है और सभी पायलटों से आग्रह किया है कि वे उड़ान भरने से पहले नोटिस टू एयरमेन और टेम्पररी फ्लाइट रेस्ट्रिक्शन की जानकारी जरुर लें। कमांडर जनरल ने कहा की टीएफआर नियमों का पालन जरुरी है ताकि विमानन सुरक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रपति की सुरक्षा तय की जा सके।बता दें जनवरी 2025 से अब तक ऐसी कई घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें नागरिक विमानों ने जानबूझकर या अनजाने में नो-फ्लाई जोन का उल्लंघन किया है। अधिकतर मामलों में पायलटों को उचित जानकारी न होने के कारण ये घटनाएं होती हैं। अमेरिका में गर्मी छुट्टी और स्वतंत्रता दिवस के कारण हाल के हफ्तों में निजी विमानों की आवाजाही बढ़ गई है, जिससे इन क्षेत्रों में सतर्कता और भी जरूरी है।

रुस के बाद अब चीन भी तालिबान सरकार के साथ, ट्रंप को दिया जोरदार झटका

बीजिंग,(ईएमएस)। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को रूस ने मान्यता दी है इसके बाद अब चीन भी उस पर मेहरबान है, जो कि ट्रंप के लिए एक झटका है। अमेरिका ने तालिबान को लेकर कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई है। ऐसे में चीन और रूस ने अपनी चाल से ट्रंप को मात दे दी है। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने कहा कि चीन अफगान जनता के लिए दोस्ताना कूटनीति जारी रखेगा और कई क्षेत्रों में चीन और अफगानिस्तान के आदान-प्रदान व सहयोग का समर्थन करता है।बता दें रूस ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को औपचारिक मान्यता देने पर संबंधित सवाल के जवाब में चीनी प्रवक्ता ने कहा कि चीन रूस और अफगान अंतरिम सरकार के संबंधों के नए विकास का स्वागत करता है। अफगानिस्तान के परंपरागत मैत्रीपूर्ण पड़ोसी के नाते शुरू से ही चीन का विचार है कि अफगानिस्तान को अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के बाहर नहीं रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि चीन अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा अफगान अंतरिम सरकार के साथ संवाद की मजबूती करने का समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि चीन, अफगानिस्तान का पुनर्निर्माण व विकास पूरा करने में सहायता करता है, अफगानिस्तान द्वारा हिंसक आतंकवादी शक्ति पर प्रहार करने और क्षेत्रीय शांति, स्थिरता व समृद्धि के लिए सकारात्मक योगदान देने का समर्थन करता है।तालिबान को प्रतिबंधित संगठनों की अपनी सूची से हटाने के बाद रूस ने अफगानिस्तान में तालिबान शासन को औपचारिक तौर पर मान्यता दे दी और ऐसा करने वाला वह दुनिया का पहला देश बन गया है। रूस के विदेश मंत्रालय ने घोषणा की कि उसे अफगानिस्तान के नवनियुक्त राजदूत गुल हसन से पहचान संबंधी आधिकारिक दस्तावेज प्राप्त हुए हैं। मंत्रालय ने बयान में कहा कि अफगान सरकार को आधिकारिक मान्यता देने से 'हमारे देशों के बीच सार्थक द्विपक्षीय सहयोग' को बढ़ावा मिलेगा।अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इसे एक ऐतिहासिक कदम बताया और इस फैसले का स्वागत करते हुए तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी के हवाले से कहा कि यह अन्य देशों के लिए एक अच्छा उदाहरण' है। तालिबान ने 2021 में अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा जमा लिया था।

पलटवार: यूक्रेन ने रूस के सुपर फाइटर बेस पर किया सीधा हमला

मास्को,(ईएमएस)। रूस ने शुक्रवार को रातभर यूक्रेन पर सैकड़ों ड्रोन दागे। इसके बाद यूक्रेन ने शनिवार को रूस के एक प्रमुख एयरबेस पर हमला करने का दावा किया। यूक्रेन के सैन्य जनरल स्टाफ ने शनिवार को कहा कि यूक्रेनी सेना ने रूस के वोरोनिश क्षेत्र में स्थित बोरिसोग्लबस्क एयरबेस पर हमला किया है, जिसे रूस के एसयू-34, एसयू35एस और एसयू-30एसएम लड़ाकू विमानों का प्रमुख अड्डा माना जाता है। जनरल स्टाफ ने सोशल मीडिया मंच 'फेसबुक पर कहा कि सेना ने एक एयरबेस को निशाना बनाया, जहां स्थित डिपो में ग्लाइड बम, एक प्रशिक्षण विमान और संभवतः अन्य विमान भी थे।इस बीच, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बात की। जेलेंस्की के बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने यूक्रेन की हवाई सुरक्षा को मजबूत करने, संभावित संयुक्त हथियार निर्माण और युद्ध समाप्ति के प्रयासों पर चर्चा की। शुक्रवार रात जेलेंस्की से हुई फोन पर बातचीत के बारे में पत्रकारों द्वारा पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, ''मुझे लगता है कि हमारी बातचीत बहुत अच्छी रही। जब उनसे युद्ध समाप्ति के बारे में पूछा गया तो ट्रंप ने कहा, मुझे नहीं पता। मैं आपको यह नहीं बता सकता कि ऐसा होने वाला है या नहीं। रूसी अधिकारियों ने हमले पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। यूक्रेनी वायुसेना के मुताबिक, शुक्रवार रात से शनिवार सुबह तक रूस ने यूक्रेन पर 322 ड्रोन छोड़े। इनमें से ज्यादातर ड्रोन को यूक्रेन की रक्षा प्रणाली ने रोक दिया। यूक्रेनी वायुसेना के अनुसार, इस हमले का मुख्य लक्ष्य यूक्रेन का पश्चिमी क्षेत्र खमेलनित्स्की था, जहां कोई नुकसान या किसी के हताहत होने की खबर नहीं मिली है। रूस ने शुक्रवार की रात को यूक्रेन की राजधानी कीव पर ड्रोन और मिसाइलों से अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला किया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और कम से कम 26 अन्य घायल हो गए। अमेरिका ने यूक्रेन को दी जाने वाली कुछ सैन्य सहायता अस्थायी रूप से रोक दी है, जिसमें महत्वपूर्ण हवाई रक्षा मिसाइलें भी शामिल हैं। यूक्रेन के यूरोपीय समर्थक देश इस बात पर विचार कर रहे हैं कि वे इस कमी को कैसे पूरा कर सकते हैं। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन अपने घरेलू हथियार उद्योग को विकसित करने की योजना बना रहा है, लेकिन इसमें समय लगेगा। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने शुक्रवार रात तक 94 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए, साथ ही शनिवार सुबह 12 और ड्रोन मार गिराए।

बीते छह महीने पाक के लिए किसी बुरे सपने से कम नहीं

इस्लामाबाद (ईएमएस)। साल 2025 के पहले छह महीने पाकिस्तान के लिए किसी बुरे सपने से कम नहीं रहे। पाक के बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने दावा किया है कि उसने इस दौरान रोजाना औसतन चार से पांच पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मियों को मार गिराया है।यह रिपोर्ट ऐसे समय सामने आई है, जब पाकिस्तान सरकार और सेना पहले से ही आर्थिक संकट और सियासी अस्थिरता से जूझ रही है। बीएलए ने एक इन्फोग्राफिक के जरिए खुलासा किया है कि जनवरी से जून 2025 के बीच उसने कुल 284 हमले किए, जिनमें 668 सुरक्षा कर्मी मारे गए। इतना ही नहीं, उसने यह भी बताया कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियों के लिए काम कर रहे 58 एजेंटों की भी हत्या की गई। ये एजेंट अलग-अलग तरीके से जासूसी कर रहे थे। रिपोर्ट में बताया गया है कि बीएलए ने इन छह महीनों में 45 सुरक्षा शिविरों और सैन्य स्टेशनों पर हमला किया। 131 सरकारी वाहन नष्ट किए। 121 बम धमाके और 3 आत्मघाती हमले किए। 125 से ज्यादा सरकारी हथियार लूट लिए।

वाइट हाउस के ऊपर से गुजरे दो बी-2 बॉम्बर? ट्रंप ने किया सैल्यूट

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल' पर व्हाइट हाउस में दस्तखत करने के बाद अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक भव्य समारोह हुआ, जिसमें बी-2 स्टील्थ बॉम्बर और एफ-22 फाइटर जेट्स की फ्लाई-पास्ट ने माहौल को युद्ध-सा बना दिया। ट्रंप ने बिल पर हस्ताक्षर करते वक्त कहा, अमेरिका आज जीत रहा है, बार-बार जीत रहा है, जैसी जीत पहले कभी नहीं देखी गई। उनके साथ कई रिपब्लिकन सांसद भी मौजूद थे, जिन्होंने इस कानून को पास कराने में अहम भूमिका निभाई।वहीं, डेमोक्रेट्स का कहना है कि इस बिल की आड़ में गरीबों के लिए चल रही कई वेलफेयर योजनाएं काट दी गई हैं। ट्रंप ने इस पर जवाब दिया, 'आपको इसका फर्क भी नहीं महसूस होगा।' हालांकि इस बिल का विरोध भी किया गया था। इस कानून से अमेरिका के लो-इनकम नागरिकों के लिए चल रहे मेडिकेड हेल्थ प्रोग्राम में अब तक की सबसे बड़ी कटौती की गई है। खाने-पीने की मदद देने वाली योजनाएं भी घटा दी गई हैं। कुछ अनुमानों के मुताबिक, 1.7 करोड़ लोग अपनी हेल्थ इंश्योरेंस खो सकते हैं, और कई ग्रामीण अस्पताल बंद होने की कगार पर पहुंच सकते हैं। इस बिल को पास कराने के लिए रिपब्लिकन पार्टी के भीतर काफी माथापच्ची करनी पड़ी। आखिरी वक्त तक हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में वोटों को जुटाने की जद्दोजहद चलती रही। आखिरकार 218-214 के अंतर से बिल पास हो गया। ट्रंप ने इस मौके पर अपने स्पीकर माइक जॉनसन को धन्यवाद देते हुए कहा, 'क्या शानदार काम किया है।' डेमोक्रेट्स को उम्मीद है कि इस बिल के विरोध में जनता का गुस्सा 2026 के मिडटर्म चुनाव में काम आएगा। उनका कहना है कि ये कानून गरीबों से पैसा लेकर अमीरों को देने जैसा है।

एक नहीं 700 जहरीले सांपों के काटने के बाद भी जिंदा है शख्स

वैज्ञानिकों ने उसका खून निकाल की रिसर्च और बना ली एंटी-वेनम

लंदन,(ईएमएस)। सांप जिसे देखकर अच्छे अच्छो की रुह कांप जाती है, उस सांप के जहर को एक शख्स आसानी से सह जाता है उसने एक ही नहीं ऐसे 700 सांपों के जहर को अपने शरीर में प्रवेश कराया है, फिर भी वह जिंदा है। यही वजह है कि उसे नागराज भी कह सकते हैं। उसकी इस अद्भुत शक्ति को देखकर वैज्ञानिक भी हैरान है और उन्होंने उस शख्स का खून निकालकर उस पर रिसर्च शुरू कर दी।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वैज्ञानिकों ने इस शख्स के खून से एंटी-वेनम यानि सांप के जहर का इलाज बनाया है, जो कई तरह के जहरीले सांपों के काटने से सुरक्षा देता है। इस खोज ने एंटी वेनम डोज के क्षेत्र में तहलका मचा दिया है। इस शख्स का 40 मिलीलीटर खून अरबों एंटीबॉडी बनाने के लिए किया गया। उन्होंने चूहों पर इसका टेस्ट किया जो कामयाब रहा।इस शख्स का नाम है टिम फ्राइड, जिसने खुद को लंबे समय तक सांप के जहर के खिलाफ मजबूत किया है। टिम ने खुद को सांप के जहर की बढ़ती खुराकें दीं ताकि अगर कभी सांप ने उसे काटे, तो वह बच जाएं। करीब 20 सालों में उसने 700 से ज्यादा बार कई खतरनाक सांपों का जहर खुद में प्रवेश करवाया है। अब वह कोबरा, ब्लैक मेंबा, टाइपान जैसे सबसे खतरनाक सांपों के काटने के बाद भी जिंदा है।वैज्ञानिकों ने टिम फ्राइड के सिर्फ 40 मिलीलीटर खून से अरबों एंटीबॉडी बना लिए हैं। उन्होंने इन एंटीबॉडीज को चुना और चूहों पर इसका टेस्ट किया। इसके नतीजे आश्चर्यजनक आए। टिम के खून से मिली दो खास एंटीबॉडी एनएनएक्स-डी09 और एनएनएक्स-बी03 को एक और केमिकल वारेस्प्लैडिब के साथ मिलाकर टेस्ट किया। इस कॉकटेल ने चूहों को 13 अलग-अलग सांपों के जहर से पूरी तरह बचाया, जिनमें कई कोबरा, टाइगर स्नेक और कॉमन टाइपन शामिल थे। वहीं बाकी के 6 सांपों के जहर से भी आंशिक सुरक्षा मिली।वैज्ञानिकों के मुताबिक दुनिया में कुल 600 से ज्यादा जहरीले सांप हैं, जिनका जहर और प्रजाति दोनों बहुत अलग-अलग हैं। ऐसे में अब तक एक ऐसा एंटी-वेनम बनाना मुश्किल था जो सभी सांपों के जहर के खिलाफ काम कर सके, लेकिन इस नए एंटी-वेनम ने यह काम कर दिखाया। रिसर्च टीम इस नए इलाज ज़हरीले सांपों के शिकार जानवरों पर टेस्ट कर रही है, ताकि इसकी विश्वसनीयता साबित हो सके।

भारत का दिखा शौर्य: ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर पीएम मोदी का ब्राजील में हुआ स्वागत

रियो डी जेनेरो,(ईएमएस)। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए ब्राजील पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यहां भव्य स्वागत किया गया। खास बात ये थी कि यहां भारत का शौर्य दिखाई दिया और पीएम का स्वागत ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर किया गया। यहां एयरपोर्ट पर उनका राष्ट्रीय सम्मान के साथ स्वागत किया गया। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट शेयर कर कहा, 'मैं रियो डी जेनेरो, ब्राज़ील पहुंचा हूं, जहां मैं ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लूंगा और उसके बाद ब्राज़ील की राजधानी ब्रासीलिया जाऊंगा, जहां मुझे राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा के निमंत्रण पर राजकीय दौरे पर जाना है। इस यात्रा के दौरान उपयोगी बैठकों और संवादों की एक प्रभावशाली श्रृंखला की प्रतीक्षा है।इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अर्जेंटीना गए थे, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। पिछले 57 सालों में यह पहली बार है कि अर्जेंटीना की द्विपक्षीय यात्रा पर भारतीय प्रधानमंत्री पहुंचे। इससे पहले साल 2018 में पीएम मोदी अर्जेंटीना गए थे, लेकिन उस यात्रा का मकसद जी20 शिखर सम्मेलन में शामिल होना था। इस बार उनकी पहली आधिकारिक द्विपक्षीय यात्रा थी। इससे पहले पीएम मोदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि ब्यूनस आयर्स में द्विपक्षीय यात्रा को साकार करने के लिए अर्जेंटीना के साथ संबंध स्थापित करना। मैं प्रेसिडेंट जेवियर माइली के साथ फिर से मिलने और उनसे विस्तार से बात करने के लिए उत्साहित हूं। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में लिखा, ब्यूनस आयर्स में भारतीय समुदाय द्वारा किए गए शानदार स्वागत से सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह देखना वाकई बहुत अच्छा है कि कैसे घर से हजारों किलोमीटर दूर भारत की भावना हमारे भारतीय समुदाय के माध्यम से चमकती है।प्रधानमंत्री मोदी अर्जेंटीना की दो दिवसीय यात्रा के तहत राजधानी ब्यूनस आयर्स पहुंचे, जहां एजीजा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वे अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली से भेंट करने के लिए राष्ट्रपति भवन पहुंचे, जहां दोनों के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री मोदी का पारंपरिक सम्मान के साथ स्वागत किया गया, जहां उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। इस मौके पर दोनों नेताओं ने गर्मजोशी से एक-दूसरे का अभिवादन किया और गले मिले। फिर प्रतिनिधिमंडल स्तरीय वार्ता के लिए राष्ट्रपति भवन में चले गए।

जान बचाने विमान के पंखों पर कूदे यात्री, डेढ़ दर्जन से अधिक घायल

लंदन (ईएमएस)। मेजरका पाल्मा हवाई अड्डे से मैनचेस्टर के लिए रयानएयर की उड़ान को गलत फायर अलॉर्म के कारण रोक दिया गया। टर्मिनल पर लौटने से पहले विमान से उतरते समय कुछ यात्री घायल हो गए। यात्रियों को विमान के एक पंख से विमान को छोड़कर टर्मिनल पर कूदते हुए वीडियो में कैद किया गया। भयभीत यात्रियों को भागने की जल्दी में विमान के एक पंख से छलांग लगाते हुए वीडियो में देखा गया। इस घटना के कारण एयरपोर्ट पर बहुत तनाव पैदा हो गया था। यात्रियों को विमान के पंख से कूदते हुए देखा गया था, जो कथित तौर पर डर के कारण ऐसा कर रहे थे। बाद में अधिकांश यात्री विमान से व्यवस्थित ढंग से बाहर निकले। रयानएयर ने पुष्टि की कि ये उड़ान गलत फायर अलार्म के कारण रद्द कर दी गई थी।जबकि दमकल दल और पुलिस घटनास्थल तत्काल पहुंचे। क्षेत्रीय हेल्थ इमरजेंसी रिस्पॉन्स ने कहा कि 18 लोगों को मामूली चोटों के कारण मदद की जरूरत देखी गई है। खबरों में बताया गया कि छह लोगों को अस्पताल ले जाना पड़ा। तीन लोगों को कथित तौर पर पाल्मा के एक निजी क्लिनिक क्लिनिका रोटगर में ले जाया गया और बाकी तीन को द्वीप की राजधानी में ही स्थित हॉस्पिटल क्विरोनसालुड पामप्लानास में ले जाया गया। रयानएयर के बयान में कहा गया कि 4 जुलाई को पाल्मा से मैनचेस्टर जाने वाली इस फ्लाइट ने गलत फायर अलार्म के लाइट इंडिकेशन के कारण टेक-ऑफ रोक दिया। यात्रियों को इन्फ्लेटेबल स्लाइड का उपयोग करके उतारा गया और टर्मिनल पर वापस लाया गया। जहाज से उतरते समय कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आईं (टखने में मोच, आदि) और क्रू टीम ने तत्काल मेडिकल सहायता का अनुरोध किया।

गिल, जायसवाल और पंत पर होगा अब दारोमदार: माइकल वॉन

लंदन (ईएमएस)। कोहली, रोहित के बाद भारतीय टेस्ट टीम को आगे ले जाने की जिम्मेदारी अब शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और ऋषभ पंत को उठानी पड़ेगी। यह मानना है इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का। विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास को लेकर वॉन ने कहा कि कोहली ने अपने समय में अकेले यह जिम्मेदारी बखूबी निभाई। अब यह युवा खिलाड़ियों के पास बड़ा मौका है कि वे उस विरासत को आगे बढ़ाएं। वॉन ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज़ में देखा जाए तो कोहली और रोहित की गैरमौजूदगी के बावजूद भारतीय बल्लेबाजी क्रम अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। उनके मुताबिक गिल, जायसवाल और पंत ने मिलकर एक अच्छा समूह बनाया है जो जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार दिखता है। उन्होंने कहा कि इन खिलाड़ियों के पास भारतीय टेस्ट क्रिकेट को वही ऊर्जा और जुनून देने का मौका है जो कोहली ने दिया था। वॉन ने कहा कि कोहली ने टीम में न सिर्फ बल्लेबाजी बल्कि आक्रामक सोच और रणनीतिक समझ भी दी, जो भारतीय टीम को लंबे समय तक शीर्ष पर बनाए रखने में मददगार रही। उन्होंने कहा कि अगर गिल, जायसवाल और पंत इस मानक के करीब भी पहुंच सके तो यह भारतीय टीम के लिए बड़ी उपलब्धि होगी। वॉन ने माना कि भारत जैसी प्रतिभा-समृद्ध टीम के पास हमेशा विकल्प रहते हैं लेकिन कोहली जैसा करिश्माई और प्रेरक खिलाड़ी बार-बार नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि दो बड़े खिलाड़ियों के अचानक टीम से बाहर होने के बाद तुरंत आगे बढ़ पाना आसान नहीं होता, लेकिन शुभमन गिल ने बतौर कप्तान और बल्लेबाज काफी परिपक्वता दिखाई है और उनके नेतृत्व में टीम को बल्लेबाजी में कोई बड़ी कमी नहीं दिखती।वॉन ने यह भी कहा कि भारत की टेस्ट टीम में इतनी गहराई और प्रतिस्पर्धा है कि यह टीम भविष्य में भी दबदबा कायम रख सकती है। उन्होंने हालांकि यह भी जोड़ा कि टीम को ज्यादा निरंतरता दिखानी होगी ताकि वह लंबे समय तक शीर्ष पर बनी रहे। वॉन ने चयन को लेकर कुछ सवाल भी उठाए और कहा कि वह जसप्रीत बुमराह को दूसरे टेस्ट में न खिलाने और कुलदीप यादव को बाहर रखने के फैसले से हैरान हैं। उन्होंने कहा कि सात दिन का ब्रेक मिलने के बावजूद बुमराह को बाहर रखना और कुलदीप जैसे उपयोगी स्पिनर को नजरअंदाज करना समझ से परे है।

शुभमन का शॉट रोकने के प्रयास में टकराये रुट और क्रॉली

बर्मिंघम (ईएमएस)। भारतीय टेस्ट टीम के नये कप्तान शुभमन गिल आजकल छाये हुए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ अब अब दो टेस्ट मैच में ही शुभमन ने 500 से ज्यादा रन बना दिए हैं। दूसरे टेस्ट में शुभमन ने पहली पारी में 269 जबकि दूसरी पारी में 161 रन बनाये। इस दौरान शुभमन का एक शॉट रोकने के प्रयास में मेजबान टीम के दो खिलाड़ी आपस में टकराते-टकराते बचे।शुभमन की बल्लेबाजी से मेजबान टीम पर पड़ने वाले दबाव का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि दूसरे टेस्ट में जो रूट और जैक क्रॉली एक रोकने के प्रयास में टकरा गये।शुभकन ने पहली पारी में शतक लगाने के बाद दूसरी पारी में दोहरा शतक लबाया। शुभमन इंग्लैंड में दोहरा शतक बनाने वाले पहले भारतीय कप्तान हैं। वहीं सेना देशों (दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड) के खिलाफ शतक लगाने वाले वह पहले एशियाई कप्तान हैं। रुट और क्रॉली 118वें ओवर में तब टकरा गये जब जोश टंग की गेंद पर शुभमन ने काफी अच्छा शॉट लगाया था।

यशस्वी अपने दृष्टिबाधित प्रशंसक बच्चे से मिले, बल्ला उपहार में दिया

बर्मिंघम (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड दौरे में अपनी शानदार बल्लेबाजी के साथ ही अपने एक और काम से सभी का दिल जीता है। यशस्वी ने अपने एक दृष्टिबाधित प्रशंसक बच्चे से मुलाकता कर उसे अपने ऑटोग्राफ वाला बल्ला भी उपहार में दिया है। ये बच्चा यशस्वी का बड़ा प्रशंसक होने के साथ ही उसके मिलना चाहता था।रवि नाम के इस बच्चे ने पहले टेस्ट के दौरान भी यशस्वी से मिलने का प्रयास किया था पर वह तब वह नहीं मिल पाया था। वहीं यहां के एजबेस्टन मैदान पर तब उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा जब उसकी ये इच्छा पूरी हो गई। खेल के प्रति रवि के जुनून और उसके प्रति प्रेम से यशस्वी भी भावुक हो गये और उन्होंने इस बच्चे को अपने ऑटोग्राफ वाला बल्ला उपहार में दिया, जिस पर संदेश लिखा था, 'रवि को प्यार के साथ शुभकामनाएं।इसका एक विडियो भी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोशल मीडिया पर जारी किया है। इसमें यशस्वी ने रवि से कहा, 'हैलो रवि, आप कैसे हैं? मैं यशस्वी हूं, आपसे मिलकर खुशी हुई। मैं आपसे मिलने के लिए वास्तव में उत्साहित था क्योंकि मुझे पता है कि आप क्रिकेट के बहुत बड़े प्रशंसक हैं।साथ ही कहा, 'मेरे पास आपके लिए एक उपहार है मेरा बल्ला। मैं चाहूंगा कि आप इसे मेरी याद के रूप में रखें। आपसे मिलकर वास्तव में बहुत अच्छा लगा। इस पर रवि ने कहा, 'आपसे मिलकर मुझे भी बहुत खुशी हुई। बहुत-बहुत धन्यवाद। आप शानदार क्रिकेटर है। आप भारतीय क्रिकेट का भविष्य हैं। मुझे आपकी बल्लेबाजी देखना पसंद है। यशस्वी ने बेहद कम समय के अंदर ही भारतीय टीम में अपनी जगह बनायी है।

संक्षिप्त ख़बरें

इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान ब्रंट टी20 सीरीज से बाहर हुईं, माइया शामिल

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान नैट सिवर ब्रंट चोटिल होने के कारण भारतीय टीम के खिलाफ बचे हुए दो मैचों से बाहर हो गई है। ब्रंट चोट के चलते पांच मैचों की सीरीज से बचे हुए मैचों से बाहर हो गई हैं। उनकी जगह हैम्पशर की प्रतिभाशाली बल्लेबाज माइया बाउचर को टीम में शामिल किया गया है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा है कि ब्रंट की कमर में चोट के कारण वह सीरीज से बाहर हो गई हैं। हालांकि उसे ब्रंट के एकदिवसीय सीरीज तक फिट होने की उम्मीद है। इस सीरीज में भारतीय टीम 2-1 से आगे है। वहीं अब ब्रंट के बाहर होने से मेजबानों की मुश्किलें और बढ़ गयी हैं। ब्रंट ने पहले दो टी20 मैचों में कप्तानी की थी पर जिसमें टीम को हारना पड़ा था। तीसरे मैच में वह नहीं खेल पायीं थी हालांकि इसमें इंग्लैंड को जीत मिली थी। तीसरे मैच में टैमी ब्यूमोंट ने टीम की कप्तानी की थी और वही बचे हुए मैचों में भी कप्तानी की जिम्मेदारी संभालेंगी।

ट्रॉट ने शुभमन को विश्व स्तरीय खिलाड़ी बताया

बर्मिंघन (ईएमएस)। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर जोनाथन ट्रॉट ने भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल की जमकर प्रशंसा की है। ट्रॉट ने कहा है कि शुभमन एक विश्व स्तरीय खिलाड़ी और कुशल कप्तान हैं। उन्हें पता है कि किस गेंदबाज का सामना कैसे करना है। तेज गेंदबाजों ब्रायडन कार्स और क्रिस वोक्स का जिस प्रकार से उन्होंनें सामना किया उससे इस बार का अंदाजा हुआ है। उन्होंने दिखाया है कि किस प्रकार से दो अलग-अलग गति वाले गेंदबाजों का मुकाबला किया जाना चाहिये। सभी तेज गेंदबाजों के खिलाफ एक ही रणनीति नहीं चल सकती है। यही वह विशेषता है, जो अच्छे खिलाड़ियों को औसत खिलाड़ियों से, जबकि विश्व स्तरीय खिलाड़ियों को अन्य खिलाड़ियों से अलग बनाती है।उन्होंने साथ ही कहा, इससे कप्तानी पर भी प्रभाव पड़ता है। सबसे खास बात कप्तान बनने के बाद उनकी बॉडी लैंग्वेज में बदलाव आया है। उन्होंने आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व किया है जिससे मेजबान टीम को स्पष्ट संकेत दिया है वह दबाव में आने वाले नहीं हैं शुभमन ने अब तक दोनो ही मैचों में दबाव के बीच भी शतक लगाये हैं। वह इंग्लैंड में लगातार दूसरे टेस्ट में शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय कप्तान हैं। उनसे पहले मोहम्मद अजहरुद्दीन ने यह उपलब्धि हासिल की थी।

इंडिया हाउस में भारतीय महिला टीम हुआ सम्मान

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड दौरे पर गई भारतीय महिला क्रिकेट टीम का यहां के इंडिया हाउस में एक भव्य समारोह में सम्मान किया गया। इस समारोह में कप्तान हरमनप्रीत कौर और टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार सहित सभी खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के सदस्य शामिल हुए। इस दौरान भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोरईस्वामी ने टीम का स्वागत किया। इस अवसर पर दोरईस्वामी ने टीम की प्रशंसा करते हुए कहा, 'खिलाड़ियों ने जिस प्रकार से यहां जीत दर्ज की है। उससे देश में खेलों के क्षेत्र में एक बढ़ा बदलाव आयेगा और युवा प्रतिभाओं को प्रेरणा मिलेगी।'उन्होंने कहा, 'आज ऐसा कोई भी क्षेत्र नहीं है जिसके बारे में भारत की युवा महिलाएं सोचती हैं कि वे ऐसा नहीं कर सकती हैं, क्योंकि आप और क्रिकेट खिलाड़ियों की एक पुरानी पीढ़ी ने ऐसा किया है। आपके पास जादू है और आप मैदान पर जहां भी खेलती हैं, इसे हमारे साथ साझा करती हैं, जिसके लिए हम बहुत-बहुत आभारी हैं।' दोरईस्वामी ने कहा, 'जब आप हमारी क्रिकेट टीम, हमारी हॉकी टीम या हमारी किसी भी खेल की टीम को देखेंगे तो पाएंगे कि यह भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधित्व करती हैं।' उन्होंने कहा, 'ये केवल हमारी बेहतरीन खिलाड़ी ही नहीं हैं, बल्कि ये वो लड़कियां हैं जो हर शहर और हर प्रांत से निकल भारत का प्रतिनिधित्व करने पहुंची हैं।'

जोकोविच विंबलडन में 100 मुकाबले जीतने वाले तीसरे खिलाड़ी बने

लंदन (ईएमएस)। सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंचने के साथ ही एक अहम उपलब्धि हासिल की है। जोकोविच विंबलडन इतिहास में 100 जीत हासिल करने वाले विश्व के तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने तीसरे दौर में अपने ही देश के मिओमिर केकमानोविच को 6-3, 6-0, 6-4 से हराकर इस विशिष्ट क्लब में प्रवेश किया है। इससे पहले केवल मार्टिना नवरातिलोवा और रोजर फेडरर ही विंबलडन में 100 मुकाबले जीत पाये हैं।जोकोविच ने अपने 24 ग्रैंड स्लैम खिताबों में से सात ऑल इंग्लैंड क्लब में जीते हैं। उन्होंने सेंटर कोर्ट पर पहले सेट में 3-3 के स्कोर से लगातार नौ गेम जीतकर आसानी से मुकाबला अपने नाम कर लिया। जोकोविच ने एक साक्षात्कार में कहा, ''मैं अपने पसंदीदा टूर्नामेंट में जो भी इतिहास बनाऊंगा, उसके लिए मैं आभारी हूं। अब जोकोविच का अगला मुकाबला 11 वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी एलेक्स डी मिनाउर से होगा। वहीं महिला वर्ग में नौ बार की विंबलडन विजेता रहीं नवरातिलोवा ने 120 एकल जबकि पुरुष वर्ग में आठ बार के चैंपियन फेडरर ने 105 एकल मैच जीते हैं।

सरताज अकादमी ने धूमधाम से मनाया विश्व बैडमिंटन दिवस

इन्दौर (ईएमएस)। इन्दौर की सरताज अकादमी ने 5 जुलाई को नारायण बाग बाल विकास केंद्र बैडमिंटन हॉल में विश्व बैडमिंटन दिवस को बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर निधि वर्मा (एसडीएम मल्हारगंज) और अभ्यास मंडल की सचिव माला सिंह ठाकुर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों द्वारा एक आकर्षक बैडमिंटन-थीम वाले केक के साथ हुई, जिसे फैंटेसी इन्दौर के सौजन्य से प्रदान किया था। यह मीठा पल सभी के चेहरों पर मुस्कान ले आया। अभ्यास मंडल की सचिव माला सिंह ठाकुर ने विश्व बैडमिंटन दिवस के महत्व और भारतीय बैडमिंटन के दिग्गज प्रकाश पादुकोण की गौरवशाली सफलताओं पर प्रकाश डाला, जो बच्चों के लिए प्रेरणास्रोत बनीं।इस खास दिन पर माला सिंह ठाकुर, विधायक गोलू शुक्ला और दीपेंद्र सिंह सोलंकी ने भी कोर्ट में उतरकर बैडमिंटन खेला, जिससे कार्यक्रम में और जोश भर गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन सरताज अकादमी के प्रबंध निदेशक और मुख्य प्रशिक्षक धर्मेश यशलहा ने किया। नायशा पुरोहित, मन बडजात्या, आदित्य तिलवनकर और अद्वित शाह जैसे युवा खिलाड़ियों ने गर्मजोशी से अतिथियों का स्वागत किया। अंत में धर्मेश यशलहा ने सभी उपस्थित लोगों और आयोजकों का हार्दिक आभार व्यक्त किया, जिससे यह दिन बैडमिंटन प्रेमियों के लिए यादगार बन गया।

टेस्ट और वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की खास सूची में शुभमन का नाम

इस खास क्लब में दुनिया भर से सिर्फ पांच खिलाड़ी शामिल हैं और उनमें से चार भारतीय

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में दोहरा शतक जमाकर कई बड़ी उपलब्धियां अपने नाम कर लीं। गिल ने पहली पारी में 269 रन बनाए और वह एसईएनए देशों (साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में टेस्ट में दोहरा शतक लगाने वाले पहले एशियाई बल्लेबाज़ बन गए। इसके अलावा उन्होंने भारत के लिए टेस्ट में बतौर कप्तान सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी का रिकॉर्ड भी तोड़ा। गिल की इस ऐतिहासिक पारी ने उन्हें क्रिकेट के उन चुनिंदा खिलाड़ियों की सूची में शामिल कर दिया है जिन्होंने वनडे और टेस्ट दोनों प्रारूपों में दोहरा शतक जड़ा है। इस खास क्लब में दुनिया भर से सिर्फ पांच खिलाड़ी शामिल हैं और उनमें से चार भारतीय हैं।शुभमन गिल ने जनवरी 2023 में हैदराबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में 208 रन बनाए थे और वह यह कारनामा करने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बने थे। अब इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में 269 रन बनाकर उन्होंने साबित कर दिया कि वह हर फॉर्मेट में लंबी पारियां खेलने में सक्षम हैं। इस सूची में भारत के स्टार ओपनर रोहित शर्मा का भी नाम है, जो वनडे क्रिकेट में तीन दोहरे शतक लगाने वाले दुनिया के एकमात्र खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2014 में श्रीलंका के खिलाफ 264 रन बनाकर वनडे का सर्वोच्च स्कोर बनाया था। टेस्ट में भी उन्होंने 2019 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 212 रन की बड़ी पारी खेली थी।क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर इस सूची के खास सदस्य हैं। उन्होंने 2010 में ग्वालियर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे इतिहास का पहला दोहरा शतक जमाया था। उनकी 200* रन की पारी ने वनडे बल्लेबाजी को नई ऊंचाई दी। टेस्ट में उनके नाम छह दोहरे शतक दर्ज हैं, जिनमें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 241* और बांग्लादेश के खिलाफ 248* रनों की पारियां यादगार मानी जाती हैं। वहीं वीरेंद्र सहवाग भी इस लिस्ट में शामिल हैं। उन्होंने 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 219 रन की विस्फोटक वनडे पारी खेली थी। टेस्ट क्रिकेट में सहवाग के नाम दो ट्रिपल सेंचुरी हैं पाकिस्तान के खिलाफ 309 और साउथ अफ्रीका के खिलाफ 319 रन, इसके अलावा भी उन्होंने कई बार टेस्ट में दोहरा शतक जमाया है।इस सूची में चाथा नाम रोहित शर्मा का हैं वनडे क्रिकेट के इतिहास में सबसे बड़ी पारी खेलने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी रोहित के नाम है। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 2014 में 264 रन बनाए थे। वनडे में उनके नाम सबसे अधिक तीन डबल सेंचुरी है। वहीं टेस्ट में उन्होंने यह कमाल एक ही बार किया है जब 2019 में पारी का आगाज करते हुए साउथ अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने 212 रन बनाए थे।इस खास क्लब में एकमात्र विदेशी खिलाड़ी वेस्टइंडीज के क्रिस गेल हैं। उन्होंने 2015 वर्ल्ड कप में जिम्बाब्वे के खिलाफ 215 रन बनाए थे और वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले पहले गैर-भारतीय बने थे। टेस्ट में उनके नाम भी दो ट्रिपल सेंचुरी हैं साउथ अफ्रीका के खिलाफ 317 और श्रीलंका के खिलाफ 333 रन। शुभमन गिल की इस शानदार उपलब्धि ने भारतीय क्रिकेट में एक और सुनहरा अध्याय जोड़ दिया है और उन्हें आधुनिक क्रिकेट के महान बल्लेबाज़ों की कतार में लाकर खड़ा कर दिया है।

हसीन जहां ने दो पोस्ट जारी कर शमी पर निशाना साधा

कोलकाता (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी से अलग रही रही पत्नी हसीन जहां ने अब सोशल मीडिया में दो और पोस्ट जारी किये हैं। हसीन ने इसमें शमी पर जमकर निशाना साधा है। वहीं तंज कसा है कि शमी की कई बुराईयों के बाद भी वह उन्हें चाहती है। साथ ही कहा कि उन्हें ऐसी बीवी कहां मिलेगी। शमी और हसीन के बीची तलाक के लिए मुकदमा चल रहा है जिसमें फैसला नहीं आया है। दोनो के बीच पिछले 6-7 साल से दोनों के बीच कानूनी लड़ाई चल रही है। हसीन का कहना है कि वह अपनी बेटी और अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ रही हैं। अभी पिछले दिनों ही कलकत्ता हाईकोर्ट ने शमी को अपनी पत्नी हसीना जहां और उनकी बेटी आयरा को हर महीने 4 लाख रुपये गुजारा भत्ता देने का निर्देश दिया था। हसीन सोशल मीडिया में भी जमकर सक्रिय रहती हैं।अब हसीन ने एक वीडियो गीत के साथ अपना वीडियो लगाते हुए शमी को टैग करते हुए लिखा, 'डोंट वरी माय लव' मरते दम तक हम एक मजबूत रिश्ता निभाएंगे। आपको फैसला करना है वो मजबूत रिश्ता कैसा होगा। 7 साल से हम लोग कानूनी लड़ाई में व्यस्त हैं। इससे आपको क्या लाभ हुआ आप ही जाने। वहीं हसीन ने अपने दूसरे पोस्ट में उन्होंने शमी के चरित्र पर सवाल उठाने के साथ ही उनपर धोखाधड़ी करने के भी आरोप लगाये हैं।

उंची-उंची चोटियां फतह करने वाली अनुजा अब जलक्रीड़ा में बना रहीं पहचान

नई दिल्ली (ईएमएस)। दुनिया की सात सबसे ऊंची चोटियां फतह करने वाली 27 साल की अनुजा वैद्य ने अब जलक्रीड़ा (वॉटर स्कीइंग) की दुनिया में पहचान बना ली है। वह पहली भारतीय महिला है, जिन्होंने इंटरनैशनल वॉटर स्कीइंग प्रतियोगिता में हिस्सा लिया है। अनुजा 2019 में अपनी बड़ी बहन अदिति के साथ माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई की थी। वह हाल ही में थाईलैंड में 24 से 29 जून तक आयोजित एशियाई वॉटर स्की और वेकबोर्ड चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। भारत के वेकबोर्ड और वॉटर स्की फेडरेशन के सेक्रेटरी राजपाल सिंह ने बताया कि वह पहली महिला है, जिन्होंने इंटरनैशनल स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है।अपने आसपास की नदियों में सीमित सामानों के साथ अभ्यास कर रही अनुजा को प्रतियोगिता में पता चला कि वे पहली भारतीय महिला है, जिन्होंने आधिकारिक तौर पर इंटरनैशनल स्तर पर वाटर स्कीइंग में भाग लिया। यह जानकारी उन्हें इंटरनैशनल वाटर स्की और वेकबोर्ड फेडरेशन के अधिकारियों ने दी। अनुजा के लिए यह एक कभी न भूलने वाला पल था।खुद को मैच के लिए तैयार करने और उस माहौल के अनुसार अपने आप को ढ़ालने के लिए अनुजा पहले ही थाईलैंड पहुंच गई थी, जहां उन्होंने पेशेवर उपकरणों के साथ ट्रेनिंग लिया। अनुजा ने कहा, सूरत में हम अलग-अलग उपकरणों से अभ्यास करते थे। उनके पिता आनंद ने बेटी की मेहनत पर गर्व जताया। उन्होंने कहा, हमने तापी नदी में केवल बेसिक उपकरणों से ट्रेनिंग दिया। इंटरनैशनल मंचों पर उनका प्रदर्शन काबिल-ए-तारीफ रहा। वॉटरस्की एक एड्रेनालाईन से भरपूर खेल है। अनुजा वैद्य ने बताया कि मैं लगभग सात साल से अपने पिता के साथ तापी नदी में वॉटर स्कीइंग सीख रही हूं। मुझे लगा कि मैं उच्च स्तर पर कॉम्पिटिशन कर सकती हूं, इसलिए मैंने प्रयास किया। बेहद रोमांचक था।

मुझे जिम्मेदारी और चुनौती स्वीकार करना अच्छा लगता : सिराज

बर्मिंघम (ईएमएस)। हैदराबाद एक्सप्रेस के नाम से मशहूर मोहम्मद सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन टेस्ट में अपने करियर की एक और यादगार पारी खेली। उन्होंने तीसरे दिन इंग्लैंड की पहली पारी में 70 रन देकर 6 विकेट झटके और टीम इंडिया को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। सिराज ने इस कामयाबी को 'अविश्वसनीय' बताया और कहा कि वह लंबे समय से ऐसे प्रदर्शन का इंतजार कर रहे थे। इस टेस्ट में सिराज भारतीय पेस अटैक के लीडर हैं क्योंकि जसप्रीत बुमराह को आराम दिया गया है। उनके साथ आकाशदीप और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे अपेक्षाकृत नए तेज गेंदबाज खेल रहे हैं।सिराज ने कहा कि जब आपको आक्रमण का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी दी जाती है, तो मेरा लक्ष्य सिर्फ सही दिशा में अनुशासन के साथ गेंदबाजी करना होता है। विकेट बहुत धीमी थी, इसलिए मेरी योजना रन रोकने और दबाव बनाने की थी। सिराज ने मैच के तीसरे दिन शुरुआत में ही इंग्लैंड की आधी टीम को 84 रन पर पवेलियन लौटा दिया। हालांकि, इसके बाद जेमी स्मिथ (नाबाद 184) और हैरी ब्रुक (158) ने 303 रन की साझेदारी कर इंग्लैंड की वापसी कराई। फिर भी, सिराज ने निचले क्रम के बल्लेबाजों को आउट कर भारत को 587 के जवाब में इंग्लैंड को 407 पर समेटने में अहम भूमिका निभाई।सिराज ने अपने अनुभव और धैर्य पर भी बात की। उन्होंने कहा मुझे जिम्मेदारी पसंद है और चुनौती स्वीकार करना अच्छा लगता है। टीम में मेरे साथी गेंदबाजों के पास बहुत ज्यादा अनुभव नहीं है। यह आकाशदीप का तीसरा या चौथा मैच है और प्रसिद्ध कृष्णा के लिए भी ऐसा ही है, इसलिए मुझे गेंदबाजी में निरंतरता बनाए रखनी थी और बल्लेबाजों पर दबाव डालना था। पिछली बार सिराज ने 6 विकेट जनवरी 2024 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन टेस्ट में लिए थे। इसके बाद 548 दिन बाद उन्हें एक पारी में पांच या उससे ज्यादा विकेट मिले। सिराज ने माना कि पिछले कुछ समय में वह अच्छी गेंदबाजी तो कर रहे थे लेकिन विकेट नहीं मिल रहे थे। इस बार वह 'फ्रेश' रहने के लिए रूम में भी अलग से समय निकालकर ध्यान केन्द्रित कर पाए। टीम इंडिया के लिए यह जीत की दिशा में बड़ा कदम साबित हो सकता है। बुमराह की गैरमौजूदगी में सिराज ने जिस तरह गेंदबाजी आक्रमण की जिम्मेदारी उठाई, उसे देखकर साफ है कि 'हैदराबाद एक्सप्रेस' सही समय पर पटरी पर लौट आई है।

रोहित और कोहली की वनडे वापसी पर लगा ब्रेक, फैंस को करना होगा इंतजार

भारत-बांग्लादेश क्रिकेट सीरीज 2025 टली

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम इस साल बांग्लादेश दौरे पर नहीं जाएगी। भारत और बांग्लादेश के बीच अगस्त 2025 में प्रस्तावित सीमित ओवरों की सीरीज अब फिलहाल स्थगित कर दी गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को जानकारी दी कि दोनों देशों के क्रिकेट बोर्ड की आपसी सहमति से यह निर्णय लिया गया है। नई सीरीज अब सितंबर 2026 तक के लिए टाल दी गई है। इस दौरे में तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाने थे।सीरीज टलने से भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को उस वापसी का भी इंतजार करना पड़ेगा जिसका वे लंबे समय से बेसब्री से इंतजार कर रहे थे रोहित शर्मा और विराट कोहली की वनडे क्रिकेट में वापसी। दोनों दिग्गज खिलाड़ी पहले ही टेस्ट और टी20 फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं और अब सिर्फ वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं। ऐसे में बांग्लादेश के खिलाफ यह सीरीज उनके लिए एक तरह से वनडे क्रिकेट में पुनः दस्तक देने का मंच मानी जा रही थी।बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा कि यह निर्णय दोनों टीमों के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कार्यक्रम और मौजूदा शेड्यूल की व्यस्तता को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने भी पुष्टि की है कि वह सितंबर 2026 में भारत की मेजबानी को लेकर उत्साहित है। इस सीरीज की नई तारीखों की घोषणा आने वाले महीनों में की जाएगी।गौरतलब है कि भारत और बांग्लादेश के बीच यह सीरीज 17 अगस्त 2025 से शुरू होनी थी। तय कार्यक्रम के अनुसार टीम इंडिया को इंग्लैंड दौरे के समापन के बाद सीधे बांग्लादेश रवाना होना था, लेकिन अब उस योजना पर विराम लग गया है। फिलहाल भारतीय टीम इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेल रही है, जो 4 अगस्त को समाप्त होगी। सीरीज स्थगित होने से रोहित और विराट के प्रशंसकों को बड़ा झटका लगा है। विराट कोहली ने अपना आखिरी वनडे मार्च 2025 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था और अब तक वे 302 वनडे मैचों में 14181 रन बना चुके हैं, जिसमें 51 शतक और 74 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं रोहित शर्मा ने 273 वनडे मैचों में 11168 रन बनाए हैं और उन्होंने भी अपना अंतिम वनडे न्यूजीलैंड के खिलाफ ही मार्च 2025 में खेला था।

अब एकदिवसीय में दोहरा शतक लगाना चाहते हैं वैभव, शुभमन से हैं प्रेरित

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड दौरे में शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-19 क्रिकेट के चौथे एकदिवसीय में शानदार शतक लगाने वाले वैभव सूर्यवंशी का कहना है कि अब उनका लक्ष्य दोहरा शतक लगाना है। इंग्लैंड के खिलाफ चौथे एकदिवसीय में वैभव ने 143 रन बनाये थे। वैभव ने कहा कि उसके पास और अधिक रन बनाने का अवसर था, पर एक खराब शॉट की वजह से ये अवसर उनके हाथ से निकल गया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने वैभव सूर्यवंशी का एक वीडियो भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा किया है जिसमें वह अपने सबसे कम उम्र के शतक लगाने के रिकार्ड की बात कर रहे हैं। इस उभरते हुए बल्लेबाज ने कहा, "मुझे पता नहीं था कि मैंने रिकॉर्ड बनाया है, हमारे टीम मैनेजर ने मुझे ये बात बतायी।" वैभव ने कहा कि टेस्ट कप्तान शुभमन गिल से ही उन्हें बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिली है। शुभमन ने जब एजबेस्टन टेस्ट में दोहरा शतक लगाया था तो वैभव वहां स्टेडियम में थे। इसी को लेकर वैभव ने कहा, " मैं उनसे प्रेरित हूं उन्होंने 100 और 200 बनाने के बाद भी रन बनाने का प्रयास जारी रखा और टीम को आगे बढ़ाया।"शुभमन की पारी देखने के बाद वैभव ने कहा कि वह भी 143 रनों की पारी को आगे बढ़ा सकते थे। तब 20 ओवर बचे थे पर एक शॉट वह ठीक से नहीं खेल पाये जिसका उन्हें नुकसान हुआ है। साथ ही कहा, "अगले मैच में मेरा प्रयास 200 रन बनाने के साथ ही पूरे 50 ओवर खेलना रहेगा जिससे टीम को लाभ मिले।"अपनी 143 रनों की पारी के साथ ही वैभव यूवा क्रिकेट में शतकीय पारी खेलने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय खिलाड़ी बने हैं। इस दौरान उन्होंने सरफराज खान का 12 साल पुराना रिकार्ड तोड़ दिया।

गेट मीटिंग के जरिए 9 जुलाई की देशव्यापी हड़ताल को सफल बनाने का आह्वान

चतरा(ईएमएस)। पिपरवार क्षेत्र में नौ जुलाई को प्रस्तावित देशव्यापी श्रमिक हड़ताल को सफल बनाने के उद्देश्य से रविवार को संयुक्त मोर्चा के बैनर तले अशोक पीट ऑफिस एवं वर्कशॉप परिसर में एक जोरदार गेट मीटिंग का आयोजन किया गया। बैठक का संचालन कामरेड इस्लाम अंसारी ने किया। सभा को संबोधित करते हुए संयुक्त मोर्चा के नेताओं ने केंद्र सरकार द्वारा लागू किए जा रहे चार लेबर कोड को मजदूरों के हितों पर हमला बताते हुए काला कानून करार दिया। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि ये कानून पूंजीपतियों के दबाव में बनाए गए हैं और राज्यों पर इन्हें लागू करने के लिए दबाव बनाया जा रहा है।उन्होंने कहा कि ये कोड श्रमिकों को गुलामी की ओर धकेलते हैं और श्रमिक अधिकारों, सामाजिक सुरक्षा, काम के घंटे और न्यूनतम मजदूरी जैसे मुद्दों पर मजदूरों को और अधिक असुरक्षित बना देंगे। वक्ताओं ने उपस्थित मजदूरों से आह्वान किया कि वे 9 जुलाई की हड़ताल में बढ़-चढ़कर भाग लें और इसे एक ऐतिहासिक आंदोलन बनाएं। नेताओं ने कहा कि इस हड़ताल को केंद्रीय श्रमिक संगठनों, स्वतंत्र फेडरेशनों, संयुक्त किसान मोर्चा, बिहार के महागठबंधन और झारखंड के प्रमुख दलों झामुमो, भाकपा और विस्थापित मोर्चा का समर्थन प्राप्त है। यह हड़ताल न केवल श्रमिक हितों की रक्षा के लिए है, बल्कि लोकतंत्र और जनसरोकारों की रक्षा की लड़ाई भी है। इस गेट मीटिंग की विशेष बात यह रही कि इसमें महिला मजदूरों की भी सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। नगीया देवी, गीता देवी, सुहाद्री देवी, गेंदिया देवी, सीमा देवी,पुन्नी देवी, सरिता कुमारी, लक्ष्मीनिया देवी, हैवंती देवी, शीला देवी, लालो देवी, कला मनी देवी, राजमुनि देवी, राखी कुमारी समेत सैकड़ों महिला मजदूरों ने उपस्थिति दर्ज कराई। साथ ही सभा में रविंद्र नाथ सिंह, अरविंद शर्मा, भीम सिंह यादव, भीम प्रसाद मेहता, कासिम उर्फ मुन्ना, धनेश्वर गंजू, अब्दुल्ला, के के चतुर्वेदी, अनिल कुंवर, रामू गोप, आर के सिंह, सोमर गंझू, मोहम्मद जैनुल, प्रयाग मिस्त्री, सेवक गंजू, अनीत कुमार, राजकुमार, गुरदयाल सिंह, अर्जुन गंजू, विनोद कुमार, श्याम सुंदर महतो, साहिब राम सतनामी, रियाज अंसारी, आरएन पंडित, विकास कुमार, बद्री साव, दिलीप महतो, रमेश कुमार सहित सैकड़ों मजदूर मौजूद रहे।

चक्रधरपुर रेल मंडल में 15 जुलाई से मेगा ब्लॉक, कई ट्रेनें रद्द

पश्चिमी सिंहभूम(ईएमएस)।चक्रधरपुर रेल मंडल के विभिन्न सेक्शनों में मरम्मत और निर्माण कार्यों के लिए रेलवे ने 15 जुलाई से मेगा ब्लॉक की घोषणा की है। इस संबंध में रेलवे द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है। मेगा ब्लॉक के चलते कई ट्रेनों को रद्द और कुछ को मार्ग परिवर्तित किया गया है। यह ब्लॉक आगामी 2 अगस्त तक प्रभावी रहेगा। रेल प्रशासन ने यात्रियों को सलाह दी है कि यात्रा की योजना बनाने से पहले संबंधित ट्रेन की स्थिति की जानकारी अनिवार्य रूप से प्राप्त करें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके। मेगा ब्लॉक से हटिया-टाटा-हटिया, हावड़ा-बड़बिल हावड़ा जन शताब्दी एक्सप्रेस, टाटा-बिलासपुर-टाटा एक्सप्रेस, टाटा-गुआ-टाटा मेमू, बरकाखाना-टाटा-बरकाखाना मेमू, आसनसोल-टाटा-आसनसोल मेमू 15, 19, 22, 26, 29 जुलाई और 2 अगस्त को रद्द रहेंगी।वहीं, धनबाद-टाटा-धनबाद एक्सप्रेस, आसनसोल-टाटा-आसनसोल एक्सप्रेस और इस्पात एक्सप्रेस का मार्ग परिवर्तित रहेगा। ये ट्रेनें निर्धारित तिथियों 15, 19, 22, 26, 29 जुलाई और 2 अगस्त को टाटानगर नहीं आएंगी, बल्कि आद्रा या अन्य स्टेशन से ही वापस लौटेंगी या वहीं तक चलेंगी।

स्टेशन पर ऑटो पार्किंग शुल्क दोगुना, विरोध शुरू

पूर्वी सिंहभूम(ईएमएस)। टाटानगर स्टेशन स्थित ऑटो स्टैंड पर पार्किंग शुल्क में अचानक हुई वृद्धि को लेकर ऑटो चालक और मालिक परेशान हैं। पहले 18 रूपए शुल्क लिया जाता था, अब बढ़ाकर 36 रुपए कर दिया गया है, जो ऑटो चालकों के लिए अत्यधिक बोझ बन गया है। इस पर ऑटो चालकों ने पोटका विधायक संजीव सरदार से मुलाकात की और अपनी चिंता व्यक्त की।ऑटो मालिकों और चालकों ने विधायक से आग्रह किया कि यह शुल्क बहुत ज्यादा है और इसे तत्काल घटाया जाए। विधायक ने इस मामले को संज्ञान में लेते हुए टाटानगर स्टेशन पर डीआरएम तरुण हुरिया, एरिया मैनेजर अभिषेक सिंघल और अन्य रेलवे अधिकारियों से बातचीत की।डीआरएम तरुण हुरिया ने इस मुद्दे पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वे शीघ्र कार्रवाई करेंगे, ताकि ऑटो चालकों पर बोझ न पड़े। विधायक ने अधिकारियों से यह भी कहा कि उन्हें टेम्पो चालकों की पार्किंग समेत अन्य जरूरतों के लिए उचित व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। करनडीह रेलवे अंडर ओवरब्रिज के निर्माण में तेजी लाएं इस दौरान विधायक संजीव सरदार ने परसूडीह रेलवे अंडरब्रिज के निर्माण को लेकर डीआरएम से जल्दी डीपीआर तैयार करने और कागजी प्रक्रिया पूरी कर जनता को ओवरब्रिज सौंपने की बात कही। विधायक ने यह भी कहा कि यह परियोजना लोगों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और इसे जल्द पूरा किया जाए।

एनटीपीसी के सीएमडी से बाढ़ से नुकसान लोगों को मुआवजा देने की मांग

चतरा(ईएमएस)। सिमरिया के पूर्व विधायक सह भाजपा अनूसूचित जाति के प्रदेश अध्यक्ष किसुन कुमार दास एनटीपीसी के सीएमडी से दिल्ली में मुलाकात कर तीन सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा है। इस दौरान पूर्व विधायक ने कहा कि एनटीपीसी अधिकारियों के गलती से बाढ़ का पानी शहर में घुसकर तबाही मचाता है। बैराज का गेट बंद नहीं होता तो बाढ़ का पानी शहर में नहीं घुसता। पूर्व विधायक ने साल 21 और 25 में हुए नुकसान का मुआवजा दिलाने की मांग की। इसके अलावा दस फीट चौड़ा नाली बनाने तथा ऐशपौंड और कोयले की ढुलाई में गांव वालों को प्राथमिकता देने की मांग की।

धुर्वा से नाबालिग लड़की का अपहरण

रांची(ईएमएस)। धुर्वा थाना क्षेत्र के टंकी साइड की रहने वाली एक नाबालिग लड़की का अपहरण कर लिया गया है। आरोपी नयासराय के रहने वाले फरजान नामक युवक पर लगा है। इस संबंध में लड़की के पिता ने धुर्वा थाने में फरजान के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी है। पिता ने पुलिस को बताया कि उनकी पुत्री चार जुलाई की दोपहर में घर से सामान खरीदने के लिए निकली थी। लेकिन वह घर नहीं लौटी। खोजबीन पर पता चला कि नयासराय का फरजान उसे लेकर फरार हुआ है। हालांकि फरजान से मिलने व बाचतीच करने के लिए कई बार वह अपनी लड़की को मना भी की।मगर वह नहीं मानते थी। इसके बाद वह थाना पहुंचे और मामला दर्ज कराया। पुलिस जांच में जुट गई है।

हर्षोल्लास निकाला गया गिरिडीह में मुहर्रम का अखाड़ा, शामिल थे बड़ी संख्या में मुस्लिम धर्मावलम्बी

गिरिडीह (ईएमएस)। जिले में आज सुबह से ही मुहर्रम को लेकर खासा उत्साह देखा गया। जिले के कई स्थानों पर मुहर्रम का जुलूस निकाला गया। जिसमें बड़ी संख्या में मुस्लिम धर्मावलम्बी शामिल हुए। इस दौरान युवाओं की टोलियों ने हैरतअंगेज खेल प्रदर्शित कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।युवाओं की टोलियों ने इस दौरान लाठियों के खेल का प्रदर्शन, प्रतिबन्ध के बाबजूद आग के खेल का प्रदर्शन के साथ साथ परंपरागत युद्ध कला का जीवंत प्रदर्शन किया।इस दौरान अखाड़ा में डनके की थाप ने सभी को बरबस झूमने को भी विवश किया।

बच्चे, युवा के साथ बुजुर्गों में में डनके की थाप ने गजब का जादू भर दिया था कि वे भी थिरक उठे थे।वहीं मुहर्रम जुलूस क दौरान पुलिस व प्रशासन महकमा पूरी तरह से सतर्क नजर आया। जगह-जगह पुलिस बल की तैनाती की गई थी ताकि किसी प्रकार की अनहोनी से निपटा जा सके। वहीं शहर के सभी प्रमुख चौराहे यथा- बड़ा चौक, पदम चौक और पचम्बा में विशेष रूप से मंच बनाए गए थे, जहां से प्रशासनिक अधिकारियों ने पूरे कार्यक्रम पर पैनी नजर रखी थी।

पचम्बा के रज्जाक चौक में अखाड़ा दलों ने किया उम्दा खेल का प्रदर्शन

गिरिडीह (ईएमएस)। मुहर्रम की दसवीं के मौके पर गिरिडीह की उपनगरी पचम्बा स्थित रज्जाक चौक में मुहर्रम अखाड़ा का आयोजन हर्षोल्लास से संपन्न हुआ। यहां प्रत्येक साल की तरह इस भी पचम्बा और आस-पास के क्षेत्र के अखाड़ा समिति सदस्यों ने अखाड़े में जमकर उम्दा करतब का प्रदर्शन किया। अखाड़ा आयोजन समिति पदाधिकारी और सदस्यों सभी प्रतिभागियों का हौसला अफजाई करते हुए बेहतर प्रदर्शन करने वाले अखाड़ा समिति सदस्यों को उपहार देकर सम्मानित भी किया।कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पचम्बा थाना प्रभारी राजीव कुमार मौजूद थे। इस दौरान कार्यक्रम स्थल में विधि व्यवस्था बनाये रखने हेतु पचंबा थाना की ओर से समुचित पुलिस बल की व्यवस्था की गई थी। वहीं इस दौरान बने मंच पर पचम्बा क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे। जिन्होंने अखाड़े में शामिल प्रतिभागियों को हौसला अफजाही करते दिखे।

सच्चाई और इंसाफ पर अडिग रहने की ताकत देता मुहर्रमः भूषण बाड़ा

सिमडेगा(ईएमएस)। मुहर्रम का पर्व जिले में रविवार को शांति, सौहार्द्र व भाइचारे के बीच मनाया गया। इस मौके पर कुरडेग प्रखण्ड मुख्यालय और केरसई प्रखंड मुख्यालय में मुहर्रम का जुलूस निकाला गया। इस मौके पर अस्त्र शस्त्र प्रदर्शन का भी आयोजन किया गया। मौके पर जंगी दस्तों द्वारा विभिन्न प्रकार के करतब दिखाये गए। दोनों ही स्थानों में विधायक भूषण बाड़ा भी जुलूस में शामिल हुए। विधायक भूषण बाड़ा ने भी मौके पर पहुंचकर हैरत अंगेज अस्त्र शस्त्र का प्रदर्शन किया और कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। विधायक ने कहा कि मुहर्रम का पर्व त्याग, बलिदान और इंसानियत की मिसाल है।मुहर्रम हमें सच्चाई और इंसाफ पर अडिग रहने की ताकत भी देता है। कर्बला के मैदान में इमाम हुसैन की शहादत ने पूरी दुनिया को यह पैगाम दिया कि जुल्म के सामने झुकना नहीं है और हक की राह पर किसी भी कुर्बानी से पीछे नहीं हटना है। उनकी ये कुर्बानी न केवल इस्लाम की, बल्कि इंसानियत की विरासत है। विधायक ने कहा कि सिमडेगा जिला धार्मिक और सामाजिक सौहार्द की शानदार मिसाल हैं। यहां हिन्दू, मुस्लिम, ईसाई सभी लोग एक परिवार की तरह रहते हैं और यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। मुहर्रम अमन, भाईचारे और अनुशासन का प्रतीक है। यह हमें याद दिलाता है कि इंसाफ के लिए खड़े होना ही असली इबादत है। कुरडेग में प्रतीकात्मक हथियारों से युवाओं ने किया युद्ध कला का प्रदर्शन कुरडेग बस स्टैण्ड सहित विभिन्न स्थानों पर मुस्लिम युवकों द्वारा प्रतीकात्मक हथियारों से युद्ध कला का प्रदर्शन किया गया। जुलूस के दौरान लोगों ने ईमाम हुसैन की याद में नारे भी लगाये। मुहर्रम का जुलूस रजा मस्जिद से निकलकर बाजार टांड, जामा मस्जिद, बस स्टैण्ड तक भ्रमण करते हुए वापस रजा मस्जिद पहुंच कर फातीहा के साथ समाप्त हो गया। रजा मस्जिद के ईमाम अहमद रजा ने बताया कि मुहर्रम पर्व के मौके पर ईमाम हुसैन की शहादत पर उन्हें याद किया जाता है और उनके दिखाये रास्ते पर चलने की नसीहत दी जाती है। जिप उपाध्यक्ष सोनी पैंकरा ने कहा कि ईमाम हुसैन ने हक और इंसाफ के लिए अपनी जान की कुर्बानी दी। मौके पर मजिस्ट्रेट के रूप में अरूण कुमार पाण्डेय, सीओ किरण डांग, अंचल पुलिस निरिक्षक दिनेश प्रजापति, जिला 20 सूत्री अध्यक्ष सह उप प्रमुख सिलबेस्टर बघवार, थाना प्रभारी संजीत कुमार, मुहर्रम कमिटी के सदर जीशान खान, अताउल्ला खान, अरशान फिरदौस, सज्जान फिरदौस, अमानुल्लाह खान आदि मौजूद थे।

किसानों के बीच बीज का वितरण

चतरा(ईएमएस)। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के सहयोग से मानव विकास संस्था ने अनुसूचित जाति के किसानों के बीच धान, मकई और सब्जी किट का वितरण किया गया। मिश्रौल, खरिका और बीरबीर गांव के किसान लाभान्वित हुए। इस दौरान संस्थान के मनश्याम राणा ने बताया कि बाजार में अधिक दर पर बीज मिलता है। आमदनी कम होने की वजह से किसान बाजार से बीज नहीं खरीद पाते हैं। ऐसे में किसानों के बीच बीच का वितरण उनके लिए कल्याणकारी साबित होगा।

आकाशीय बिजली के चपेट में आने एक महिला की मौत, एक गम्भीर

गिरिडीह (ईएमएस)। जिले के बेंगाबाद थाना क्षेत्र के गादी गांव में रविवार को वज्रपात (आकाशीय बिजली) की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि दूसरी महिला गंभीर रूप से झुलस गयी। मृतका की पहचान बेंगाबाद के सोनबाद गांव निवासी सुशील राय की पत्नी फुलवा देवी के रूप में हुई। वहीं घायल महिला जयदेव राय की पत्नी अनीता देवी हैं। घटना के सम्बंध में मिली जानकारी के अनुसार दोनों महिलाएं शौच के लिए खेत की ओर गई थीं। इसी दौरान तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिरी जिसकी चपेट में आकर दोनों महिलाएं झुलस गईं। आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण वहां पहुंचे और दोनों को तत्काल इलाज हेतु गिरिडीह सदर अस्पताल पहुंचाया।जहां चिकित्सकों ने फुलवा देवी को मृत घोषित कर दिया। वहीं अनीता देवी इलाज जारी है। हालांकि उसकी भी स्थिति नाजुक बनी हुई है। वहीं घटना के बाद पुलिस ने मृतका के शव को अपने कब्जे में पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की कार्रवाई में जुट गई है। घटना के बाद मृतका के परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

मुहर्रम जुलूस में तेज आवाज में बज रही डीजे ने ले ली एक वृद्ध महिला की जान

गिरिडीह (ईएमएस)। मोहर्रम जुलूस के दौरान डीजे की तेज आवाज से एक वृद्ध महिला की मौत हो गई। घटना गिरिडीह जिले के निमियाघाट थाना क्षेत्र के इसरी बाजार की है। मृतका डुमरी थाना क्षेत्र के पड़रियाटांड़ निवासी स्वर्गीय सीताराम पांडे की पत्नी कौशल्या देवी (72) थी। जानकारी के अनुसार कौशल्या देवी दवा लेने इसरी बाजार स्थित एक मेडिकल शॉप गयी थी। इसी दौरान बाजार से मोहर्रम का जुलूस गुजर रहा था। जुलूस में तेज आवाज में डीजे बज रहा था। डीजे की तेज आवाज को कौशल्या देवी सहन नहीं कर सकीं और असंतुलित होकर दवा दुकान के सामने ही गिर पड़ीं और बेसुध हो गयी। लोगों की तत्काल इसकी सूचना निमियाघाट पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची और महिला को डुमरी रेफरल अस्पताल लाया। जहां चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर डुमरी के सीओ शशि भूषण प्रसाद भी अस्पताल पहुंचे और परिजनों से मिलकर सांत्वना दी। सीओ ने कहा कि वृद्ध महिला की मौत डीजे की आवाज से हुई या किसी अन्य कारण से, इसकी पुष्टि मेडिकल टीम की रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो पाएगी। फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है। बताया गया कि मृतका अपने मायके पड़रियाटांड़ में रहती थीं और उनका कोई संतान नहीं है। घटना की सूचना पर गांव से कई ग्रामीण अस्पताल पहुंचे और शव को एंबुलेंस से गांव ले जाया गया। घटना के बाद इलाके में शोक और मातम का माहौल है।

भगवान बिरसा जैविक उद्यान में हिप्पो लिली ने बच्चे को दिया जन्म

रांची(ईएमएस)। भगवान बिरसा जैविक उद्यान में नया मेहमान आया है। जू में हिप्पो लिली ने एक बच्चे को जन्म दिया है। जू में अब हिप्पो की संख्या आठ से बढ़कर नौ हो गई। जू में जब से लिली और लालू की जोड़ी आई है तब से प्रतिवर्ष नए मेहमान का जन्म हो रहा है। मां और बच्चे दोनों स्वस्थ हैं, लिली को विटामिन दिया जा रहा है, ताकि वह बच्चे को दूध पिला सके। जू में लालू नामक हिप्पो को वर्ष 2009 में मैसूर जू से लाया गया था। वहीं लिली वर्ष 2013 में नंदन कानन जू से लाई गई थी।वर्तमान में जू में लालू और लिली के अतिरिक्त प्रकाश, अजय, विजय, हीरा, मोती, नैना और नया मेहमान शामिल है। जू के चिकित्सक का कहना लिली हिप्पो और उसका नवजात दोनों स्वस्थ हैं। दोनों अभी अधिकतर समय पानी में ही रह रहे हैं। लिली को खाने में विटामिन दिया जा रहा है।

रांची से चोरी हुई बुलेट सिमडेगा से बरामद

सिमडेगा(ईएमएस)। पाकरटांड़ थाना की पुलिस ने वाहन जांच के दौरान एक व्यक्ति को चोरी की बुलेट के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। एसपी एम अर्शी ने बताया कि पाकरटांड़ थाना की पुलिस भेलवाडीह स्कूल के समीप वाहन जांच अभियान चला रही थी। इसी क्रम में पुलिस ने एक व्यक्ति को बुलेट बाईक के साथ जाते देखकर रोका। पुलिस गिरफ्त में आने के बाद आरोपी ने अपना नाम प्रहलाद सिंह बताया। वाहन का कागजात मांगने पर उसने चोरी की बात कही। पूछताछ में प्रहलाद सिंह ने बताया कि यह बुलेट तुपुदाना निवासी दिना सिंह नामक व्यक्ति से लिया है। प्रहलाद सिंह के निशानदेही पर एक और चोरी की बुलेट मोटरसाइकिल बरामद किया गया।पुलिस के अनुसार यह बाईक रांची लोअर बाजार से चोरी की गई थी। पुलिस ने बताया कि प्रहलाद सिंह का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है और वह उग्रवादी और रंगदारी के मामलों में भी जेल जा चुका है। इधर पुलिस ने आरोपी प्रहलाद सिंह को गिरफ्तार करते हुए जेल भेज दिया।

विधायक भूषण बाड़ा चर्च पहुंचे, मारपीट एवं डकैती की घटना में घायल हुए पुरोहितों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना

सिमडेगा(ईएमएस)।विधायक भूषण बाड़ा रविवार को बोलबा प्रखंड स्थित समसेरा चर्च पहुंचे और मारपीट एवं डकैती की घटना में घायल हुए पुरोहितों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। मौके पर विधायक चर्च की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया। उन्होंने चर्च परिसर की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए दो सुरक्षा गार्ड की व्यवस्था करने की पहल करने की बात कही। साथ ही उन्होंने चर्च परिसर में अपने निजी खर्च पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने की घोषणा भी की। मौके पर चर्च कमेटी के लोगों ने विधायक को बताया कि अपराधियों का मनोबल अब भी काफ़ी बढ़ा हुआ है।घटना में शामिल मुख्य आरोपी अब भी पुलिस गिरफ्त से बाहर है। लोगों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि अब तक मुख्य आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया जाना दुखद है। मुख्य आरोपी के गिरफ्तार नहीं होने से चर्च परिसर में घटना की पुनरावृत्ति होने की संभावना है। अगर जल्द मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होती है तो सिमडेगा बंद कराने की बात कही। वहीं गिरफ्तार आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा दिलाने की मांग की। मौके पर आक्रोशित लोगों को समझाते हुए विधायक ने इस विषय में एसपी से बात कर जल्द से जल्द मुख्य आरोपी के गिरफ्तारी के लिए सर्च अभियान तेज कराने का आश्वासन दिया। मौके पर जिप सदस्य जोसिमा खाखा, फा रोशन, फा राजेश, फा अगुस्टीन, 20 सूत्री अध्यक्ष सह उप प्रमुख सिलबेस्टर बघवार, शीतल एक्का, संजय तिर्की आदि उपस्थित थे।

प्रत्येक व्यक्ति भारतीय संस्कृति का पोषक बनेः गुरुशरण प्रसाद

रांची(ईएमएस)।सेवा भारती झारखंड के सेवा जागरुकता मंच के तत्वावधान में बिरसा चौक स्थित सेवा निकेतन सभागार में रविवार को सेवा सम्मान कार्यक्रम हुआ। रांची की 12 सेवा संस्थाओं को इस अवसर पर सम्मानित किया गया। मुख्य वक्ता राष्ट्रीय सेवा भारती के न्यासी गुरुशरण प्रसाद ने कहा कि वंचित, अभावग्रस्त के विकास के लिए केवल सरकारी तंत्र पर भरोसा करके बैठने से नहीं होगा। समाज को आगे आना होगा। प्रत्येक व्यक्ति भारतीय संस्कृति का पोषक बने। सेवा कार्य के लिए मन का भाव होना चाहिए। मंच के महासचिव वीएन पांडेय ने संस्था की विगत क्रियाकलाप व सेवा गतिविधियों की जानकारी दी।मंच के अध्यक्ष व पूर्व सीएमडी सीसीएल ने कहा कि मंच का मुख्य उद्देश्य सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं को जरूरतमंदों तक पहुंचाने में सहयोग करना, युवाओं को कौशल युक्त बनाना, सेवा कार्य करने वाली संस्थाओं, व्यक्तियों को सम्मानित कर प्रोत्साहित करना है। नेतरहाट विद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ प्रसाद पासवान, डॉ विजय सिंह, ब्रिज किशोर पासवान ने भी विचार व्यक्त किए। धन्यवाद ज्ञापन मंच के सदस्य व पूर्व आईजी शंभू ठाकुर ने दिया। इस अवसर पर एचईसी के पूर्व सीएमडी अभिजीत घोष, निर्मल कौर, झारखंड प्रदूषण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष एके मिश्र, मेकॉन लिमिटेड के पूर्व निदेशक श्याम टोरका, एसके राय उपस्थित थे।

मुहर्रम के अवसर पर उपायुक्त ने किया जिले के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा

लोगों से की शांतिपूर्ण व सुरक्षित तरीके से त्योहार मनाने की अपील

मुहर्रम कमिटी ने अंगवस्त्र ओढ़ाकर किया उपायुक्त का स्वागत

धनबाद, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन ने मुहर्रम को लेकर रविवार को वरीय पुलिस अधीक्षक, प्रभात कुमार के साथ जिले के विभिन्न थाना क्षेत्र का दौरा किया।इस दौरान उन्होंने दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी से तैयारियों का जायजा लिया। साथ ही लोगों से शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण में तथा सुरक्षित तरीके से त्योहार मनाने की अपील की।सबसे पहले उपायुक्त व वरीय पुलिस अधीक्षक बैंक मोड़ के करबला रोड स्थित करबला पहुंचे। यहां धनबाद करबला वेलफेयर सोसाइटी के सदस्यों से मिलकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके बाद सभी पांडरपाला और वहां से भूली पहुंचे।भूली से बिनोद बिहारी चौक, शक्ति महतो चौक, तेतुलमारी, जोगता, अंगार पथरा होते हुए कतरास के पंचगढ़ी पहुंचे। यहां पदाधिकारियों ने दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी के साथ तैयारी की समीक्षा की। कतरास में मुहर्रम कमिटी ने अंगवस्त्र ओढ़ाकर उपायुक्त का स्वागत किया।इसके बाद सभी छाताबाद, लोयाबाद, पुटकी, केंदुआडीह होते हुए झरिया पहुंचे। झरिया से इंदिरा चौक, हनुमान गढ़ी, भागा, फुसबंगला, जियलगोरा, पाथरडीह, लोदना मोड़, जोरापोखर, सुदामडीह, चासनाला, सिंदरी, बलियापुर, कलियासोल, कालुबथान, पंचेत, चिरकुंडा, गलफरबाड़ी, मुगमा, मैथन, निरसा बाजार, गोविंदपुर, सरायढेला स्टील गेट होते हुए धनबाद पहुंचे।क्षेत्र भ्रमण के दौरान उपायुक्त ने दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को अपने प्रतिनियुक्त स्थान पर मौजूद रहकर कर्तव्य का अच्छे से पालन करने का निर्देश दिया। साथ ही अखाड़ा समितियों को जुलूस निकालते समय निर्धारित मार्ग का प्रयोग करने तथा जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक में दिए गए निर्देशों का पालन करने का अनुरोध किया।वरीय पुलिस अधीक्षक ने लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जिले में सभी जगह पुलिस पदाधिकारी के साथ दंडाधिकारी मौजूद हैं। प्रशासन ने शातिपूर्ण तरीके से त्योहार संपन्न कराने के लिए मुकम्मल तैयारी की है।

केंद्र सरकार सरकारी तंत्रो का दुरुपयोग कर रही हैं : पप्पु कुमार तिवारी

धनबाद : बिहार में मतदाता सूचीयों में हो रहे विशेष गहन पुनरीक्षण पर धनबाद जिला मीडिया चेयरमैन सह प्रवक्ता पप्पू कुमार तिवारी ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार सरकारी तंत्रो का दुरुपयोग कर बिहार में मतदाताओं को सामूहिक रूप से उनके मताधिकार से वंचित करने की शैतानी गवायद कर रही है! आगे पप्पू कुमार तिवारी ने कहा कि बिहार में चुनाव के पूर्व साजिश रच रही है और केंद्र के इशारे पर चुनाव आयोग द्वारा जो मापदंड अपनाई जा रही है लगभग ढाई करोड़ लोगों के पास वह प्रमाण पत्र नहीं होंगे जो चुनाव आयोग मांग रहा है मतलब मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण से अंतिम व्यक्ति के हाथ से वह एकमात्र अधिकार चल जाएगा जो आज भी उसके पास है-वोट का अधिकार केंद्र सरकार के इशारे पर चुनाव आयोग ने जो मापदंड तैयार किया है जिससे वहां के महिलाएं,सभी जातियों के गरीब प्रवासी,मजदूर और दलित,आदिवासी,पिछड़े वर्ग के लाखों-लाख लोग प्रमाण पत्र देने में पिछड़ जाएंगे और उनका वोट निश्चित रूप से कट जाएगा,केंद्र सरकार पहले देश में नोटबंदी फिर कोरोना के समय देशबंदी और अब वोट बंदी की तैयारी कर रही है,केंद्र सरकार के इशारे पर इस तरह की जा रही तानाशाही रवैया से न सिर्फ बाबा साहब अंबेडकर जी के बनाएं गए संविधान पर चोट पहुंचाने के साथ-साथ लाखों-लाख मतदाताओं को अपने मताधिकार करने से वंचित करने की एक साजिश रच रही है,आगे उन्होंने कहा कि संविधान में जिस भारत की कल्पना की गई है वह बहुलवादी,समावेशी और लोकतांत्रिक है-वह धर्मनिरपेक्ष है इसलिए नहीं की यह धर्म को खारिज करता है बल्कि इसलिए कि यह सभी धर्म के लिए समान अधिकार व सम्मान के विचार को कायम रखता है एवं संविधान सभी के लिए सामाजिक,आर्थिक और राजनीतिक न्याय का आश्वासन देता है,यह संविधान हमारा है,हमारी विरासत,हमारा हथियार,हमारा कर्तव्य,संविधान निर्माता बाबा अंबेडकर जी के बनाएं गए संविधान से किसी प्रकार की छेड़छाड़ हुई ।

संक्षिप्त ख़बरें

मुहर्रम को लेकर उपायुक्त और एसएसपी ने निरसा अनुमंडल क्षेत्र का किया दौरा

चिरकुंडा,(धनबाद), धनबाद उपायुक्त, आदित्य रंजन और एसएसपी प्रभात कुमार ने मुहर्रम के शांतिपूर्ण आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए रविवार को निरसा अनुमंडल क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान कलियासोल, पंचेत, चिरकुंडा और निरसा का दौरा किया।उपायुक्त, रंजन ने मीडिया को बताया कि मुहर्रम पर्व शांतिपूर्वक संपन्न हो, इसके लिए क्षेत्र का दौरा किया जा रहा है। उन्होंने सभी अखाड़ा लाइसेंसधारियों से अपने निर्धारित समय और मार्ग का ही उपयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने लोगों से किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की और परेशानी होने पर हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करने को कहा।उपायुक्त ने यह भी बताया कि क्षेत्र के हर चौक-चौराहे पर मजिस्ट्रेट और पुलिस बल तैनात किए गए हैं और वे पूरी मुस्तैदी से खड़े हैं। जिसका जायजा लेने के लिए वे यहां पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि वे पूरे दिन जिले भर का भ्रमण कर रहे हैं ताकि लोग पर्व को शांति और सौहार्दपूर्ण ढंग से पर्व मना सकें।इस दौरान उपायुक्त के साथ धनबाद एसएसपी प्रभात कुमार, निरसा एसडीपीओ रजत मणिक बाखला, सर्किल इंस्पेक्टर फागू होरो और क्षेत्र के सभी थाना एवं ओपी प्रभारी मौजूद थे।

मुहर्रम के दिन राजगंज में ताजिया के साथ निकला भव्य अखाड़ा जुलूस

राजगंज, (धनबाद),मुहर्रम के अवसर पर रविवार को राजगंज में पारंपरिक रूप से ताजिया के साथ भव्य अखाड़ा जुलूस निकाला गया। इस जुलूस में राजगंज थाना कुल्ही, चुंगी और राजगंज थाना क्षेत्र के विभिन्न अखाड़ा दलों ने भाग लिया।जुलूस की शुरुआत राजगंज मस्जिद से हुई, जो दलूडीह, चुंगी, हटियापट्टी, मैरा कुल्ही सहित कई इलाकों का भ्रमण करते हुए आगे बढ़ा। पूरे रास्ते में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली।जुलूस के दौरान स्थानीय अखाड़ा खिलाड़ियों ने हैरतअंगेज करतब दिखाकर लोगों का मन मोह लिया। लाठी, तलवार और कुश्ती जैसे पारंपरिक खेलों का शानदार प्रदर्शन किया गया।राजगंज पुलिस जुलूस में सुरक्षा को लेकर पूरी तरह मुस्तैद रही। पुलिस बल पूरे जुलूस के दौरान गश्त करती नजर आई, जिससे शांति और व्यवस्था बनी रही।यह अखाड़ा जुलूस अंत में कतरास रोड स्थित कर्बला मैदान में ताजिया दफन के साथ संपन्न हुआ।

दरिदा बस्ती में शांतिपूर्वक निकला मुहर्रम का जुलूस, सिंदवारटांड़ मोड़ पर हुआ पारंपरिक अखाड़ा का आयोजन

बाघमारा, (धनबाद), बरोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत दरिदा बस्ती में रविवार को मुहर्रम के अवसर पर पारंपरिक ताजिया जुलूस शांतिपूर्ण वातावरण में निकाला गया। समुदाय के लोगों ने इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हुए श्रद्धा और गम के साथ इस पर्व को मनाया। जुलूस में युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक की भारी भागीदारी रही, जिससे माहौल भावुक और भक्तिमय बना रहा।शाम के समय दरिदा पंचायत अंतर्गत सिंदवारटांड़ मोड़ के समीप पारंपरिक अखाड़ा का भव्य आयोजन किया गया।इस मौके पर आधा दर्जन से अधिक टीमों ने भाग लिया और लाठी खेल का शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। करतबों को देखने उमड़ी भीड़ ने तालियों की गड़गड़ाहट से खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।पूरे कार्यक्रम के दौरान स्थानीय प्रशासन मुस्तैद रहा, जिससे आयोजन पूरी तरह शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में स्थानीय युवाओं का विशेष उत्साह देखने को मिला। आयोजन ने क्षेत्र में सांप्रदायिक सौहार्द, आपसी भाईचारा और पारंपरिक विरासत के प्रति सम्मान का संदेश दिया।

शिरोमणि सेवा ट्रस्ट ने स्थापना दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य शिविर का किया आयोजन

धनबाद : 06 जुलाई 2025 दिन रविवार को पूर्व निर्धारित कायस्थ शिरोमणि सेवा ट्रस्ट के 06 वें स्थापना दिवस के अवसर पर बिनोद नगर के मनोकामना मन्दिर मे पहले चरण का निःशुल्क कम्प्यूटर द्वारा नेत्र जांच - श्रेष्ठ नेत्रालय के सहयोग से और खून जांच - अपोलो लैब के सहयोग से सम्पन्न हुआ। स्वास्थ्य जांच डॉक्टर पी सी एल दास एवं श्री प्रभात बक्शी के द्वारा तथा डॉक्टर प्रभात कुमार वर्मा जी के द्वारा होमियोपैथी का उपचार कर शिविर में सैकड़ों लोगों के साथ मुख्य अतिथि धनबाद विधायक लोकप्रिय राज सिन्हा जी भी उपस्थित होकर स्वास्थ लाभ लिये। इस कार्यक्रम में सभी के लिये शुद्ध पेयजल के साथ अल्पाहार का पैकेट और चाय की व्यवस्था ट्रस्ट के द्वारा किया गया था। स्वास्थ शिविर में भारी संख्या में विनोद नगर, अंबेडकर नगर, बालाजी नगर, महावीर नगर और प्रोफेसर कॉलोनी तथा मनईटांड़ से लोग आकर शिविर का लाभ लिये। कार्यक्रम को सफल करने में राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रकाश सिन्हा, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष शशि लाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रंजन श्रीवास्तव, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष प्रकाश अम्बष्ट, राष्ट्रीय महासचिव अनुज सिन्हा, राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष विजय सिन्हा, जिला अध्यक्ष डॉक्टर पी सी एल दास, जिला महासचिव बिनोद बिहारी प्रसाद सिन्हा ,जिला कोसाध्यक्ष राजीव कंठ के अलावे विकास कुमार, सुनील आनंद, प्रभात बक्शी, संदीप लाला, विजय लाल, कृष्ण कुमार सिन्हा, अनिमेष शुभम ,श्रीमती पुष्पा सिन्हा,श्याम वर्मा, पप्पू वर्मा, पिंकू वर्मा, विजय सिन्हा ,प्रभात सिन्हा ,बिधुत वर्मा श्रेष्ठ नेत्रालय के रमेश तिवारी जी के साथ उनकी पूरी टीम एवं अपोलो से बिट्टू लाला साथ ही मनोकामना मंदिर के पुजारी जी एवं पूरी समिति आदि के साथ काफी लोग थे। अंत मे राष्ट्रीय महासचिव अनुज सिन्हा ने उपस्थित सभी को धन्यवाद देकर कार्यक्रम के समाप्ति की घोषणा किये। ट्रस्ट के दूसरे चरण कल दिनांक 07 जुलाई 2025 को धनबाद रेलवे स्टेशन पर संध्या 06 बजे से असहाय एवं भूखे दरिद्रनारायण को भोजन वितरण ट्रस्ट परिवार के द्वारा स्थानीय रोटी बैंक के सहयोग से किया जायेगा।

कतरास में शिव तांडव और दिव्य झांकियों के साथ कामाख्या महायज्ञ संपन्न

कतरास, (धनबाद), केशलपुर रोड पंजाबी मुहल्ला स्थित मां कामाख्या महायज्ञ का समापन भव्य दिव्य झांकी और शिव तांडव नृत्य के साथ हुआ। यज्ञाचार्य राज बिहार शर्मा के सानिध्य में नौ दिवसीय यज्ञ की पूर्णाहुति सम्पन्न की गई। पूजा-अर्चना, हवन, आरती और कन्या पूजन के बाद महाभंडारे में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। रात्रि में मां भगवती जागरण और भक्ति संगीत का आयोजन हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।गायक पंकज शर्मा, राजेश वासन ग्रुप और नवीन गुप्ता की झांकियों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। शिव तांडव और काली तांडव की आकर्षक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। मौके पर कई गणमान्य लोग मौजूद रहे, जिनमें पूर्व सांसद, रविंद्र कुमार पांडेय सहित अनेक लोग शामिल थे।

विधायक राज सिन्हा ने स्वर्गीय जगजीवन राम के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की

धनबाद विधायक राज सिन्हा ने धनबाद सेंट्रल अस्पताल प्रांगण में स्थित, देश के महान स्वतंत्रता सेनानी और भारत के पूर्व उप प्रधानमंत्री श्रधेय बाबू जगजीवन राम के स्मारक स्थल पर स्थित आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया।इस अवसर पर धनबाद विधायक राज सिन्हा ने कहा कि, महान स्वतंत्रता सेनानी पूर्व उप प्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम ने आजादी से लेकर लोकतंत्र की मजबूती तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे सामाजिक न्याय के प्रबल पक्षधर थे। बाबू जगजीवन राम भारतीय राजनीति के उन विरले नेताओं में से थे। जिन्होंने सामाजिक न्याय ,समानता और दलित उत्थान के लिए आजीवन संघर्ष किया .उन्होंने सामाजिक विषमता के विरुद्ध जो आंदोलन खड़ा किया, उसने भारत की राजनीतिक चेतना को दिशा दी।1975 में इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपातकाल, के दौरान जगजीवन राम ने इसका कड़ा विरोध किया था।उन्होंने कांग्रेस की गलत नीतियों के कारण कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा देकर 1977 में "कांग्रेस फॉर डेमोक्रेसी" नामक एक नई पार्टी बनाई थी। देश के विकास में उनका अमूल्य योगदान रहा है। इस अवसर पर मुख्य रूप से भाजपा धनबाद महानगर के जिला मंत्री नरेंद्र त्रिवेदी ,जिला मंत्री सह मीडिया संयोजक पंकज सिन्हा उर्फ कुमार अमित, ओबीसी मोर्चा के जिला महामन्त्री राजेश गुप्ता, बरटांड मंडल अध्यक्ष किशोर मंडल, निर्मल प्रधान, रंजय सिंह,मनोज मालाकार, मनोज रिंकू,अजय मालाकार, हुलास दास,दीपक सिंह, मनीष पांडेय, मनोज रिंकू, निरज सिन्हा, ब्रजमोहन प्रसाद सहित कई पार्टी के कार्यकर्ता एवम स्थानीय लोग उपस्थित थे।

धनबाद के मुहर्रम में दिखा गंगा जमुनी तहज़ीब का अद्भुत नज़ारा

धनबाद, रविवार को पुराना बाजार चेंबर ऑफ कॉमर्स परिसर में मुहर्रम का आयोजन शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।इस अवसर पर हिंदू-मुस्लिम एकता की एक मिसाल पेश की गई, जहां कमेटी के सोहराब खान, पवन सोनी और प्रदीप नारोलिया सहित अन्य सदस्यों ने सामूहिक रूप से आयोजन को सफल बनाया। कार्यक्रम में साम्प्रदायिक सौहार्द की भावना को और मजबूती मिली जब युवा संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष, दिलीप सिंह को कमेटी की ओर से पगड़ी पहनाकर एवं अंग वस्त्र भेंटकर सम्मानित किया गया।

आद्रा मंडल में रॉलिंग ब्लॉक के मद्देनजर ट्रेनों के परिचालन में किया जाएगा बदलाव

धनबाद:दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल में रॉलिंग ब्लॉक के मद्देनजर ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया जाएगा जिनका विवरण इस प्रकार है 07.07.25 एवं 09.07.25 को गाड़ी संख्या 18019/18020 झाड़ग्राम-धनबाद - झाड़ग्राम मेमू एक्सप्रेस के परिचालन को निरस्त किया जाएगा | 07.07.25 एवं 11.07.25 को गाड़ी संख्या 68079/68080 भोजूडीह-चंद्रपुरा-भोजूडीह मेमू का आंशिक समापन एवं प्रारंभ महुदा स्टेशन से किया जाएगा।

डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्म जयंती के अवसर पर भाजपा के लोगों ने दी श्रद्धांजलि

धनबाद, भाजपा जिला कार्यालय में भाजपा धनबाद महानगर के द्वारा महानगर अध्यक्ष, श्रवण राय की अध्यक्षता में राष्ट्र के अमर सपूत भाजपा के प्रेरणापुंज डॉ ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी जन्म जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके विचार पर संगोष्ठी आयोजित की गई।इस अवसर पर उपस्थित मुख्य अतिथि झारखंड प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष, राज्य के प्रतिपक्ष के नेता प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, सांसद ढुल्लू महतो ,धनबाद विधायक राज सिन्हा, भाजपा महानगर अध्यक्ष श्रवण राय ,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संजीव अग्रवाल ,चंद्रशेखर सिंह, सत्येंद्र कुमार, राजकुमार अग्रवाल, रमेश राही, प्रियंका पाल सहित भाजपा के सभी जिला पदाधिकारी ने श्रधेय डा.श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि कर श्रद्धासुमन अर्पित किया।संगोष्ठी कार्यक्रम का संचालन मानस प्रसून एवं धन्यवाद ज्ञापन महामंत्री धनेश्वर महतो ने किया।इस अवसर पर संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि झारखंड प्रदेश अध्यक्ष, बाबूलाल मरांडी ने कहा कि, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक शिक्षाविद के साथ भारतीय राष्ट्रीय चेतना के दीप्तिमान नक्षत्र, राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए अपना सर्वस्व अर्पित करने वाले विलक्षण व्यक्तित्व की जीवन यात्रा एक गंभीर और प्रेरक आख्यान है। उनके जीवन से भारतीय राजनीति के एक ऐसे अध्याय को उजागर होती है, जो समर्पण, त्याग ,बलिदान और राष्ट्रनिष्ठा की मिसाल बनकर आज भी स्मरणीय एवं सभी के लिए अनुकरणीय है। उनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी अपने निर्भीक स्वभाव के कारण "बंगाल का बाघ" कहे जाते थे। जिन्होंने कोलकाता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में न्यायपालिका को ऊंचाइयां प्रदान की। भारत की एकता एवं अखंडता के लिए बलिदान देने वाले डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपने को साकार करने में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिन रात कार्य कर रहे हैं. श्रधेय डा० मुखर्जी के द्वारा कश्मीर में अनुच्छेद 370 के विरोध में लिया गया साहसिक रुख अंततः 5 अगस्त 2019 को साकार हुआ .जिसके लिए श्रद्धेय मुखर्जी ने अपने प्राणों की आहुति दी थी। आज हम सभी भाजपा के कार्यकर्ता ऐसे सपूत की जन्म जयंती मना रहे है जिन्होंने डॉक्टर मुखर्जी ने शिक्षा राजनीति और राष्ट्र सेवा को एक सूत्र में पिरोकर अपना संपूर्ण जीवन भारत माता के चरणों में अर्पित कर दिया था। ऐसे वीर सपूत को एक आत्मीय श्रद्धांजलि अर्पित करते है।सांसद ढुल्लू महतो ने कहा की डा. मुखर्जी के अप्रतिम योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि ,उन्होंने देश के सम्मान गरिमा और गौरव की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। मुखर्जी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू की नीतियों का विरोध किया और मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। कश्मीर में बिना परमिट प्रवेश करने पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था 23 जून 1953 को जेल में उनकी रहस्यम मृत्यु हो गई थी। संगोष्ठी मे उपस्थित सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को उनके विचार का अनुसरण करते हुए उनके बताये मार्ग एवं नीतियों पर चलने का आहवान किया।धनबाद विधायक राज सिन्हा ने डा.श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि, वह कश्मीर से धारा 370 हटाने और एक विधान, एक निशान, एक प्रधान के पक्षधर थे। नेहरू के नेतृत्व में तत्कालीन सरकार की तुष्टिकरण की नीतियों के विरोध में केंद्रीय मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था.

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, के. जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद से मुद्रित एवं विनोद नगर, धनबाद (झारखण्ड)- 826001 से प्रकाशित आर. एन. आई. नं. - 58948/94, पो. रजि. -डी. एन. बी. /54 फोन नं. 0326-2310243, 9431507990 Fax N0. -0326-2310243 Email : koylanchal_dhn@rediffmail.com & koylanchal.hindi@gmail.com समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।